



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 10, 1981 (पौष 20, 1902)
No. 2] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 10, 1981 (PAUSA 20, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 31 अक्टूबर 1980

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 अक्टूबर 1980

सं० ए०-32014/3/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग संवर्ग में निम्नलिखित स्थानापन्न वैयक्तिक सहायकों (के० स०स्टे०से० का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नामों के सामने उल्लिखित तारीखों से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के०स०स्टे०से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री जोगिन्दर सिंह	29-10-80 से 28-12-80 तक
2.	श्री आर० एल० ठाकुर	22-10-80 से 21-12-80 तक

सं० ए०-32014/1/80-प्रशा०-I(ii)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों (के०स०स्टे०से० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे लिखी तारीखों से पूर्णतः अनंतिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्टे०से० का ग्रेड ख) के पद पर नियुक्त किया जाता है :—

क्र०सं०	नाम	अवधि	अभ्युक्ति
1	2	3	4
	सर्व श्री		
1.	एस० पी० मेहरा	3-11-80 से 31-12-80 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो	निजी सचिव के 4 पदों को अस्थायी रूप से पदावत करने पर चार निर्मित पदों पर।
2.	प्रो० पी० देवरा		
3.	हुसम चन्द		

1	2	3	4
4. जतिन्दर लाल	29-10-80 से 28-12-80 तक	परिणामी श्रृंखला-बढ़ रिक्तियों के स्थान पर।	
	अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।		
5. एच० सी० कटोच	3-11-80 से 28-12-80 तक	निजी सचिव के 4 पद अस्थायी रूप से पदावनत करने पर बनाए गए चार पदों में से एक पद पर	
	अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो।		
6. टी० आर० शर्मा	22-10-80 से 21-12-80 तक	परिणामी श्रृंखला-बढ़ रिक्त के स्थान पर	
	अथवा आगामी आदेशों तक, जो पहले हो।		

2. उपर्युक्त व्यक्तियों को अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक, सहायक (के०स०स्टे०से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और के०स०स्टे०से० का ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का उन्हें कोई हक नहीं होगा उपर्युक्त तदर्थ नियुक्तियाँ कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन से की गई हैं।

एस० वालचन्द्रन
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० ओ०दो-1464/80-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० के० गनेने शेखरन को 23-10-80 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० ओ० दो-1474/80-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी०डी०ओ० ग्रेड-II) डा० एस० पलानी चामी, ग्रुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, अवादी, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 28-8-80 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० ओ०दो-1523/80-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा० राम० रघुनाथ को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी

होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी०डी०ओ० ग्रेड-II (जी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर डाकटरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर 5-11-1980 अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

एस० सी० विद्यार्थी
उप निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं० ओ०दो-47/76-स्थापना—ले० कर्नल एस० पी० मलिक (अवकाश प्राप्त) ने पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्ति पर कमाण्डेंट-2nd सिगनल बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के पद का कार्यभार दिनांक 24-11-80 (अपराह्न) से त्याग दिया।

ए० के० सूरि
सहायक निदेशक (प्रशा०)

समन्वय निदेशालय

(पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001 दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० ए०-13018/1/80-प्रशासन—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक निदेशक एवं अतिरिक्त सहायक निदेशक/अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक) को दिनांक 30-6-1980 से अतिरिक्त सहायक निदेशक/अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक) के पद में स्थायी किया जाता है:—

- | | |
|-----------------------------|--------------------------------|
| 1. श्री चंचल सिंह | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 2. श्री बी०के० मित्रा | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 3. श्री एम०एन० टिक्कू | सहायक निदेशक |
| 4. श्री जे०बी० बन्धोपाध्याय | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 5. श्री पी०जे० जकारिया | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 6. श्री वी० सीतारमण | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 7. श्री के० सेपुल्ला | अतिरिक्त सहायक निदेशक |
| 8. श्री बी०के० दास गुप्ता | अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक) |
| 9. श्री पी०एल० हाडिंग | अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजांक) |

क्षत्रपति जोशी

निदेशक, पुलिस दूरसंचार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

सं० 10/24/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री वाई० एस० राव को उसी कार्यालय में तारीख 25 नवम्बर, 1980 के अपराह्न से 30 सितम्बर, 1981 तक या अगले आदेशों तक, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर, प्रतिनियुक्ति पर,

1100-50-1600 रुपए के वेतनमान में उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

रक्षा मंत्रालय

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

डी०जी०ओ०एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

सं०-27/80/ए०/ई-1 (एन०जी०)---डी० जी० ओ० एफ० महोदय, ताराख 1-11-80 से आगामी आदेश न होने तक श्रीमती सीता गुहा, तदर्थ सहायक स्टाफ अफसर को, वर्तमान रिक्ति में, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

श्रीमती गुहा अपनी प्रोन्नति की तारीख से आगामी दो वर्षों तक परखावधि पर रहेंगी।

डी० पी० चक्रवर्ती

ए०डी०जी०ओ०एफ०/प्रशा०

कृते महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

(श्रम म्युरो)

शिमला-171004, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० 23/3/80 सी० पी० आई०---नवम्बर, 1980 में औद्योगिक श्रमिकों का अधिकृत भारतीय उपमोक्षा मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अक्टूबर, 1980 के स्तर से पांच अंक बढ़ कर 411 (चार सौ ग्यारह) रहा है। नवम्बर 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 500 (पांच सौ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,
संयुक्त निदेशक

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

सं० 1707/ए०---दिनांक 10-6-1980 के क्रम नं० 434/ए० में श्री पी० डी० जाधव को अनुभाग अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 6-6-1981 तक उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करता हूं।

पी० एस० शिवराम
महा प्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० प्रशासन/33-2क/75/4470---श्री पुलिन बिहारी बाग को निदेशक लेखा परीक्षा दक्षिण पूर्व रेलवे कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेल लेखा सेवा के अस्थायी सदस्य, अगले आदेश तक 5-12-1980 के पूर्वाह्न में लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया है।

अ० ना० चक्र
निदेशक, लेखा परीक्षा

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

सं०-12/294/61-प्रशा० (राज०)---राष्ट्रपति जी, परिवार कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सम्पादक (हिन्दी) श्री प्रभाशंकर मेहता को दिनांक 29 नवम्बर, 1980 (अपराह्न) से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति आधार पर विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-2 (तकनीकी प्रचार) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं०-12/496/65-प्रशासन (राजपत्रित)---राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोंगा के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (औद्योगिक प्रबंध एवं प्रशिक्षण)---श्री वा०के० शर्मा को दिनांक 15 नवम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक (औद्योगिक प्रबंध एवं प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/442/7-प्रशासन (राजपत्रित)---विकास आयुक्त (लघु उद्योग) स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण एवं मांखिकी) श्री दयानन्द प्रसाद को दिनांक 30 जनवरी, 1980 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/495/80-प्रशासन (राजपत्रित)---विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलूर के लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (रसायन)---श्री पी० बू० जॉन को दिनांक 10 नवम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों

तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कनकपुरा में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (रसायन) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० ई०-II(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई-II(7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन “इन्डोमाइट” प्रविष्टि के पूर्व स्थलों पर अभिप्रयोग विनिर्दिष्ट पम्प ट्रक के अन्दर तथा क्षेत्र अभिप्रयोग सीधे विनिर्दिष्ट बोरछिद्र हेतु 31-12-481 पर्यन्त “इन्डोजेल-614, इन्डोजेल-634, इन्डोजेल-674 (पम्प गैबल कर्दम विस्फोटक) जोड़ा जाये”।

दिनांक 15 दिसम्बर 1980

सं० ई०-II (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II (7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन “केलवेक्स-100, केलवेक्स-200, केलवेक्स-500, केलवेक्स-700, तथा केलवेक्स-800” तथा “केलवेक्स-90, केलवेक्स-210, केलवेक्स-220, केलवेक्स-600, केलवेक्स-650 तथा केलवेक्स-पा” प्रविष्टि के पश्चात् विनिर्दिष्ट स्थलों पर अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु 31-12-80 पर्यन्त तथा विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु हटाया जाय।

सं० ई-II (क)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II (7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन—

- (i) “डायनेक्स-1” प्रविष्टि के पश्चात् “डायनेक्स-सी” विनिर्दिष्ट स्थलों पर अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु 31-3-1981 पर्यन्त जोड़ा जाये तथा
- (ii) “पावरप्लास्ट” प्रविष्टि के पश्चात् “प्रीमियर डायनामाइट” विनिर्दिष्ट स्थलों पर अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु 31-3-1981 पर्यन्त हटाया जाये।

चरणजित लाल
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं० 9672-बी०/ए०-19012 (3-एस० जी०)/80-19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ तकनीकी

सहायक (रसायन) श्री एस० गणेश को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200-ह० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 16-10-1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महा निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

सं० ए-38 013/1/80-स्था०—अधिवाषिता की आयु पर पहुंचने के फलस्वरूप इस निदेशालय के लेखा अधिकारी, श्री पी० आर० कोर्को, 20 नवम्बर, 1980 के अपराह्न को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

जनकराज लिम्बू
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

सं०-6-47/80-डी०सं०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय औषधि प्रयागशाला, कलकत्ता में अधीक्षक श्री एस० बनर्जी के 20 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

एस० एस० गोठोस्कर
औषधि नियंत्रक (भारत)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० ए०-19018/11/80 के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० रामेश्वर प्रसाद पाण्डेय को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना ग्रहमदाबाद में 8 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से तदर्थ (ad-hoc) आधार पर आयुर्वेदिक फिजिमियन के पद पर नियुक्त किया है।

के० एल० भाटिया
उपनिदेशक प्रशा०

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० ए-12025/20/77 एआईआईपीएमआर/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री नरेन्द्र कुमार कल्मादी, प्रबंधक, प्रोस्टेडिक वर्कशाप (प्रॉस्टेशन) अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास संस्थान, बम्बई को 6 अगस्त, 1980

पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में अधःक्षक प्रास्थेतिक और आर्थोडिक वर्कशॉप के पद पर अस्थायी आधार नियुक्त किया है।

सं० ए०-12025/1/80-(जे०आई०पी०) प्रशा०-I—राष्ट्र-पति ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनु-संधान संस्थान पांडिचेरी के सहायक जीव रसायनी डा०ए० बालामुष्मणिधम को 4 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में जीव रसायनी के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनु-संधान संस्थान, पांडिचेरी में जीव रसायनी के पद पर अपना नियुक्ति के फलस्वरूप डा०ए० बालामुष्मणिधम ने 4 अक्टूबर, 1980 के पूर्वाह्न से उसी संस्थान से सहायक जीव रसायनी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 20 दिसम्बर 1980

सं० ए०-12025/23/79/एन०आई०सी०डी०/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री एम० के० शर्मा को 9 दिसम्बर, पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में सहायक निदेशक (कांट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं०ए०-12026/9/80-प्रशा०-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो के श्री एस०डी० यादव एच०ई०टी० ग्रेड- को 28 नवम्बर, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी व्यूरो में सहायक सम्पादक (हिन्दी तथा अंग्रेजी) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

सं० न०प०वि०प०/प्रशा/1(156)/80/एम16471—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, श्री विजयपाल सिंह, अस्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में, वैतमान रु० 650-30-740-35-88 0-द.रो.-40-960 में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 5 दिसम्बर, 1980 से 4 मार्च, 1981 तक, के लिए भूमि प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन मन्त्रि

हैदराबाद-500762, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

सं० का० प्र० भ०/0704/78 58—अनाभिकीय ईंधन मन्त्रि के मुख्य कार्यपालक औद्योगिक अस्थायी आशुलिपिक (प्रवरण श्रेणी) श्री भ०ल० गणपति शास्त्री को स्थानापन्न सहायक कामिक अधिकारी के पद पर नाभिकीय ईंधन मन्त्रि में अवकाश रिक्ति पर दिनांक 17-12-1980 से 19-1-81 पर्यन्त, अथवा अगले आदेशों तक के लिए जो भी पहले घटित हो, नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेवा राव
प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० प०ख०-प्र० 1/6/80-मर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री देवा-शींग मुखीराध्याय को परमाणु खनिज प्रभाग में 8 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस०बी० नियुक्त करने हैं।

दिनांक 20 दिसम्बर, 1980

सं० प०ख०-प्र०-8-1/80-प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक 13 अक्टूबर, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न हिन्दी अनुवादक श्री सोमनाथ सचदेव को उसी प्रभाग में श्री जे०आर० गुप्त सहायक कामिक अधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 2-11-1980 से लेकर 6-12-1980 के अवसराह तक स्थानापन्न रूप से सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम०एस०राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलूर-560025, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

सं०-10/5(14)/79-सी०ई०डी०(एच०)—वी०फ इंजी-नियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, अंतरिक्ष विभाग, निम्न-लिखित तकनीकी कर्मचारियों को अंतरिक्ष विभाग के सिविल

इंजीनियरी प्रभाग में स्थायी पदों पर प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	स्थायी पद यदि कोई हो	पद, जिसपर अब स्थायी रूप में नियुक्त किया गया है	प्रभावी तारीख
----------	-----	-------------------------	--	------------------

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

सर्व श्री

1.	वाई सीता- रामुडु	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
2.	आर० बाल- कृष्णन्	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
3.	एस०एन० आयंगर	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
4.	जी०एन० कृष्ण कुमार	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
5.	यू० जयराम	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
6.	ए०एस०मुद्द- लियार	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
7.	सी० जार्ज	फोरमैन (विद्युत्)	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
8.	वाई० राधा- कृष्णन	फोरमैन (विद्युत्)	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
9.	एस०एस०राव	फोरमैन (विद्युत्)	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
10.	पी०आर० गोपीनाथन	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
11.	टी० राममूर्ति	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
12.	आर० चन्द्रन	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
13.	बी० वेंकटरा- मना आचार	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
14.	के०मधु राव	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
15.	के० विश्वनाथन	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
16.	एम०बी० कृष्णामूर्ति	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
17.	के०टी० कुरियाकोसे	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980

1	2	3	4	5
18.	एस०बी० रामनराव	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
19.	जी०सी० सबाराय	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
20.	बी०के० शंकरन	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
21.	पी०वेंकटेश्वरलु	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
22.	एच०डी० पाटिल	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
23.	जी०के० भट्ट	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
24.	मुहम्मद अंसगर	—	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
25.	एम०पी० कृष्णा	—	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
26.	ए०एस० बदामी	कनिष्ठ शिल्प सहायक	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
27.	सी०नागिरेड्डी	—	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
28.	एम० निर्मल दास	—	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
29.	एम० अरुणा- चलम	—	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
30.	रवि जे० वर्गीज	—	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
31.	एम० ओ० एटो	—	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
32.	के०के०के० नायर्	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
33.	पी०जी० सुगुनाशेखरन	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
34.	पी०एस० शंकरनारायणन्	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
35.	सी०लक्ष्मैया सेठी	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
36.	एम० सत्य- शोलन	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
37.	बी०चन्द्र बालन	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980
38.	च०बी० राधव राव	तकनीकी सहायक“सी”	इंजीनियर “एस०बी०”	1-4-1980

एम० पी०आर०पाणिकर
प्रशासनिक अधिकारी-II

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलूर, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं०-020/3(061)पी/80.—निदेशक, इसरो उपग्रह केन्द्र, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलूर के निम्नलिखित अधिकारियों की इसी केन्द्र में, स्थानापन्न रूप में प्रत्येक के नाम के सामने दिये गये पदों पर तथा प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों के पूर्वान्त से आगामी आधेन तक पदोन्नति करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	पद तथा ग्रेड जिससे पदोन्नति की गई	पद तथा ग्रेड जिस पर पदोन्नति की गई	तारीख
1.	श्री ए० अन्नाराव वैज्ञानिक सहायक“सी”	वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस०बी०”	1-10-80	
2.	श्रीमती प्रेमा हरिदाम	वैज्ञानिक सहायक“सी” इंजीनियर “एस०बी०”	1-10-80	
3.	श्रीमती एन्नी नेल्सन	वैज्ञानिक सहायक“सी” इंजीनियर “एस०बी०”	1-10-80	
4.	श्रीमती ललिता नारायणम्	वैज्ञानिक सहायक“सी” इंजीनियर “एस०बी०”	1-10-80	

सं०-020/3(061)/प्रार०/80.—निदेशक, इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलूर, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलूर में वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस०बी०” श्री एस० रामानुजम् का सेवा से त्याग पत्र दिनांक 1 सितम्बर, 1980 के पूर्वान्त से स्वीकार करते हैं।

एस० सुब्रह्मण्यम्
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1980

सं० ए०-32013/5/79-ई०ए०.—राष्ट्रपति ने श्री प्रेम नाथ को 1 अगस्त, 1980 से 6 मास के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, पर नियुक्त किया है।

2. श्री प्रेम नाथ को मुख्यालय में उपनिदेशक (योजना) के रूप में तैनात किया गया है।

एस० गुप्ता,
उपनिदेशक
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक, 12 दिसम्बर 1980

सं० ए०-32013/10/80-ई०-1.—राष्ट्रपति ने श्री एस०के० बी०, उपनिदेशक/नियंत्रक, विमानक्षेत्र को दिनांक 20, नवम्बर 1980 (पूर्वान्त) से छः मास के लिए अथवा नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर निदेशक विमानक्षेत्र के रूप में कलकत्ता एयरपोर्ट, दम दम पर नियुक्त किया है।

सुधाकर गुप्ता
उपनिदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

सं० ए०-32013/6/78-ई०सी०.—इस विभाग की दिनांक 15-11-80 की अधिसूचना सं० ए-32013/6/78-ई०सी० क्रि क्रम संख्या 4 का आंशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति ने श्री बी० एन० सिल, सहायक संचार अधिकारी की जो इस समय क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 31-7-1980 (पूर्वान्त) से संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32014/3/79-ई०सी० (पार्ट-IV)—इस विभाग की दिनांक 15-11-1980 की अधिसूचना संख्या ए०-32014/3/79-ई०सी० (पार्ट-IV) की क्रम संख्या-1 का संशोधन करते हुए महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, पालम के श्री ओ० पी० चड्ढा, तकनीकी सहायक को दिनांक 8-9-1980 (पूर्वान्त) से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तैनात किया है।

सं० ए०-38013/1/80-ई०सी०.—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-10-80 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्र० सं०	नाम और पदनाम	स्टेशन
	सर्वश्री	
1.	जी०बी० ब्रह्मो सहायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।
2.	एस० रामामृतम्, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।

सं० ए०-32013/5/80-ई०सी०.—इस विभाग की दिनांक 13-6-1980 की अधिसूचना सं० ए०-32013/5/80-ई०सी०

के क्रम में, राष्ट्रपति ने श्री एन० के० पुरी, सहायक निदेशक, संचार की दिनांक 8-7-80 से 23-11-80 तक की अवधि के लिए उपनिदेशक संचार (योजना) के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है।

सं० ए०-38015/31/80-ई०सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर के श्री के० एस० रत्नम्, सहायक तकनीकी अधिकारी को मूल नियम 56(के) के उपबन्धों के अन्तर्गत दिनांक 31-10-1980 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की है।

आर० एन० दास
सहायक निदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

सं० ए०-32014/1/80-प्रशा०पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर(इंजीनियरी) के ग्रेड में पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810-६००-35-880-40-1000 ६००-40-1200 के वेतनमान में 6 महीने की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—

क्र०सं० अधिकारी का नाम तथा पदनाम अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर का कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख

1	2	3
सर्वश्री		
1. आर०पी० त्रिपाठी, पर्यवेक्षक	15-9-80 (पूर्वाह्न)	
2. आई०जे० शर्मा, पर्यवेक्षक	19-9-80 (पूर्वाह्न)	
3. जे०सी० दास, पर्यवेक्षक	10-11-80 (पूर्वाह्न)	
4. वाई० नागेश्वर राव, पर्यवेक्षक	21-11-80 (पूर्वाह्न)	
5. आर०एन० मिश्र, पर्यवेक्षक	10-12-80 (पूर्वाह्न)	
6. एन०एन० सरकार, पर्यवेक्षक	1-10-80 (पूर्वाह्न)	
7. पी०एन० मिश्र, पर्यवेक्षक	29-11-80 (पूर्वाह्न)	
8. ए० तिवारी पर्यवेक्षक	17-11-80 (पूर्वाह्न)	

1	2	3
9. ए०के० घोष पर्यवेक्षक		23-10-80 (अपराह्न)
10. वीरेन्द्र पाल, पर्यवेक्षक		12-10-80 (पूर्वाह्न)

के० एल० भण्डुला
अवर सचिव,
केन्द्रीय जल आयोग

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

आयकर

फा० सं० जुरि-दिल्ली-I/80-81/31905—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-6, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 15-12-80 से निम्नलिखित आयकर सर्किल बनाया जाएगा।

टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-5, नई दिल्ली

सं० जुरि-दिल्ली-6/80-81/32046—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा टी०डी०एस० सेलरी सर्किल, नई दिल्ली के बारे में पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिकरण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-6, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि अनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट नियोक्ताओं के बारे में जिनके कार्यालय या कार्य का स्थान संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली में स्थित है, सेलरी से टी०डी०एस० के बारे में कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र होगा।

यह अधिसूचना दिनांक 15-12-1980 से लागू होगी।

अनुसूची

1	2	3
1. आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-1, नई दिल्ली	1. वे सभी नियोक्ता जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के "ए" से लेकर "एच" तक के किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हैं, किन्तु इनमें निम्नलिखित नियोक्ता शामिल नहीं हैं:—	
	(क) सभी ट्रस्ट, सभी सरकारी समितियां, समिति अधिनियम 1960 के अन्तर्गत पंजीकृत	

1	2	3
		समितियां, बक्फ, धर्मादा तथा अन्य पूर्व संस्थान ।
(ख)	सभी होटल, भोजनालय रेस्तरां तथा वाणिज्यिक अतिथि गृह ।	
(ग)	सभी अस्पताल तथा नर्सिंग होम, मेडिकल प्रैक्टिशनर, वकील, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट तथा अन्य कानून प्रैक्टिशनर ।	
(घ)	सभी ठेकेदार, आर्किटेक्ट तथा इंजीनियर, आन्तरिक साज-सज्जाकार तथा संबंध परामर्शदाता ।	
(ङ)	सभी विश्वविद्यालय, कालेज, स्कूल तथा अन्य शैक्षिक संस्थान ।	
(च)	सभी एयर लाइनें, यात्रा तथा पर्यटक एजेन्सियां ।	
(छ)	सभी प्रकाशक जिनमें अखबारों के प्रकाशक, प्रिन्टर तथा प्रिन्टिंग प्रेसों के मालिक शामिल हैं ।	
(ज)	बिजली के सामान तथा इलेक्ट्रानिक वस्तुओं और उपकरणों के सभी निर्माता तथा व्यापारी ।	
(झ)	1-4-1978 के बाद निगमित सभी कम्पनियां ।	
(ण)	केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों के सभी मंत्रालय और विभाग तथा दिल्ली प्रशासन ।	
2.	सभी फिल्म निर्माता, वितरक, प्रदर्शक तथा फिल्म फाइनेन्सर ।	
3.	सभी रोड़ ट्रांसपोर्टर, ट्रक आपरेटर मालवाहक, टैक्सी मालिक तथा आपरेटर ।	
2. आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-II, नई दिल्ली	(I) वे सभी नियोक्ता जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के "आई" से लेकर "क्यू" तक के किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हैं । किन्तु इनमें आयकर अधिकारी टी० डी० एस० (सेलरीज) सर्किल I, III, IV तथा V के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामले शामिल नहीं होंगे ।	

1	2	3
		II सभी अस्पताल और नर्सिंग होम, मेडिकल प्रैक्टिशनर, वकील, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट तथा अन्य कानून प्रैक्टिशनर ।
3 आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-3, नई दिल्ली	(I) वे सभी नियोक्ता जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के "आर" से लेकर "जेड" तक के किसी भी अक्षर से आरम्भ होते हैं । किन्तु इनमें आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-I, II, IV, तथा V के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामले शामिल नहीं होंगे ।	
	(II) सभी ट्रस्टर, सभी सहकारी समितियां समिति अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत समितियां, बक्फ, धर्मादा तथा अन्य पूर्व संस्थान ।	
	(III) सभी विश्वविद्यालय, कालेज, स्कूल, तथा अन्य शैक्षिक संस्थान ।	
	(IV) सभी प्रकाशक जिनमें अखबारों के प्रकाशक, प्रिन्टर तथा प्रिन्टिंग प्रेसों के मालिक शामिल हैं ।	
4. आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-IV, नई दिल्ली	(I) सभी ठेकेदार, आर्किटेक्ट और इंजीनियर, आन्तरिक साज-सज्जाकर तथा संबंध परामर्श दाता ।	
	(II) बिजली के सामान तथा इलेक्ट्रानिक वस्तुओं तथा उपकरणों के सभी निर्माता तथा व्यापारी ।	
	(III) 1-4-1978 के बाद निगमित सभी कम्पनियां ।	
5. आयकर अधिकारी टी०डी०एस० (सेलरीज) सर्किल-5, नई दिल्ली	(I) सभी होटल, भोजनालय, रेस्तरां तथा वाणिज्यिक अतिथि गृह ।	

1	2	3
	(II) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों के सभी मंत्रालय और विभाग तथा दिल्ली प्रशासन।	

डी० एन० चौधरी
आयुक्त आयुक्त दिल्ली-6, नई दिल्ली

कार्यालय आयुक्त आयुक्त दिल्ली-5,

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

सं० जुरि/दिल्ली/5/80-81/32323—धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 ए ए की उप-धारा (1) तथा दान-कर अधिनियम 1958 की धारा 7 ए ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धनकर/दानकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि इसके साथ संलग्न अनुसूची "ए" में निर्विष्ट मामलों के बारे में धनकर/दानकर अधिकारी डि० 4(10) को प्रदान की गई या सौंपी गई सभी अथवा किसी भी कार्य की शक्ति के प्रयोग या कार्य निष्पादन के बारे में निरीक्षीय सहायक आयुक्त आयुक्त, रैंज 5 एफ, नई दिल्ली का समवर्ती अधिकार होगा।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के प्रयोजन के लिए धन-कर दानकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली धनकर अधिनियम की 8 ए ए की उपधारा (2) और दानकर अधिनियम की धारा 7 ए ए में अपेक्षित आदेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक धनकर/दानकर आयुक्त, रैंज-5 एफ को भी प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 19-12-1980 से लागू होगी।

आर० डी० सक्सेना
आयुक्त आयुक्त दिल्ली-5,
नई दिल्ली

अनुसूची-क
धनकर मामलों की सूची

1	2	3
1. श्रीमती आशा खंडेलवाल		व्यक्ति
2. श्री बद्रीप्रसाद		व्यक्ति
3. श्री बद्रीप्रसाद	हि० अ० प०	
4. श्री विशावरदयाल		व्यक्ति
5. श्रीमती बिमला देवी		व्यक्ति
6. श्रीमती भोरीदेवी		व्यक्ति
7. मैसर्स विशावरदयाल बद्रीप्रसाद	हि० अ० प०	

1	2	3
8. श्री द्वारिकाप्रसाद		हि० अ० प०
9. श्री द्वारिकाप्रसाद		व्यक्ति
10. श्री घासीराम गुप्ता		व्यक्ति
11. श्री घासीराम गुप्ता		हि० अ० प०
12. श्रीमती गिन्दोड़ी देवी		व्यक्ति
13. श्रीमती कशमीरी देवी।		व्यक्ति
14. श्रीमती खालिक उल्मीशा		व्यक्ति
15. श्री मोहम्मद यूनिस्		व्यक्ति
16. श्री महेश चन्द्र		हि० अ० प०
17. श्रीमती मुन्नीदेवी		व्यक्ति
18. श्रीमती महेन्द्र कुमारी		व्यक्ति
19. श्रीमती मधु खंडेलवाल		व्यक्ति
20. श्री नरेश चन्द्र		हि० अ० प०
21. श्री नरेश कुमार		व्यक्ति
22. श्री रामेश्वर दयाल		व्यक्ति
23. श्री रामेश्वर दयाल		हि० अ० प०
24. श्री राजेश कुमार		व्यक्ति
25. श्री राजकुमार		व्यक्ति
26. श्री सुरेश चन्द्र		हि० अ० प०
27. श्रीमती शशि खंडेलवाल		व्यक्ति
28. श्रीमती सुनिता देवी		व्यक्ति
29. श्री विशम्बर दयाल		हि० अ० प०
30. श्रीमती पातिमाबाई		व्यक्ति

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

आयुक्त विभाग

सं०-123—श्री पुष्प कुमार श्रीवास्तव, आयुक्त निरीक्षक, इलाहाबाद प्रभार को आयुक्त अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफिसियेट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 1-11-80 के पूर्वाह्न में आयुक्त अधिकारी (संग्रह तथा सांख्यिकी) कार्यालय आयुक्त आयुक्त, इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

सं०-124—श्री श्रीराम भारती (अनु०जाति) निरीक्षक इलाहाबाद प्रभार को आयुक्त अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफिसियेट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 1-12-1980 के पूर्वाह्न में आयुक्त अधिकारी, जी-वाई इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

धरती धर
आयुक्त आयुक्त
लखनऊ

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 2383—यतः युझे, आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोबिन्द मार्केट जी० टी० रोड में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) श्री कुलवीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह बासी गांव
शंकर, तहसील नकोवर (अन्तरक)
- (2) श्री भूपिन्द्र सिंह पुत्र मोहन सिंह मारफत दबिन्द्र
सिंह पुत्र तेजा सिंह न्यू मोडर्न टेलर्ज एण्ड
डायर्ज 'बड़ा पिंड रोड गुराया मारफत पित्तो
मोहन सिंह (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 237 अप्रैल,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-12-80
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2384—यतः मुझे, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोविन्द मार्केट मार्केट जी० टी० रोड, गुराया में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र मुरजीत सिंह मुख्तियार-ए-
ग्राम जगतार सिंह वासी गांव शंकर तहसील
नकोवर जिला जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अवतार कौर पत्नि मोहन सिंह पुत्र गुरदास
सिंह और भूपिन्ध सिंह पुत्र तेजा सिंह न्यु टेलर्ज
एण्ड डायर्ज बड़ा पिण्ड रोड गोराया

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 239 अप्रैल,
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-12-1980
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए०पी० नं० 2385—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है और जो गोबिन्द मार्किट जी० टी० रोड, गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लोर में रजिस्ट्रीकरण के अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कुलबीर सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह मुख्तयार-ए-श्राम भूपिन्द्र वासी गांव शंकर तहसील नकोबर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रतपाल सिंह पुत्र मोहन सिंह मारफत देविन्द्र सिंह पुत्र तेजा सिंह, न्यू माडर्न टेलर्ज एण्ड डायर्स, बडा पिण्ड रोड गोराया (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (2) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता री जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-शरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 238, अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लोर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-12-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी०/2386—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोबिन्द मार्किट जो० टी० रोड, गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1980 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित षट्शेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कुलवीर सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह मुख्तार-ए-ग्राम गुरमुख सिंह वासी गांव शंकर तहसील नकोदर जिला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री जसवीर सिंह पुत्र मोहन सिंह मारफत देविन्दर सिंह, पुत्र तेजा सिंह, न्यू माडर्न टेलर्ज एण्ड डायर्स, बड़ा पिण्ड रोड, गोराया

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 240, अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-12-80
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2387—यत/मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिम्मेदार सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोबिन्द मार्केट, जी० टी० रोड, गोराया में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) कुलबीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह मुक्तयार-ए-आम मरुखन सिंह वासी गांव शंकर तहसील नकोदर जिला जालन्धर (अन्तरक)
- (2) प्रितपाल सिंह जसबीर सिंह सुपुत्र मोहन सिंह पुत्र गुरुदास सिंह मारफत देविन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह, न्यू टेलर्ज एण्ड डायसे बड़ा पिण्ड रोड, गोराया (अन्तररिती)
- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 241, अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-12-80
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 17-12-1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2381—यतः मुझे, आर० गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोबिन्द मार्किट, जी० टी० रोड, गोराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4 प्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री कुलवीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह मुस्तयार-ए-ग्राम मुमन्तर सिंह वासी गांव शंकर तहसील नकोदर जिला जालन्धर

(अन्तरक)

(3) श्रीमती अवतार कौर पति मोहन सिंह पुत्र गुरवास सिंह मारफत देविन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह, न्यू मार्डन टेलर्स एण्ड डायर्य बड़ा पिण्ड रोड, गुराया

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 242 अप्रैल 1980 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 17-12-1980
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तिनांक 17-12-1980

निदेश सं० ए० सी. नं० 2389--यतः मुझे, आर० गिर-
धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गोविन्द
माफिठ, जी० टी० रोड, गुराया में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

3-406GI/80

- (1) कुलवीर सिंह पुत्र सुगतीत सिंह मुक्तयार-ए-
श्राम गुरुमुखसिंह वार्गी गांव शंकर तहसील
नकोदर, जिला जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रितपाल सिंह, जमवीर सिंह, सुभद्र मोहन सिंह
मारफत देविन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह न्यू
मार्डेन टेलरज एण्ड डायर्स बड़ा पिण्ड रोड,
गोराया (अन्तरिती)
- (3) जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 265,
अप्रैल, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा
है।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 17-12-80

मोहर:

प्रकरण छह: टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2390---यतः मूले, आर० गिरधर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोविन्द मार्केट, जी० टी० रोड, गाराया में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई,

1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में प्राथमिक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दार्शिक्य में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा
प्रदान, पी०/ग

(ख) ऐसी किसी धान या किसी धन या अन्य धातुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनांतर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटितः--

- (1) श्री कुलवीर सिंह पुत्र मुरजीत सिंह मुख्तयार-
ए-ग्राम मुमिन्तर सिंह, भूपिन्दर सिंह बासी
गांव शंकर तहसील, नकोदर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अश्वतार और पति मोहन सिंह और
भूपिन्दर सिंह पुत्र मोहन सिंह मार्फत हेमिन्दर
सिंह पुत्र तेजा सिंह न्यू मार्डन टेलरज एण्ड
ड्रायर्स, बड़ा पिण्ड रोड, गोया (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विनियम नं० 266,
मई, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर
में लिखा है।

आर० गिरधर
सहायक आयकर अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जलन्धर

तारीख : 17-12-80
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नवंबर 1980

निदेश सं० 2027-ए०/सहारनपुर—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो मेहर मार्किट, सहारनपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण या पूर्व किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तिलक राम पुत्र श्री सन्तराम पेशा दुकानदार
सहारनपुर, 17 ई० हकीकत नगर सहारनपुर
(अन्तरक)(2) श्रीमती माया देवी विधवा सुन्दराम निवासी
सहारनपुर ज्वालानगर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुकान न० 18ए० 67 ए० जिसका न० पा० न० 14/ 1596/67 ए०, क्षेत्रफल 9 वर्ग गज बाजार मेहर मार्किट जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 25000/- रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुरतारीख : 3-11-80
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 3 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 2035ए०/बुलन्दशहर/80-81--अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नया गांव है तथा जो नयागांव में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में,
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारताविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री बदलू सिंह पुत्र श्री पुरन सिंह निवासी बरन
जिला सहरनपुर (अन्तरक)

(2) श्री दरगाह गरीफ सैयद मसूर अली माहब नयागांव
द्वारा श्री मंसूर अली अहमद बन्द अली अहमद
मो० गेखान जिला बुलन्द शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्सूमी

जमीन नयागांव परगना बरन जिला बुलन्द शहर में
स्थित है जो कि बुलन्दशहर में स्थित है जो कि 13,250/ रु०
में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-11-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 3 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 289बी०/कानपुर—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 59/18 है तथा जो नाचघर बिरहाना रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पक्षद्विगुण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से छूटी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री देवी प्रसाद दाक्षित पुत्र श्री अम्बिका प्रसाद दाक्षित निवासी 59/81 नाचघर बिरहाना रोड कानपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती दयावती जैन पुत्री श्री रामनाथ जैन निवासी 24/40 बिरहाना रोड, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाह्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 59/81 नाचघर बिरहाना रोड कानपुर में स्थित है जो कि 49000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-11-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० ६५०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 1516-ग०/देहरादून/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 67 है तथा जो ऋषिकेश में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-80

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबिा नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती अमृतकौर पति रविन्द्र सिंह तारेश निवासी रेलवेरोड ऋषिकेश देहरादून।
(अन्तरक)

(2) श्री मन्तराम सोनी पुत्र प्यारेलाल सोनी निवासी 67 तेजबहादुर देहरादून ऋषिकेश रोड, देहरादून मर्माप ऋषी मिनेमा, ऋषिकेश, देहरादून।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता भकान सं० 67 ग० देहरादून ऋषिकेश रोड ऋषी मिनेमा के पास ऋषिकेश में स्थित है तथा जो 14000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-10-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 1519-ए०/देहरादून/79-80--अनः मुझे,

बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 76 है तथा जो पलटन बाजार देहरादून में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र कण्डीरी लाल निवासी 179 लूनिया मोहल्ला देहरादून (अन्तरक)
- (2) श्री एन० बी० कुरेशी पुत्र श्री स्व० एन० यू० कुरेशी निवासी 42 पलटन बाजार देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिनका नम्बर 76 पलटन बाजार देहरादून में स्थित है जो कि 62000/- रु० में बिक्री की है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख: 3-10-1980
मोहर:

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 3-10-80

निदेशक नं० 1513-ए०/देहरादून/79-80—अनः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 44, है तथा जो नसबिला रोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 3-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों)
और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 29-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपातुः—

(1) श्री बिसम्बर नाथ कपूर, पुत्र सुन्दरदास कपूर
निवासी 44 नसबिला रोड, देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्री यामाकपूर पत्नी एम० डी० कपूर, निवासी
4/11 कालका जी एक्सटेंशन, नई दिल्ली
110019

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घन्तरण के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही भव्य होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किना मकान नं० 044 नसबिला रोड देहरादून
पर स्थित है और जो 30,000 रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
मन्त्र प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-10-80

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 5 नवम्बर 1980

निर्देश नं० 196 दी०/कानपुर/80-81—अन० मुले
वी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिलाका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 17/79 है तथा जो नवावगाहवा अहाता
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 2-4-80,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्वि प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तर के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर ध्यान :-

4-406G1/80

- (1) श्रीमती सरदार बेगम धर्मपत्नी डा० स्व० जफर
हुसैन ।

(अन्तरक)

- (2) श्री हरीकृष्ण आत्मज ला० रामा किशोर कैमर
बानीनिवासी 20/102 लारी पार्क रामनारायण
बाजार, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सहटीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 17/79 नवाव माहवा का
अहाता कुम्हा कानपुर में स्थित है जो कि 27000/रु०
में बेचा गया है।

वी० सी० चतुर्वेदी

सभ्य प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-11-80

मोहर :

प्रकरण धाई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6-11-80

निदेश नं० 3637-ए/कानपुर/79-80—अनः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 107/296 है तथा जो
ब्रह्म नगर कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 16-9-80,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (6) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिले में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (7) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
उपयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री दीपक कुमार मिश्रा पुत्र श्री विनोद कुमार
मिश्रा निवासी 107/296 ब्रह्म नगर कानपुर ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरजू देवी पत्नी श्री बसन्तलाल निवासी
7/90 तिलक नगर कानपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्ववद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 107/296 पक्का एक मंजिला
बना है जिनका रकबा लगभग 160 वर्गगज बाड़े ब्रह्म नगर
कानपुर में स्थित है जो कि 28,000/- में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-11-80
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती आमागनी गुप्ता बी०-92 ए० तिलकनगर कानपुर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती प्रेमा शर्मा निवासी 129/एल०/9 अली जहीर मार्केट कदवई नगर कानपुर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

काबालिब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 11-11-80

निदेश नं० 293 बी०/कानपुर/80-81—अनः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 129/आई०/9 है तथा जो कदवई नगर कानपुर में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के पश्चात् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्टी

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें करने में मर्यादा के लिए और/या

(ख) ऐसा किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याख्या अर्थात्:—

एक किता मकान नं० 129/एल/9 अलीजहीन मार्केट कदवई नगर कानपुर में स्थित है जो कि 95000 रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-11-80

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० 1741-ए/देहरादून/80-81--अतः मुझे
वी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मोहनी रोड में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 8-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रत्येकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दानों के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या विरासत या अन्य आरक्यता
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रसंग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती कमला आत्मजीन मिह पत्नी आत्मजीन मिह
निवासी 7 ए/देहरादून (मोहनी रोड) ।
(अन्तरक)

(2) डा० संजय कुमार पहाड़ी पुत्र अमर बहादुर
पहाड़ी निवासी महाराजगंज काठमान्डू ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य में बाधाएँ :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से उक्त अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 7 ए० मोहनी रोड देहरादून में स्थित है जो कि
53916 रु० का बेचा गया है ।

वी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-11-80
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1980

निर्देश 2025-ए०/सहायक पु 7/73-80—अतः मुझे, व० स० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, दिग्गका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसका सं० महान न० 6/1234 है तथा जो माधोनगर महारनपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिये नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई गयी प्राप्ति की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) उसी दिनांक प्राप्ति या पैसा जन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कृष्णचन्द्र अग्रवाल मुमुक्षु लाला गोमलचन्द्र निवास, कदम ग्राम बहावड जिला मुजफ्फर नगर हाद 4 ऑफिस एनड निगला नगर अखनड। (अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार मुमुक्षु श्री सरदार, लाल निवास, महारनपुर मोहला माधोनगर 6/1234। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों 6 दिने कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रकाशित की जा के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथासंभव के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

कार्यालय ए० महान दक्षिण महाना ए० मजिला नम्बर 6/1223 क्षेत्रफल 373,1/3 वर्ग गज माधोनगर महारनपुर में स्थित है जो कि 48,000/- रु० में बेचा गया है।

व० स० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 15-10-80

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 2014-ए०/हरिद्वार/79-80—अन०, मु०,
बी० मा० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिनका सं० भूमि है तथा जो निरंजना आखड़ा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री गंकरदास अर्जुन पुत्र श्री स्व० अमीरचन्द्र निवामा पी० मगाना, जिन्हा जालन्धर ।

(अन्तरक)

- (2) अमन उपादेवा पुत्र श्री विणम्वरदास निवासी 2/10 दयावन्ता रेलवे कालोनी, देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 1050 नॉर्फोर्ड स्थित निरंजना आखड़ा हरिद्वार में स्थित है जो कि 40000/- रु० में बेचा गया है ।

बी० मा० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-10-80

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निर्देश सं० 2098-ए०/हरिद्वार/80-81-प्रतः मंज, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिसकी सं० शेखपुरा है तथा जो शेखपुरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्रय के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री पंचायति अखाड़ा निवास, कनखल दाग मण्डल गिरिधर नारायण पुर, मेक्रेट्टी उर्फ अखाड़ा शिष्य या कपिलमुनि जी महाराज नि० उक्त अखाड़ा कनखल पर० जवालापुर (हरिद्वार) महाराज-पुर। (अन्तरक)

(2) श्री स्वामी निरंजन नन्द जी शिष्य श्री स्वामी चन्द्र शेखर गिरि जी नि० मन्याम आश्रम तालाब बहागिया कपूरथला रोड, जालन्धर शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुरोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

युक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान है।

अनुसूची

मुमि 7822.6 वर्गफुट स्थित शेखपुरा उर्फ कनखल पर. जवालापुर नियम अटल अखाड़ा पर है, जो कि 39112.50 में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, कानपुर

तारीख : 13-10-80
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अक्टूबर 1980

निदेश सं० 1515-ए०/देहरादून/79-80—अतः, मू०, वी० सं० चतुर्वेदः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मक्षम प्रधिनारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, विमान उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० सं० 67 है तथा जो कृषिकेज में स्थित है (प्रो० इसके उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), मजिस्ट्रेट/पट्टा अधिकार के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-1-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्नेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती अमृतकौर पत्नी रविन्द्र सिंह निवासी रजि० स्टेशन रोड कृषिकेज, जिला देहरादून। (अन्तरक)

(2) श्रीमती खेतकीर पत्नी श्री परमराम 6/141 मुभाप नगर, नई दिल्ली-27। (अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में निपटद्व क्रिया अन्य व्यक्ति द्वारा, अमेरिकाधारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :- इसमें पशुन गजरा प्रो० पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोजन जा या पशुधन में दिशा गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो कमरा आगे 2 पीछे व एक रसोई व एक स्टोर स्पृतिमाल तख्त 67 का भाग स्थित है कृषिकेज (देहरादून) में स्थित है जो कि 23,000/- रु० में बेचा गया है।

वी० सं० चतुर्वेदः

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख: 13-10-80

संहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 6 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 1733-ए/देहरादून/79-80—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो माखवाला ग्रान्ट मुभाष नगर देहरादून में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धा या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-406GI/80

(1) नगरपाल सरदार गजबैरामिह पुत्र सरदार भगवान सिंह निवासी ग्राम खवाला खुर्द जिला अमृतसर व वर्तमान निवासी मुभाष नगर परगना केन्द्रीयदून जिला देहरादून ।

(2) श्री विद्या मागर जुनेजा मुप्रिन्टेडिंग इंजीनियर पुत्र श्री मखामिह जुनेजा बहेसियल करना हिन्दू अविभाजित परिवार जिसके सदस्य खरीदार व उनके पुत्र विद्या भूषण जुनेजा व विरेन्द्र जुनेजा तथा पत्नि श्रीमती दुर्गादेवी हैं निवासी त्रिवेणी इंजीनियर वर्क्स लिमिटेड खतौली जि० मुजफ्फर नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त नमाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान पुख्ता जिसमें एक बराण्डा सिमेंट की सादरों से छाया हुआ व षोष लिन्टरपोश है नीचे व सम्बन्ध की 1200 वर्गगज या 1004 वर्गमीटर या 25 एकड़ भूमि आबादी के प्लाटों में से प्लाट नम्बर 12 व 13 का भाग व खसरा नं० 710, 715, 716 व 744 का भाग स्थित ग्राम माखवाला ग्रान्ट मासमा मुभाष नगर पर० केन्द्रीयदून जिला देहरादून में स्थित है जो कि 48500/- रु० में बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 6-11-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 1728-ए०/देहरादून/80-81—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है, तथा जो ई. सी. रोड में स्थित है (और इससे अपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० एन० बनर्जी, ए० एन० बनर्जी पुत्र
डा० एन० जी० बनर्जी निवासी 248 ग्रेटर
कैलाश नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री नन्दा दत्त पुत्र कुल्ला नन्द निवासी 28 काली-
दाम रोड, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अड्डाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अड्डाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 20 का हिस्सा ई० सी० रोड देहरादून पर स्थित है और जो 41296 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 10-11-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 1727-प/देहरादून/80-81—अतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 20 है तथा जो ई० सी० रोड, देहरादून
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 23-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० एन० बनर्जी, ए० एन० बनर्जी, पुत्र
डी० एस० डी० बनर्जी, निवासी 248 ग्रेटर कैलाश
नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री रेवतीनन्दन शर्मा पुत्र मंगतराम निवासी 321
चुकुवाला देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 20 ई० सी० रोड, देहरादून पर
स्थित है और जो 40,318/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 10-11-80

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 2051-ए०/मुजफ्फर नगर/80-81--अन्तः,
मुख्य, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 376 है तथा जो गान्धी
कालोनी में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 11-4-1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देन के अन्तरक के कार्यालय में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री कश्मीर सिंह व दर्शन लाल पुत्र मोहरा सिंह
निवासी 1047 पंजाबी कालोनी कस्बा शामली
तह० कैराना, जिला मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी पत्नी मोहनलाल निवासी
मकान नं० 230-गान्धी कालोनी मुजफ्फर नगर
गली नं० 22।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 376 गान्धी कालोनी उत्तरी
जिला मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 47500 रु० का
बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 10-11-80
मोहर:

प्ररूप आई० सी० एन० एम०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश सं० 220-बी०/गाजियाबाद/79-80--अन०, मू०,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6/19 आर० है तथा जो
राजनगर गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उदात्त अन-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 15-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सूचक के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसा दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को शून्य, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रती:--

(1) श्री गण्य प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री निवामी 9 लाज
बिल्डिंग रोहनक रोड, नई दिल्ली, 5, पुत्र व
तृतीयत मुहन्धार आस आर में श्रीमती आशा
गुप्ता निवामी 9 लाज बिल्डिंग रोहनक रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

(2) श्री पी० सी० बाघवा पुत्र श्री ए० सी० बाघवा
निवामी के० जे० 121 कवि नगर, गाजियाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना तारीख 15-4-80 तारीख 10 प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति त प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:--इसमें सूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० आर०-6/19 क्षेत्रफल 813-33 वर्ग-
गज पट्टेदारी है जो कि राजनगर गाजियाबाद में स्थित
है जो कि 26,839.89 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 21-11-80
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश सं० टी० आर० नं० 1121-अर्जन/आगरा/79-80—
अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आराजी है तथा जो आगरा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
23-4-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अनिलकुमारी यादव पति श्री रामचन्द्र
सिंह यादव निवासी ए०/1 लोयर्स कालोनी बाई
पास रोड, आगरा
(अन्तरक)

(2) श्री अशोक महाजन, अजय महाजन व संजय
महाजन पुत्र श्री केशोराम महाजन निवासी
6/290 ए० रानीवाला घेरा, बेलन गंज, आगरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी संख्या 787 रकबा दस बिस्वासी व 988/1
रकबावह बिस्वा बाके मौजा मऊ पर० जिला आगरा में
स्थित है जो कि 90000/- रु० की बेची गयी है।

बी सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-11-80
मोहर:

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निवेश सं० 2056-ए०/मु० नगर/80-81—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान है तथा जो भगत सिंह रोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फर नगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 9-6-80को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--(1) श्रीमती सुशीला रानी पत्नि रतन सिंह निवासी
जयपुर जिला जयपुर, राजस्थान।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला गोयल पत्नि मोहनलाल व श्री
अशोक कुमार गोयल पुत्र श्री लाला राधा कृष्ण,
नि० 77 नयाबाम, अकबरी रोड, मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कित्ता मकान मौजा गोडयान भगत सिंह रोड,
मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 60,000/- रु० में बेचा
गया है।बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-12-1980

मोहर :

प्रकाश प्राई० पी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 2068-ए०/सहारनपुर/79-80— अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो राजपुताना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुड़की में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के अन्तरण के लिए नया प्रायः प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के लुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण कुमार पुता सं० धामुत्रिशन स्वर्ण वैश्य ग्रामवाल निवासी सिविल लाईन रुड़की परगना तह० रुड़की, जिला सहारनपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वरूप देवी विधवा लाला सीताराम वजनेश्वर दाम व बणेश्वर दाम पुत्र श्री लाला सीताराम निवासी पत्थरवाली गली कस्बा रुड़की परगना तह० रुड़की, जिला सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वहस्ताक्षर—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कित्ता मकान राजपुताना रुड़की परगना रुड़की जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 40,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख : 2-12-80
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 3051/ए०/हरिद्वार-80-81—अतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो बड़ा बाजार हरिद्वार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 3-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरनितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-

6-406 G I/80

(1) श्री आर० बी० सूरी पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार शाह
निवासी 5, भगवानदास रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी श्री हरबंसलाल,
अनिलकुमार, देवन्द कुमार पुत्र श्री हरबंसलाल
निवासी गंगाटकीज हरिद्वार जिला सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहस्रपदी

एक किता मकान बड़ा बाजार हरिद्वार जिला सहारन-
पुर में स्थित है जो कि 90000/- रु० की बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-11-80
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश नं० 2085-ए०/मंसूरी/80-81--अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो लंडोर कैण्ट मंसूरी में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-80 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशस्त :—

(1) बी कमीशन आफ एक्यूमैनिक्ल मिसन एण्ड रिलीजियस आफ दी यूनाइटेड प्रेस बाई टेरियान इन दी, यू० एस० ए० द्वारा मिस्टर राबर्ट कोपले निवासी 14 बीरबल रोड, जंगपुरा, एक्सटेंशन, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) एयर मार्शल पी० सी० सन्तरा और श्रीमती पूषा सन्तरा निवासी हुमेन्ट हाउस, लंडोर कैण्ट, मंसूरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांटे मा आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अनित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान हुमेन्टलहाउस और सान्ता स्टेट लंडोर कैण्ट मंसूरी, में स्थित है और जो 34,000/- रु० की बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-11-80

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रायबहादुर उग्रसेन पुत्र लक्ष्मीराय जैन निवासी
15-डिस्पेंसरी रोड, देहरादून

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश सं० 1734-ए०/देहरादून/79-80--अतः, मुझे,

बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 15 है तथा जो डिस्पेंसरी रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 15 डिस्पेंसरी रोड, देहरादून में स्थित है जो कि 35,000/- रु० का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 21-11-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 184बी०/कानपुर/80-81—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन नभय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 3/141 है जो विष्णुपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री जमुना प्रसाद दुबे, पुत्र श्री जगन्नाथ प्रसाद दुबे निवासी 253 फेधफुलगंज, कानपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला मेहरोत्रा पत्नी श्री आनन्दबर्धन मेहरोत्रा 113/35 स्वरूप नगर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रारं होता जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 3/141 विष्णुपुरी कानपुर में स्थित है जो कि 98000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-12-80
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 195 बी०/कानपुर/80-81—अतः, मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति बाजार उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 120/255 है तथा जो नरायणपुरवा,
कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 7-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
मूल्य के अन्तरण के लिए किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
गमी करने या उससे बचने में सूत्रिका के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, पिछले भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिका
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश कृष्ण चोपड़ा बल्ब दीवान बी० डी०,
चोपड़ा निवासी 120/255 लाजपत नगर कान-
पुर हाल 60/7 शर्बन स्टेट, गुडगांध हरियाणा
प्रान्त । (अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र मोहनी गुलाटी पत्नी मुदर्शन कुमार
गुलाटी निवासी 120/255 नरायणपुरवा, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि में उक्त संपत्ति पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में गणना होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इस सूचना के अन्तर्गत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

सदस्य

एक किता मकान नम्बर 120/255 नरायणपुरवा, कानपुर
में स्थित है जो कि 1,10,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-12-1980

मोहर :

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

(1) पोद्दर सन्स लि०, पोद्दर चैम्बर्स, एस० एन्नेलवी रोड, बम्बई नं० 400001

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निर्देश नं० 3033-ए/संसूरी/80-81--अतः, मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में है तथा जो अनुसूची में है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(2) के० एण्ड एम० इण्डस्ट्रियल फायर्नेस, टेंडिंग कम्पनी प्रा० लि० पोद्दर चैम्बर्स, पांचवी मंजिल एस० एन्नेलवी रोड, बाम्बे-400001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान एक मंजिला वी माल तथा कैमिल बैंक रोड के बीच में मंसूरी में स्थित है जो कि 1,05,000 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-12-80
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 3638-ए०/कानपुर/80-81—अतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 6/25 है तथा जो पारवती वागला
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री हरिकृष्ण अग्रवाल पुत्र श्री बृजकिशोर अग्रवाल
निवासी 48/76 जनरलगंज, कानपुर

(अन्तरक)

- (2) डा० अमरनाथ सेठ पुत्र श्री रामनाथ सेठ निवासी
15/82 सिविल लाइन, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वये 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वये में
दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नम्बर 6/25 पारवती वागला रोड,
पर स्थित है प्लॉट का क्षेत्रफल 500 वर्गगज है और जो
22,500 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-12-80

मोहर :

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 3116-ए०/कैराना/80-81—अतः, मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कैराना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण सं० हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री हिरदेराम व कपूरचन्द्र पुत्र श्री अमनसिंह वैश्य अग्रवाल धस्वा कैराना मोहल्ला चाह जोड़वा पर० तह० कैराना जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरवरन सिंह, मादासिंह, हरभजन सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह व इस्तरसिंह पुत्र श्री लक्ष्मा सिंह निवासी ठिरवा माजरा डा० जलमाना जिला करनाल, हरियाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माजी 26-9-10 पुछ्ता भूमि ख० 108628/2-1-0-8629/5-0-00-8649/2-19-0, 8650/8-9-0 नं० 8655, 8-0-10 कुलपाचकितेलगानीमु 0185-65 ऐसे वाषिक बाके कैराना पर० व तह० कैराना जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है जोकि 1,06,000/- रु० की बेची गयी है।

बी० सी चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-12-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 3023-ए०/खुर्जा/80-81—अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो खुर्जा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मु० कल्लो पत्नी चन्वर सिंह नि० कोठीगेट हापुड़ जिला गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश्वर दयाल व सुशील कुमार (नाबालिग) संरक्षक व पिता श्याम लाल, शान्ति लाल पुत्र लखी सिंह नि० कोठी गेट खुर्जा, (बुलन्दशहर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम खुर्जा भन्दरचुंगी जिला बुलन्दशहर में स्थित है जो कि 61,200/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-12-80

मोहर:

प्रारूप आर्द्ध० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निर्देश नं० 3015-ए०/रुड़की/80-81—अतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम झवरेडी में
स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुड़की
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 15-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरबन्म पुत्र श्री रिमाल निवासी झवरेडी
कला पर० मंगलौर तह० रुड़की, जिला सहारनपुर
(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र व रामानन्द व चतरपाल पुत्र बरवा
व जयपाल व इन्द्रपाल पुत्रगण सुल्तान व सत्य-
पाल व जिजेन्द्र व विनोद व विसन व बालिस्टर
पुत्रगण मुखराम व दुज्जा पुत्र सुक्कड निवासी
बूडपुर पर० मंगलौर तह० व जिला सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 248 एकड़ 15 बीघे 11 बिस्वे 15 बिस-
वासी पुख्ता लगानी 128 रुपए में 45 पैसे बाँके ग्राम झवरेडी
कला पर० तह० जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि
38,579 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-12-80

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 3044-ए/नकुड/80-81—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो बुडढाखेडा में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकुड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-5-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से कहीं किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती मु० कृष्णी देवी पत्नी लालाबेनी प्रसाद अग्रवाल निवासी सहारनपुर मोहल्ला मिसरान खातापार (अन्तरक)

(2) श्रीमती नजमा बेगम पत्नी मोहम्मद मिया खो निवासी सहारनपुर मोहल्ला पिलखन तला व श्रीमती जरीना बेगम पत्नी हाजी शफीय अहमद निवासी मो० चवखादारान सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमिग्राम 15-14-25 मौजा बुडढाखेडा पर० सुलतानपुर तह० नकुड जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 70000/ रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 1 2 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रकरण धार्मिक, टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 2093/ए/सहारनपुर/79-80— अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 14/210 है तथा जो कुतबपुर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्त में कभी करने या उलट्टे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ऋण या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अलता फरूहमान पिसर हाफिज अब्दुल मरहूम निवासी सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री हाजी बशीर अहमद पुत्र श्री दिलदार अहमद व सरफराज अहमद पुत्र श्री हाजी बशीर अहमद उर्फ निवासी जी० टी० रोड़ कस्बा सिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान 14/210 मोहल्ला कुतबपुर जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 35000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निर्देश नं० 287 बी/कानपुर/80-81—अतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 113/53 है तथा जो स्वरूप नगर कानपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 21-4-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनमोहन सबसेना पुत्र सरदा प्रसाद सबसेना
7/105 सी स्वरूप नगर कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० चौधरी पुत्र श्री एम० एल० चौधरी
निवासी 112/367ए, स्वरूप नगर कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 113/53 स्वरूप नगर कानपुर
में स्थित है जो कि 1,17,092.50 पैसे में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 5 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 नवम्बर 1980

निदेश सं० 217 बी/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो लोहिया नगर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-4-80
को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किंवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन—

(1) श्री विजय कुमार अग्रवाल पुत्र श्री कान्ती प्रसाद
अग्रवाल निवासी थर्ड सी, 62 नेहरू, नगर गाजियाबाद
तह० जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री महिप नरायण व श्री अशोक नरायण पुत्र श्री
नरायण दत्त निवासी 87 'ए' गौतम नगर नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट सी, 22-क्षेत्रफल 485 वर्ग मीटर स्थित
लोहिया नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 48,542 रु०
में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 27 नवम्बर 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश नं० 1127 फिरोजाबाद/80-81—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि है तथा जो सुखमलपुर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरथीलाल पुत्र विशुलाल व श्री मती सरवादेबी पत्नी दलबीरसिंह निवासी सुखमलपुर निजमाबाद फिरोजाबाद जिला आगरा

(अन्तरक)

(2) जनता गृहनिर्माण समिति लि० फिरोजाबाद द्वारा हेमचन्द्र पुत्र श्री लाला रमेश्वर दयाल निवासी जलेश्वर रोड फिरोजाबाद, सचिव, उपरोक्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता अराजीगादा सं० 373 रकबा दो बीघा दसबिस्वा 3756 बीघा 6 बिस्वा व 400 रकबा 3 बीघा आठ बिस्वा अराजी 12 बीघा 4 बिस्वा पांच बिस्वासी पोक्ता बाके मोजा-सुखमलपुर निजमाबाद, फिरोजाबाद में स्थित है जो 35,000/र० की बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 21 नवम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री रामलाल नि० सहारनपुर मोहल्ला कुज्जात

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

62) श्री पिरथी सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी सहारनपुर मोहल्ला मिस्सर मुरार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश नं० 2094-ए०/पी०एन/सहारनपुर/79-80--अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कुज्जात में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 10/3970 मो० कुज्जात हकूक सहारनपुर में स्थित है जो कि 45000/ रु० की बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुरदिनांक : 21 नवम्बर 1980
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1980

निदेश नं० 1736 ए/देहरादून/79-80—यतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 114 है तथा जो गोविन्द नगर देहरादून
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-5-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—406GI/80

(1) श्रीमती सुरेन्द्र कौर जुनेजा पत्नी श्री के० बी०, एस०
जुनेजा निवासी 139 एल मंडल टाउन
होसियारपुर, श्रीमती निहालकौर पत्नी श्री बलीपर्सिह
जुनेजा मकान नं० 114 गोविन्द नगर, देहरादून
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोयला देवी पत्नी श्री जानचन्द्र निवासी
रेसकोर्स देहरादून 46 देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 114 ओल्ड नम्बर 11 डी गोविन्द
नगर देहरादून में स्थित है जो कि 38,000/- का बेजा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 21 नवम्बर 1980

मोहर :

रजि. नं० १०१. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 5038-ग/मुजफ्फर नगर/80-81— अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उदयवाली में स्थित है
(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-80
का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दायित्ववि-
म्व से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन जर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पर्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना बाह्य था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री रामचन्द्र व मोहनलाल पुत्र लक्ष्मण
सिंह निवासी ग्राम उदयवाली गोरधन पर० तह०
मुजफ्फर नगर (अन्तरक)

(2) मामा चन्द्र पुत्र श्री भगीरथ सिंह व श्री शरवती देवी
पत्नी भीमचन्द्र व श्री राजकुमार पुत्र श्री मामचन्द्र
व श्रीमती मधुबाला पत्नी श्री राजकुमार निवासी
चौकबाजार जगाधरी हरियाणा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, नं० 25, 49 का 1/2 भाग बाके ग्राम उदयवाली
पर० गोरधन जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है जो कि 31387
र० की बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निर्देश नं० 3041-ए/मु० नगर/ 80-81--अतः मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिनकी सं० कृषि भूमि 424 है तथा जो मौजा तिगरी में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री अतर हुसेन पुत्र दुल्ला निवासी तिगरी
डा० खास तह० व जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

(2) श्री निरंजन सिंह व रामशरण व जगपाल सिंह
ओमबीर सिंह, पुत्र नहरसिंह निवासी तिगरी पर०
व तह० जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 424 रकबाई, 9-17-10, ग्राम तिगरी
पर० व तह० जिला मुजफ्फरनगर में स्थित है जो कि 60000/-
रु० में बिक्री गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 3013-ए/ बुलन्दशहर/79-80—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० कृषि है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री बाबू राम पुत्र श्री कुन्दन
निवासी कस्बा औरंगाबाद पर० बरन
जिला बुलन्दशहर

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती चमेली धर्मपत्नी मुकुन्दी श्रीम ती हरप्यारी
पत्नी रामरतन निवासी औरंगाबाद परगना
जिला बुलन्दशहर

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 4-15-8 ग्राम औरंगाबाद पर० बरन जिला
बुलन्द शहर में स्थित है जो कि 73,500/ रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती विशनदेवी पत्नी चमनलाल
निवासी रुड़की जिला सहारनपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 3028-ए/सहारनपुर/80-81—अतः मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिस की सं० कृषि भूमि है जो ग्राम सिम्मा में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-5-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम सिम्मा तकी गुज्जर पर० हरोडा जिला सहारन-
पुर में स्थित है जो कि 92,500 रु० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 2 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 एच ब्लॉक, विकास भवन, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० आर०-III/4-80/
151—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० छटा हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो 17 बीघा
17 बिस्वास गांव संभालका तहसील महारौली में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-4-80
का एंटरन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल में निम्न अन्तरित का गढ़ा है और यह कि विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
उपरोक्त अनुसूची में वर्णित है (अन्तरण) और अन्तरण
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में क्रियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जवाहर सिंह पुत्र श्री चन्दगी
गांव संभालका तहसील महारौली नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मैसर्स टी० ई० पेंटरसन इण्डिया प्रा० लिमिटेड
जे-162 राजौरी गार्डन नई दिल्ली बाया
डायरेक्टर डी० डी० धवन पुत्र हरनाम दास
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तमवर्षी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

छटा हिस्सा कृषि भूमि एरिया 17 बीघा 17 बिस्वास,
एम० नं० 2 कित्ता नं० 8 (1-6), 12 (4-16), 13 (4-16)
15/2 (2-3) गांव संभालका नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली नई दिल्ली

दिनांक 10 दिसम्बर 1980
मोहर :

परमाणु आर्द्रां टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/ एम०आर-III/4-80/

123—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० एम-340 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 26-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हरबन्स राय राही पुत्र मुख्तार राज साही
101 भुमल बाजार, भोगल, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती रमन आनन्द पत्नी अशोक आनन्द
डी-289 डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(2) श्रीमती प्रवेश वोहरा पुत्र एम० बी० वोहरा
17ए/62 डब्ल्यू ई० ए० करौल बाग

नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 340 ब्लॉक एम 204 वर्गगज ग्रेटर कैलाश
नई दिल्ली गांव याकूतपुर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० एम-342

पश्चिम—प्लॉट नं० एम-338

उत्तर—एस लेन

साउथ—रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I विकास भवन, एच ब्लॉक,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू I/ए० आर०-III 4-80/
156—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एच 8 है तथा जो होज खास इन्कलेव नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धोरण;

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश चन्द एच-7 होज खास इन्कलेव
नई दिल्ली-16

(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रीमियर एपार्टमेंट्स प्रा० लि०
1205 न्यू दिल्ली हाउस 27 बाराखम्बा रोड
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला जो कि फ्री होल्ड रेसिडेन्शियल प्लॉट आफ लैंड नं० 8 ब्लाक नं० एच जो कि 504.2 वर्ग गज और 421.62 वर्ग मीटर में होज खास इन्कलेव में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मकान नं० एच-9

पश्चिम—रोड

उत्तर—रोड

दक्षिण—मकान नं० एच-7ए

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लॉक
(आई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० आर० III/4-80/
124—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-83 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-4-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रभुत्व) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे प्रभुत्व के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रभुत्व के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-406GI/80

(1) श्री उज्जगर सिंह पुत्र पूरम सिंह
65/66 रोहतक रोड
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) पोद्दार कन्सट्रक्शन कं० प्रा० लि०,
एफ-3 कैलाश कालोनी
नई दिल्ली-48

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्विस्वाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी नं० एस-83 ग्रेटर कैलाश II 300 वर्गगज नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लॉक,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,

(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस आर-III/4-80/
68—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एस-384 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 11-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिस्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों 'अर्थातः—'

(1) श्री रवि किरन मल्होत्रा पुत्र मदन लाल मल्होत्रा
21 बैन्टिक स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) लेफ्टि० कर्नल कंचलजीत सिंह (गिटायर्ड)
पुत्र एस० हरबन्स सिंह
जी-360 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संक्षेप कारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रकरण में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 384 ब्लॉक एस 297 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश
पार्ट-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—रोड

उत्तर—प्लॉट नं० एस-380

दक्षिण—प्लॉट नं० एस-386

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,

इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,
(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002 दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एफ०-1/एस० आर०-III/4-80/
28—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹ से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा एम 34 प्लॉट में है तथा जो ग्रेटर
कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधिन दिनांक 3-4-80 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री नवीन कुमार भाटिया डब्ल्यू-41
ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरबन्म कौर गुरु नानक भवन
राजू शाह लेन, मुजफ्फरपुर (बिहार)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा प्लॉट नं० एम-34 ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली
195 वर्ग गज के एरिये में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—रोड

पश्चिम—रोड

उत्तर—हाउस नं० एम-33

दक्षिण—हाउस नं० एम-35

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक

इन्टर प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक

आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०-1/एस आर- /4-8०/

29—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० आधा हिस्सा प्लॉट नं० एम-34 है तथा जो ग्रेटर कैलाश- नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकर्ता अधिकांश के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजकुमारी भादिया
इन्स्यू-41 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह गुरु नानक भवन
राजू शाह लेन, मुजफ्फरपुर (बिहार)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वप्नोक्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधा हिस्सा प्लॉट नं० एम—34 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में 195 वर्गगज में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—रोड

उत्तर—मकान नं० एम-33

दक्षिण—मकान नं० एम-35

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,

इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई. डी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I विकास भवन, एच ब्लॉक,
(आई. पी. एस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०-1/एस० आर०-III/4-80/
115—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसका संख्या कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिस्वास है तथा
जो जोनपुर, नई दिल्ली ई में स्थित है (और) इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकांरी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय रखा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रयुक्त
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बसन्ती परनी मनीराम अपने लिये एवं श्री जी०
ए० श्रीचन्द पुत्र मनीराम श्रीमती शान्ति पुत्री मनीराम
तेज राम खजान पुत्र राम प्रसाद हरदेई विडो धर्म सिंह
रामलाल हरकेश पुत्र धर्म सिंह सोम राम पुत्र शंकर
गांव जोनपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) आईशर टेक्टर्स इन्डिया लि० 212 दीनदयाल
उपाध्याय मार्ग नई दिल्ली वाया सेक्टर और जी० ए
श्री एन० एस० श्रीनिवासन पुत्र लेट श्री एन० सुन्दरसा
अय्यर निवासः डब्ल्यू-57 ए ग्रेटर कैलाश-I
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

सहस्रहरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 4 बीघा 16 बिस्वास खमरा नं० 16/1
गांव जोनपुर, नई दिल्ली

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I विकास भवन, एच ब्लॉक,
इन्द्र प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,

(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस आर-III/4-80/

114—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिस्वासी है तथा जो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 23-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रचीन कर देने के धर्मरक के दायित्व में कमी करः
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती बसन्ती पत्नी सन। राम अपने सिये और
बी ए आफ आर। चन्द्र पुत्र सन। राम निवासी गांव
जौनपुर, नई दिल्ली।

(2) श्रीमती शान्ति पुत्री सन। राम तेज राम खजान
पुत्र राम प्रसाद हरदेई विडो आफ धर्म सिंह
राम लाल हरकेश पुत्र धर्म सिंह सन। राम पुत्र शंकर
निवासी गांव जौनपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. आईशर ट्रेडर्स इन्डिया लि० 212 दीनदयाल
उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली; बाबा सैफेदारी श्रीर जे०
ए० श्री एन० एम० अन्निबामन पुत्र लेट आ० एन०
के० मुन्दरेसा डब्ल्यू निवासी डब्ल्यू-57-ए, ग्रेटर
कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 4 बीघा 16 बिस्वाम खसरा नं०
15/5 गांव जौनपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,

इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन

(आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एम आर-III/4-80/

113, अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका इतिहास बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 4 बीघा 16 विस्वास है तथा जो जौनपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त धरा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजे राम जगो राम हरनाम भागमल पुत्र खूबी, हरप्यारी अंगूरी पुत्री खूबी, गांव जौनपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) आईशर ट्रैस्टर्स इन्डिया लि०, 212 दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली बाया सैन्ट्री और जी० ए० श्री एन० एस० श्रीनिवासन पुत्र लेट एन० के० सुन्दरेसा अय्यर, डब्ल्यू-57 ए ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 विस्वास एम० नं० 15 किल्लानं० 6, गांव जौनपुर, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन

(आई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस आर-III/4-80/
112—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 बीघा 10 विश्वास है तथा जो गांव जौनपुर
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 23-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित की द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सूचित:—

(1) श्री राजे राम जागे राम हुरनाम भागमल रंग लाल
पुत्र खूबी, हुरनारी अंगूरी पुत्री खूबी,
गांव जौनपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) आईशर ट्रेडर्स इन्डिया लि०, 212 दीनदयाल
उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली, बाया सैक्रेटरी
और जी० ए० श्री एन० एस० श्रीनिवासन पुत्र
लेट एन० के० मुन्वेरेसा अय्यर डब्ल्यू-57 ए,
ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वृषि भूमि एरिया 5 बीघा 10 विश्वास एम० नं० 15
किल्ला नं० 15(4-16) एम नं० 16 किल्ला नं० 11/2
(0-14), गांव जौनपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

(आई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, -110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस आर III/4-80/45—

अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या अधि भूमि 6 बीघा 19½ विस्वास है तथा जो गांव गदईपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-4-80 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10-406G1/80

(1) श्री अशोक कुमार कक्कड़ पुत्र दरगाही दास कक्कड़ निवासी 81/41, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लक्खमीचन्द रामप्रकाश, 560 गांधी बलाथ मार्केट, चान्दनी चौक, देहली वाया पाटनर्स सर्वश्री राम प्रकाश मदन लाल हरभजन लाल सतीश कुमार और विनोद कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बीघा 19½ विस्वास इसरा नं० 208 मिन (2-8) 232 मिन (2-8) मिन० (0-4) 233 मिन (1-15½) 270 (0-4), गांव गदईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

(आई० पी० इस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस आर-III/4-80/41—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गच्छात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि 6 बीघा 19½ विस्वास है तथा जो गांव गदईपुर तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पृथ्वी लाल भसीन पुत्र मानव चन्द, जी-77, मस्जिद मोठ, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मैसर्स लक्ष्मीचन्द रामप्रकाश, 560 गांधी कलाश मार्केट, चान्दनी चौक, देहली वाया पार्टनर राम प्रकाश मदन लाल हरभजन लाल और सतीश कुमार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बीघा 19½ विस्वास खसरा नं० 208 मिन (2-8) 232 मिन (2-8), 233 मिन (0-4) 233 मिन (1-15½), 270 मिन (0-4), गांव गदईपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 10-12-1980
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एम आर-III/4-80/
44—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 7 बीघा 4 बिस्वास है तथा जो
गांव गदईपुर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अशोक कुमार कक्कड़ पुत्र दरगही दास
निवासी 81/41, वेस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) ईस्ट इन्डिया, एपारेल्स, सी-1/51 सफदरजंग
एरिया नई दिल्ली बाया पार्टनर सुरिन्द्र साहमी
जगदीश सोनी सा० एल० भसीन एंड चन्द्र भान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 7 बीघा 4 बिस्वास खसरा नं० 206 (2-8),
207 (2-8) 234/1 (1-4) 234/2 (0-6), 234/3
(0-18), गांव गदईपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, एच ब्लॉक, विकास भवन,
(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-एस आर-III/4-80/
40—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० कृषि भूमि 7 बीघा 4 बिस्वास है तथा
जो गांव गदईपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 7-4-80

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बचत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
प्रार्थित :—

(1) श्री पृथ्वी लाल भसीन पुत्र मानक चन्द,
जी-77, मस्जिद मोठ, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स ईस्ट इन्डिया एपारेल्स सी-1/52
सफदरजंग डी० एरिया नई दिल्ली वाया पार्सनस
मुरिन्द्र साहनी अगदीश सोनी, सी० एल० भसीन
और चन्द्र भान।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लघुटिप्पणी :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 7 बीघा 4 बिस्वास खसरा नं०
206 (2-8) 234/1 (1-4), 234/2 (0-6), 234
(0-18) गांव गदईपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन.

आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यु०-I/एस आर-III/4-80/
63--प्रतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 21 बीघा 17 बिस्वास है तथा जो गांव नेव सराय, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती कुमारी सचदेवा पत्नी शाम लाल,
एस-10 लाजपत नगर-I नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सिम्पलिसिटी इंजीनियरिंग प्रा० लि० बी०-99,
मायापुरी फेस-I नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 444, 445, 446, 447,
421, कुल 21 बीघा 17 बिस्वा, गांव सतवेरी, तहसील
महरोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन

(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० एस० आर- 480/
69--अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि 14 बीघा 10 विस्वास है तथा
जो गांव नेब सराय तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 11-4-80

आगे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री जोगे राम (2) धाने पुत्र अमी लाल
गांव नेब सराय, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री रिसाल सिंह पुत्र शेर सिंह श्रीमती कृष्णा
गहलावत पत्नी बलवन्त सिंह गहलावत, निवासी,
मकान नं० 537 डी एल एड कालोनी, रोहतक
श्रीमती राम दलाल पत्नी कर्नल के० एल० दलाल
कुमारी ज्ञान दलाल पुत्र कर्नल के० एम० दलाल
फ्लैट नं० 505, ब्लॉक नं० 15 सरदार पटेल
मार्ग नई दिल्ली, मोहन सिंह पुत्र बलवन्त सिंह
निवासी ई-22 ईस्ट आफ कैलाश, अजय कुमार
जैन पुत्र विजय चन्द्र जैन, निवासी 2702, छत्ता
प्रताप सिंह, किनारी बाजार दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 14 बीघा 10 विस्वास, खसरा नं० 283
(5-4), 293 (4-16), 296 (4-10), गांव नेब सराय,
तहसील महरोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर

प्रमाण आई० टी० एन० एग०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन

(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस आर-III/4-80/
122—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिस की सं० कृषि भूमि 16 बीघा 12 बिस्वाम है तथा
जो गांव सतबेरी, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 24-4-80को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री सत्यादेवा शोरी पुत्र प्रोफेसर के० एन०
गोतमा, 2/5, वेस्ट पटेल रोड, नई दिल्ली-8
कर्त्ता एच० यू० एफ० (एम० डी० शोरी)।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स परफेक्ट पावर सिस्टम्स, 25/1, आसफ
अली रोड, नई दिल्ली बाया प्रोपगण्डटर मिसिज
किरण मोहन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि गांव सतबेरी, तहसील महरोली, नई दिल्ली
खसरा नं० 525/2 (3-10) 526/2 (3-10), 527 (4-16),
528 (4-16) कुल 16 बीघा 12 बिस्वाम, टेम्परेरी चौकीदार
राम और ट्यूब वेल।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन

(आई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली 110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस आर-III/4-80/

146—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिस की सं० कृषि भूमि में छठा हिस्सा है तथा जो 17 बीघा 17 बिस्वास गांव समालका, तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम किशन, नन्द किशोर और हरकेश पुत्र अगरी, निवासी गांव समालका, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स टी० ई० पैटरसन्स (इण्डिया) प्रा० लि०, जे-162, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली बाया डायरेक्टर श्री डी० डी० धवन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्न के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वबटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्या 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस धार्या में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्सा कृषि भूमि जिसका एरिया 17 बीघा 17 बिस्वास जो एम नं० 2, किल्ला नं० 8 (1-6), 12 (4-16), 13 (4-16), 16 (4-16), 15/2 (2-3) गांव समालका, तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-12-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I एन ब्लॉक विकास भवन (आई पी इस्टेट नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०आर०-III/4-80/
147—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिस की सं० कृषि भूमि में छठा हिस्सा है तथा जो
17 बीघा 17 बिस्वाम गांव समालका तहसील महरोली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 19-4-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कमी
करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रणाल्याय अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
11-406GI/80

(1) श्री रघबीर सिंह पुत्र चन्दगी
गांव समालका तहसील महरोली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स टी० ई० पैटरसन (इन्डिया) प्रा० लिमिटेड
जे-162 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली वाया
डायरेक्टर श्री डी० डी० धवन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सादरकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्सा कृषि भूमि जिसका एरिया 17 बीघा
17 बिस्वाम एम नं० 2 किल्ला नं० 8 (1-6), 12 (4-16)
13 (4-16), 14 (4-16), 15/2 (2-3) गांव समालका
तहसील महरोली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन (आई० पी० इस्टेट)
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० [एक्यू०-I एम० आर०-III/
4-80/148--अतः गुप्ते, आर० वी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-
ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है

और जिस की सं० छठा हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो
17 बीघा 17 बिस्वास गांव समालका तहसील महरीली
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 19-4-80

का पंजीकृत कार्यालय के लिये आकर माल से कम के प्रत्यक्ष
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से दीयत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हड़ किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में बगी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एम० किसी आय या किसी धन या अन्य शक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ उक्त किसी दाना प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री धर्म सिंह पुत्र श्री भोरिया
विजयी गांव समालका, तह०
महरीली, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मै० टी० ई० पैटरसन (इंडिया) प्रा० लि०
जे-162 राजौरी गार्डन नई दिल्ली बाया हायरबेटर
श्री डी० डी० धवन पुत्र हरनाम दास।
(अन्तरिणी)

यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समान होती हो, के भीतर पुर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधा

छठा हिस्सा कृषि भूमि जिसका एरिया 17 बीघा 17
बिस्वास एम नं० 2 किल्ला नं० 8 (1-6), 12 (4-16),
13 (4-16), 15 (4-16), 15/2 (2-3) गांव समालका
तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० वी० एल० अग्रवाल
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एम० आर०-III/4-80/
149—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० छठा हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो
17 बीघा 17 बिस्वास गांव समालका तहसील महगौली
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 19-4-80 को

पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री चरण सिंह पुत्र राम सिंह निवासी
गांव समालका तहसील महगौली, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स टी० ई० पैटरसन (इण्डिया) प्रा० लिमिटेड
जे-162 राजौरी गार्डन नई दिल्ली बाया डायरेक्टर
श्री डी०डी० धवन पुत्र हरनाम दाम ।
(अन्तरिनी)

की यह सूचना जारी करके पूर्ववर्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भंग
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छठा हिस्सा कृषि भूमि एरिया 17 बीघा 17 बिस्वास एम०
नं० 2 किल्ला नं० 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16),
15/2(2-5) गांव समालका तहसील महगौली, नई दिल्ली
में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/4-80/150—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० छठा हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो 17 बीघा 17 बिस्वास समालका तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में हमी करने या उममे बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एमी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम मेहर, ओम प्रकाश, लक्ष्मण सिंह, ब्रह्म प्रकाश पुत्र भोबू गांव समालका तहसील महरोली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स टी० ई० पैटरसन (इण्डिया) प्रा० लिमिटेड जे-162 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली वाया डायरेक्टर श्री डी० डी० धवन पुत्र हरनाम दास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

छठा हिस्सा कृषि भूमि 17 बीघा 17 बिस्वास एम नं० 2, किल्ला नं० 8(1-6), 12 (4-16), 13 (4-16), 15 (4-16), 15/2 (2-3) गांव समालका तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली ।

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० १/एक्यू-1/एम० आर-II/4-80/

11—अन: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रुपये से अधिक है

और जिस की सं० सी-37 है तथा जो डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, में 1908
1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी
करने या उसे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री डी० डी० सूरि कर्ता (एच० यू० एफ)

सी-38 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सरपत सिंह सीठिया, लखपतमल सीठिया
और नरपतमल सीठिया सी-37, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी-37 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 10 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर० III 4-80/126 ---अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 12/ग्राउंड फ्लोर है तथा जो कर्मशायल कम्पनेक्स ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली-48 में स्थित है (यहां इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजपत्रिका प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में संदर्भित अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अद्यतन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) नतीजा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

(1) डी एल एफ बिल्डर्स, 21-22 नरिन्द्रा प्लेस पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री मती सतिन्द्र कौर और एस० सतवीर सिंह ई-150, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 12 (ग्राउंड फ्लोर) कर्मशायल कम्पनेक्स ग्रेटर कैलाश, पार्ट-II, नई दिल्ली-48।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

(अन्तर्जाली)

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/एस० आर० III/4-80/165—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 80 है तथा जो भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है) और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रानी राजिन्द्र कौर पत्नी एस० शिवतार सिंह ई-552, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बेरी आर्ट इण्डिया 80, भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 80 जो कि भगत सिंह मार्केट, शहीव भगत सिंह मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक : 24-12-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० सं० सी०/एक्यू I/एस०आर० III/4-80/

125—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-32 है तथा जो निजामुद्दीन, ईस्ट नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-4-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० में दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

12-406 OI/80

(1) श्री धर्मयण देव पुत्र लेट खान जन्द देव निवासी
32, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अनीस पुत्र सलमत जान खान 126,
कटरा गोकल शाह, जामा मस्जिद, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तन्मन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० ए-32, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली 200 वर्ग
गज में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व—सर्विस लैंड

पश्चिम—रोड

उत्तर—मकान नं० ए-33

दक्षिण—सर्विस लेन

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक : 10-12-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, विकास भवन

एच० ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1 (एस० आर०-III/4-80/93—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी०-149 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के पश्चात् क दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहे या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मैसर्स आर० सी० मृदण्ड कं० प्रा० लि०, इरोज सिनेमा, बिल्डिंग जंगपुरा, एक्मटेशन, नई दिल्ली
वाया मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आर० सी० मृद (अन्तरक)

2. लेफ्टि० कर्नल शान्ति मरुप दुग्गल, पुत्र दोवान राम दुग्गल
आर्मी डेन्टल कार्यस प्लैट नं० 6/412, मविमत्र, आर्मीमर्ज इन्कलेव सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली,
और मिसेज इन्दु दुग्गल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गण्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्ये होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० बी०-149 वर्ग गज, 665 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, विकास भवन,
एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट,
नई दिल्ली।

तारीख 10-12-1980
मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, विकास भवन,

एच ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०आर०-III/480/

86--अतः मुझे, आर० बी० एब० अग्रवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 47 बोधा 15 विस्वाम गांव सतबेरी तहसील महारौला, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार-
कर्ता अधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिनियम दिनांक 14-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स मोर मिह एण्ड कं०
निवासा गांव सतबेरी, देहली।

(अन्तरक)

2. अन्सल हाउसिंग एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि०
115, अन्सल भवन, 16 कै० जी० मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 47 बोधा 15 विस्वाम गांव सतबेरी, खसरा
नं० 662/2 (3-14), 663/2 (3-14), 664 (4-16),
665 (4-16), 666 (4-16), 667 (4-16), 668/2 (2-0),
669 (4-16) 670 (4-16), 797 (4-16) तथा
798 (4-15)।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I विकास भवन,

एच० ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 10-12-80

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, विकास भवन

एच ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम० आर०-I/4-80/6397—अतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-5/5 है, तथा जो आर० पी० बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

1. श्री राम सरन दास हंस राज, और हरबंस लाल बेटे फतेह चन्द डी 5/5, आर० पी० बाग, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री परस राम बेटा श्री भोज राज बी-12, आर० पी० बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रोपर्टी नं० डी-5/5, आर० पी० बाग, दिल्ली में जिसका क्षेत्रफल 233-1/2 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, विकास भवन
एच ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-80

मोहर :

प्रत्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, विकास भवन

एच ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम०आर०-II/4-80/

3359—अतः मुझे, श्रीमती बलजोत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 1/1 (3-18) है, तथा जो और 4 (4-16), गांव, मसुदाबाद नजफगढ़ नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तराती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राम रत्न पत्नी रूप चन्द,
गांव बबरा बनों, तहमोल बल्बगढ़, डिस्ट्रिक्ट
फर्रुखाबाद। (हरियाना)
(अन्तरक)

2. श्री कैप्टन राजीव बहल बेटा, इन्द पाल बहल
9-ए, श्रीराम रोड, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा व 14 बिस्वास जोकि गांव मसुदाबाद (नजफगढ़) नई दिल्ली में स्थित है खसरा नं० 1/1 (3-18) और 4 (4-16) है।

श्रीमती बलजोत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, विकास भवन,
एच ब्लॉक, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-80

मोहर :

प्रसूत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अभ्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०-II/एस०आर०-II/4-80

3322—यतः मुझे, श्रीमती बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसका सं० 53-बी है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रार/करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम
दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्व श्री सोहन सिंह और चरन दास, बेट हजारा मल
83, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल बेटा श्री धीरत राम
डब्ल्यू - 124, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-II, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 2, जोकि प्रापटी, नं० 2, रोड, नं० 53-बी,
पंजाबी बाग, दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 133 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 12-12-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विकास भवन,

एच ब्लॉक, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एचयू-II/एम० आर०-I/4-80/
6450—यतः मुझे, श्रीमती बलजित मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 ब्लाक-ए है, तथा जो जौ० टी० रोड,
आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अंतर्गत दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिकतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती इन्द्रा गुप्ता, पत्नी राकेश कुमार
(2) अर्चला अग्रवाल पत्नी सुदर्शन कुमार
(3) आदर्श अग्रवाल पत्नी इन्द्रजित
बं०-1, एम० जौ० रोड, आदर्श नगर दिल्ली-33
(अन्तरक)

2. डा० मिम संयोगिता गुप्ता बेटी श्री नन्दलाल गुप्ता
11/3, शक्तिनगर, नई दिल्ली: 1
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी संपत्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1 ब्लाक 'ए' जिसका क्षेत्रफल 395.5/6 वर्ग
गज है डी० टी० रोड, आदर्श नगर, में स्थित है।

श्रीमती बलजित मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, विकास नगर,
एच, ब्लॉक, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट नई दिल्ली

तारीख 12-12-80
मोहर:

प्राकृप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विकास भवन,

एच ब्लॉक, इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/एम० आर०-I/4-80/
6415--अतः मुझे बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 32-ई/16, है, तथा जो पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री कृष्ण लाल बेटा श्री अमरचन्द,
8281, चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र नाथ पुरी, बेटा श्री राम आसरे पुरी और श्रीमती इन्दू पोपला, पत्नी श्री कृष्ण राम पोपली
15ए, /1, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लॉट नं० 32-ई/16, पटेल नगर, नई दिल्ली
जिसका क्षेत्रफल, 200 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विकास भवन,
एच० ब्लॉक इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विकास भवन,

एच, ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम० आर०-I/4-80/

6489—यतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 2277 है, तथा जो गल्लो पहाड़ वाला, धर्मपुरा, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, अपने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृद्धि के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निता का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृद्धि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

13-406 G I/80

1. श्री प्रेम नारायण बेदा श्री लक्ष्मण स्वयं

5019, फटा बुनार, गेम, रजिबाल्लान, दिल्ली-6
(अन्तरक)

2. श्रीमती लज्जन्ता पत्नी श्री हर गोबिन्द,

274, गल्लो कुर्ज वाला, दरिबाल्लान, दिल्ली-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: -

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नत मंचिल बिल्डिंग, जिसका क्षेत्रफल 1031/2 वर्गगज है, जिसका सं० 2277, वरुम गल्लो पहाड़वाल, धर्मपुरा, दिल्ली-6 ।

श्रीमती बलजीत मटियानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विकास भवन,

एच ब्लॉक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 12-12-1980

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

एच.बि.आर., विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली,

निर्देश सं० आई० ए० ए०/एक्यू०-II/एस० आर०-II/480/

3288—यतः मुझे बलजित भट्टियान;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 79/15 है, तथा जो गांव पालम नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बाँटन है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, 1930

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दाम्ताविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता है कि यह, विधानों से निश्चित है कि:

1. लक्ष्मी नारायण

गांव पालम, नई दिल्ली.

(अन्तरक)

2. श्रमता बनाव मोहतरा पत्नी एम० के० मोहतरा

सं० ए०, 1/10-ए, ड० ड० ए० फ्लैट, मुनारका, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एपि भूमि, 2 विगाज खमरा नं० 79/15 गांव पालम, नई दिल्ली ।

श्रमता बलजित भट्टियान;

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपसूचना (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख 12-12-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/II, एम०आर-II 480/
 3309 अतः मुझे बलजोत भट्टियानी
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 उक्त पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसको सं० जी० 79 है, तथा हरिनगर, नई दिल्ली में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ली में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 तारोख
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्रप्रसाद बेडा श्री विशेषर लाल,
 ई-23, शिव नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम नाथ बेडा श्री कुन्दन लाल
 डब्ल्यू० एस-25, मायापुरी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० जी-79, ब्लाक जो जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग-
 गज है हरिनगर, नई दिल्ली में स्थित है।

श्रीमती बलजोत भट्टियानी
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II,
 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 12-12-1980
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० - - - - -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच बनाक विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम०आर०-II/480/
3341—यतः मुझे बलजित भट्टियाने:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22 बिगाह तथा जो गांव मसूदा बाद दिल्ली
इस्टेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 5 अप्रैल 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्री मोहन सिंह बेटा श्री रघुबीर सिंह नजफगढ़,
दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री सतेश कुमार बेटा भगवत प्रसाद
गांव हवॉर पुर, यू० पी०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

असूची

भूमि 22 बीघा गांव मसूदा बाद, दिल्ली स्टेट दिल्ली।

श्रीमती बलजित भट्टियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-12-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्वू०-II/एस०आर०-II/48 0/3317—यतः मुझे बलजोत भट्टियाना:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० 24 बीघा व 10 बिस्वाम गांव जटकार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकार का कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रार करण अधिनियम 1908 (198 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री अरतो राम बेटा श्री मोहर सिंह
गांव शाही पुर

(अन्तरक)

2. श्री जूटर सिंह बेटा श्री दौलत राम
गांव मुनिरका, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 24 बीघा, व 10 बिस्वाम, गांव जटकार, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

श्रीमती बलजोत भट्टियाना
सक्षम अधिकारी
अर्जन रेंज-II,
दिल्ली-नई दिल्ली-110002

तारीख 20-12-80
मोहर।

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच० ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०-II/एस० आर०-II/480/

3351—यतः मुझे बलजित भटियानी;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसका सं० 1 बीघा व 15 बिस्वाम है, तथा जो गांव बरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स साहूत एन्टरप्राइसेज (प्रा०) लिमिटेड,
14 सफ़्ट फ़ैज, सफ़्ट मार्केट, अशोक बिहार,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हंस राज बेटा श्री धनंजय राम
ए० एल० ए०, रामा रोड, आदर्श नगर,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बीघा व 15 बिस्वास खसरा नं० 800
गांव बुरारी, दिल्ली।

श्रीमती बलजित भटियानी;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-12-80

मोहर :

प्रारूप आर० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विकास भवन,

एच, डवाक, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आ०ई ए० मो०/एफ्यू-II/एम० आर०-II-/480/
3347-अयत. मुझे बलजान्त मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसका सं० 25 बोगाज है तथा जो आर 6 विस्वाह बुद्धनपुर,
दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अध्यात दिनांक 22-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपाबद्ध संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) से अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय अथवा संपा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करना या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अध्यात (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन ---

1. श्री आनंद कृष्ण बेटा श्री भानु सिंह
गांव बुद्धनपुर, मजरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मंगाराम बेटा श्री माया राम
गांव बुद्धनपुर, मजरा, दिल्ली

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

सफटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 25 बोगाज व 6 विस्वाह गांव बुद्धनपुर, मजरा
दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

श्रीमता बलजान्त मटियानी
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-12-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विकास भवन,

एच० ब्लाक, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम० आर०-II/480

3316—अतः मुझे, बलजंत भट्टियाजी-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो शकुर्पुर, दिल्ली, स्टेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रारकी अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शासक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनितः---

1. श्रीमता शोभा बन्ती, विजय लक्ष्मी कोल व मिस शोभा लीन द्वारा जो मोहन गान बस्त्र बाग, श्री नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मन्मा राम श्री मन्मा कौण्ड्या और श्रीमता विमलादेवी 8/26, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लॉट नं० 4, रोड नं० 4, जिसका क्षेत्रफल 555.55 वर्ग गज है पंजाबी बाग, गांव शकुर्पुर में स्थित है।

श्रीमता बलजंत भट्टियाजी

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-12-80

सांहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

एच ब्लॉक, विकास भवन

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सा०/एक्यू०-II/एम०आर०-II/480/6493—यतः मझे बलजान मटियानां

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं० बी-208-एफ है, जो बरोला, मजलिम पार्क कालोनी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर दो के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14-406 GI/80

1. श्री रामचन्द बेटा श्री अमर चन्द,
मकान नं० बी-208 एफ सर्वे नं० 2 मजलिम पार्क
दिल्ली-33

(अन्तरक)

2. श्री मन्तोष सिंह बेटा श्री सहामिह
सं-85, नई सब्जी मण्डो, आजाद पुर
दिल्ली-33

(अन्तरित)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-208 एफ जो कि गांव बरोला मजलिम पार्क कालोनी में स्थित है।

श्रीमती बलजान मटियानां

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-12-1980

सीहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

एच ब्लॉक, विकास भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली 11002 दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस०आर०-I-4-80/

3319—अतः मुझे, श्रीमती बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी० एन०-12 है तथा जो ब्लॉक एल० हरिनगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है—और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922-का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर लाल चौधरी बेटा लेट श्री वोलत राम चौधरी बी० एल०-12, ब्लॉक एल, हरी नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री हकूमत राय बेटा लेट श्री हरिकृष्ण लाल एलाइस, हरिकृष्ण दास चौधरी, उख्यू० एस० 101, मायापुरी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के पत्र के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० बी० एल०-12, ब्लॉक एल० जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, हरिनगर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली,
नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-12-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन

आई०पी० एस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II—अतः मुझे,
बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-89 है तथा जो मान सरोवर गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) यदि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री परमानन्द मोहनलाल व श्री नथूराम, 1358, बगीची तनसुखराय अजमेरी गेट, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह बेटा हरबेल सिंह जे०-11/25, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० डी०-89, जिसका क्षेत्रफल 220 वर्ग गज है मानसरोवर गार्डन में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-12-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, II, एच० ब्लॉक, विकास भवन

आई० पी० एस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 दिसम्बर, 1980

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II-एम० आर०-I-4-80/6464—अतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी डब्ल्यू० जेड-8/6 है तथा जो कीर्ती नगर कालोनी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शामिल करने हयित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राजेन्द्र सिंह बेटा मोहन सिंह 4/42, रमेश नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री अण्वनी कुमार गचदेवा पुत्र श्री जीवन दाम सचदेवा, 344/2, मुभाप रोड गांधी नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो कि प्लॉट नं० डब्ल्यू० जेड-8/6, जिसका क्षेत्रफल 104 वर्ग गज है कीर्ती नगर, गांव बमाई छोटा-पुर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 8-12-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन

आई० पी० एस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आर०-I-4-80/
6443--अतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 29 ब्लाक ई० है तथा जो नार्थ सीटी
एक्सटेंशन स्कीम, अन्न कमला नगर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 1908) के अधीन तारीख
अप्रैल, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री हरबन्स सिंह सिन्हा डी०/10, माडल टाउन,
दिल्ली-9

(अन्तरक)

(2) श्री रवि कुमार अशोक कुमार मनचन्दा, 99-
ई०, कमला नगर, दिल्ली-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 99, ब्लाक-ई० नार्थ सीटी एक्सटेंशन स्कीम
जोन कमला नगर, मुनिसिपलटी, नं० ई०/6798 दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 8-12-80
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी०

एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II-एस० आर०-II-4-80/3308—अतः मुझे, बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० बी०-4/66, है तथा जो रोहतक रोड, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्रीमती कमला मेहता w/o श्री एस० सी० मेहता
सेक्टर नं० 7, क्वार्टर नं० 1274, आर० के०
पुरम, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान देवी पत्नि लेट श्री बाबू राम
गुप्ता, बी०-4/66, पश्चिम बिहार, रोहतक
रोड, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० बी०-4/66, जो कि प्लॉट नं० 66 ब्लाक नं० बी०-4 गाँव पीरान गढ़, पश्चिम पुरी में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 8-12-80
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/
4-80/3326—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० डब्ल्यू० जेड-216 है तथा जो जी० बी०-
15, हरी नगर नई दिल्ली में ब्लॉक जी० में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीदत्त सिंह बेटा श्री महताब सिंह, 138,
गीतम नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री सरदारी लाल मरवाहा बेटा राम चन्द
मरवाहा डब्ल्यू एस०-222, मायापुरी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डब्ल्यू० जेड-216, जो कि प्लॉट नं० जी०/
बी०-5 पर बना है जिसका क्षेत्रफल 266 वर्ग गज है, हरीनगर
ब्लॉक नं० जी० में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 8-12-1980
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री हरीदत्त सिंह बेटा श्री मेहताब सिंह
138, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

(2) श्री मनोहर लाल चौधरी बेटा श्री दीपत राम
चौधरी, जेड-14, मायापुरी नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

अब यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम० आर०-II-
4-80/3327—अतः मुझे बलजीत मटियानी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० डब्ल्यू० जेड-216 है तथा जो ब्लाक
'जी०' हरोनगर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1980 का 16)
के अधीन, तारीख 16-4-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० डब्ल्यू० जेड०-216, ब्लाक 'जी०'
जो कि प्लॉट नं० 'जी' 109, 110, 111 और 112 पर
बना है जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है हरी नगर में
स्थित है।श्रीमती बलजीत मटियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 8-12-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/4-80/6478—अतः मुझे, बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जी०-3/75 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किन्तव्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था लिहाजे में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—406GI/80

(1) श्री रतन चन्द चौपड़ा बेटा श्री कश्मीरी लाल नरनन एटार्सी श्री अजीत कुमार चौपड़ा और श्रीमती लता, जी०-3/75, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरमीत कपूर पत्नी सुदर्शन कपूर 67, रमेश्वर नगर आजादपुर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी सं० जी०-3/75 जिसका क्षेत्रफल 140 वर्गगज है जो कि माडल टाउन में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-12-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/ए० आर०-II/4-80/
7534—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी बी-74, है तथा जो खसरा नं० 1607 इन्द्रपुरी
कालीनी, दिल्ली-12 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
धीन निम्नलिखित शर्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विक्रम सिंह, लीडर सिंह बेटा निरन्जन सिंह
लिवर, श्रीमती पंजाब कीर, वि० श्री
निरन्जन सिंह लिवर बी०-75 इन्द्रपुरी, नई दिल्ली,
श्री बलबीर सिंह लिवर बेटा श्री निरन्जन सिंह
लिवर 501, महात्मा गान्धी रोड, (वेस्ट बंगाल)
और श्री सुरिन्दर सिंह लिवर और मे० हरदेव
सिंह, बेटा निरन्जन सिंह गांव गदर हिल्स,
शिमला।

(अन्तरक)

(2) श्री पूरन लाल और अशोक कुमार बेटे गुरदियाल
अरोरा, 3073 मोहल्ला शाहगंज, होजकाजी,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी०-14, खसरा नं० 1607, गांव नारायना
इन्द्रपुरी, दिल्ली-12।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-12-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम० आर०-I/

4-80/6383—अतः मुझे, बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 767, पुराना नं० 1658-1660) लुथियान रोड, कश्मीरी गेट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एम० एस० बिल्डर्स और कन्स्ट्रक्टर्स 1118-बी० आसफअली रोड, थू पार्टनर्स श्री जे० पी० गुप्ता और उमेश गुप्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुदेश कुमार खन्ना बेटा श्री हुकम चन्द, 5210 कोलापुर रोड, सञ्जीमण्डी, विल्ली-7 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोषणाओं के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्राउण्ड प्लोर व पहली मंजिल प्रापर्टी जिसका मु० ना० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) जो कि लुथियान रोड, कश्मीरी गेट में स्थित है ।

श्रीमती बलजीत मटियानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-12-80
मोहर :

प्रकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन, दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०II/एस आर-II/4-80-
3297—अतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विप्रवाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० सी-101-102 है तथा न्यू मुलतान नगर नई दिल्ली-110056 में स्थित है (और इससम्बन्धी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विप्रवाग करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गति में उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसूचन में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीप्रकाश देव ढींगरा बेटा लेट श्री परमानन्द ढींगरा मकान नं० 5 और श्रीमती पुष्पा रानी ढींगरा पत्नी श्री प्रकाश देव माडल टाउन, रोहतक (हरियाना)।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता बेटा श्री जीत बहादुर गुप्ता और श्री हरी शंकर गुप्ता बेट श्री बसुदेव गुप्ता, डब्लू 61, मायापुरी फेज-II खिरी लाईन दिल्ली (अन्तरित)

(3) श्री प्रकाश देव ढींगरा।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी-101-102 जो कि मुलतान नगर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 373-1/3 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 8 दिसम्बर, 1980

माहूर:

प्रश्न नम्बर टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन, आई० पी० इस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली; दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०II/एम० आर०-I/4-80/6519—यतः मुझे बलजीत मटियानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 355 है तथा जो कुचा घासी राम, चांदनी चौक, इलाका नं० 2 दिल्ली में है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये उन्मूलित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाट का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी तिथि पर या तबों पर या तबों के क्षेत्रों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्मिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उसधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी प्रकाशवती बेटी श्री बाबू प्यारे लाल पत्नी श्री रविन्द्रनाथ बहल 3/34 निराला नगर, लखनऊ अब 178, राऊज एवम्पू, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री रामरूप बेटा मनोहरलाल, बलदेव सिंह बेटा रामरूप, निवास 2241 गली डीगा ब्रेग फाटक हबस खान, दिल्ली, राजेश कुमार बेटा अमर नाथ सी-55, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पक्षोपस्थापकी के पास लिखित में दिए गए तथ्यों

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

4 मंजिल मकान नं० 355 जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग गज है जो कि कुचा घासी राम, चांदनी चौक इलाका नं० 2 नई दिल्ली-6 में स्थित है।

बलजीत मटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-12-80
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

एच ब्लॉक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली-1 दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/

4-80/6491—अनः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2593 है तथा जो गली पीपल वाली, छत्ता प्रताप
सिंह दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, दिल्ली-6 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 24-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फूल चन्द जैन बेटा मोहकम चन्द जैन
2593, गली पीपल वाली, छत्ता प्रताप सिंह
दिल्ली-6 ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नारायण बेटा श्री लक्ष्मण सिंह 2593,
गली पीपल वाली, छत्ता प्रताप सिंह दिल्ली-6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तीन मंजिल मकान नं० 2593, जिसका क्षेत्रफल 108
वर्ग गज है । पीपल वाली गली, छत्ता प्रताप सिंह, इलाका
नं० 4, दिल्ली-6 में स्थित है ।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1

तारीख : 8-12-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) में प्रयोजन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज एच ब्लॉक-II,
(आई० पी० स्टेट) विकास भवन,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आर०-
1/80/6490—अतः मुझे, बलजीत मटियानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-87 है तथा जो राजौरी बाग, दिल्ली
स्टेट दिल्ली में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-80

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के तहत अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाजार उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के तालिका में जारी
करने या उभरे बचने में सुविधा के लिए और

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घातकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा
व्यक्तियों, प्रयत्न

(1) श्रीमती बिमला रानी स्त्री श्री राम दास श्री
अवाहर लाल श्री राजीन्द्र कुमार और श्री सुभाष
चन्द पुत्र श्री राम दास निवासी 11/119 डी०
एस० तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र कुमार जुनेजा मंजीव कुमार पुत्र
श्री राम चन्द जुनेजा निवासी 14-ईश्वर नगर,
गोखला टर्न, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) ट्रांसफर 5 नाम श्री भीम सेन, रामकिशन,
पूरन सिंह, धर्मवीर, एस० के० सब्बरवाल।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अपेक्षा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
43 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पक्षोद्देश्यकारी के
समक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान प्लॉट नं० जे-87, 277 गज स्थित राजौरी बाग
एरिया, गांव बसई धारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

श्रीमती बलजीत मटियानी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-12-80

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
एच ब्लॉक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/

4-80/3335—अतः मुझे, बलजीत भटियानी
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके स्थान पर अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन तथा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी संख्या 24 बिगाज है तथा जो गांव ममुदाबाद,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख अप्रैल 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीश बेटा श्री हरमंगत, हरी कृष्ण बेटा
श्री मुलतान सिंह, रघुबीर सिंह बेटा श्री बिशन
सिंह, महेश चन्द बेटा श्री मुलतान सिंह और
रोशनलाल बेटा बिशन सिंह नजफगढ़ दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरज प्रसाद बेटा श्री रघुबीर सिंह नजफगढ़
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
तार्कवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
दिये जा सकेंगे ।

स्वाक्षरीकरण :—उक्त प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संमि 24 बिगाज गांव ममुदाबाद, दिल्ली ।

श्रीमती बलजीत भटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 8-12-80
मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II एच ब्लॉक विकास भवन आई० पी०
स्टेट, नई दिल्ली 4/14 क, आगफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एम आर-I/4-80/
6495—अतः मुझे बलजीत सिंह मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिस की सं० ई-3/9 है तथा जो माडल टाउन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-4-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

16-406GI/80

(1) श्री खेती लाल चोपड़ा बेटा लेट श्री देवी वास
चोपड़ा ई-3/9 माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता देवी, पत्नी श्री गुर प्रसाद
1139, गली समोमन, फरागखाना,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मन्जिला बिल्डिंग नं० डी-3/9, जिसका क्षेत्रफल 274.16 वर्ग गज है माडल टाउन में स्थित है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-I

दिनांक : 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II एच ब्लॉक, विकास भवन
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/-II/एस० आर०-II/4-80/
3346--अतः मुझे, बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-6/103 है तथा जो रजौरी गार्डन
गांव ततारपुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-80
को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
होने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या विख्यात जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अर्जन 1:--

(1) श्रीमती लता देवी पत्नी श्री शाम लाल डी-14
कीर्ती नगर, नई दिल्ली।
वर्तमान एफ-287, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा सेठी पत्नी श्री गुड्डियाल सेठी
जे-6/103, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मन्जिला मकान जो कि प्लॉट नं० जे-6/103
रजौरी गार्डन, गांव ततारपुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली जिसका
क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन
आई. पी. स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन मुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस आर-II/4-80/
6384—अतः मुझे, बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्च बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी-1/2 है तथा जो रजौरी गार्डन, गांव
बसाई धारापुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उन्हे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी निगम आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शीला चावला एलाईस, अजीत कौर और
युधिष्ठिर लाल चावला, सी-1/2, रजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्स टाईस एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, श्री
पार्टनरस श्री एच० एस० हंसपाल और श्री
सिंह चावला, 1/6, पूना रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान जो कि प्लॉट सं० सी-1/2, रजौरी गार्डन में,
जिसका क्षेत्रफल 450 वर्ग गज है गांव बसाई धारापुर,
में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II एच ब्लॉक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 18 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई०पी० स्टेट, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस आर-1/9-80—

अतः मुझे, बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है तथा जो भामा शाह मार्किट, मण्डेलियन रोड, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की भावना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) किसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री पी० टी० सिपाहीमिलानी, आई० आर० एन० (रिटायर) बेटा दीवान तारा चन्द, एम-63, कनाट सरकन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जुन भिगलानी, कर्ता श्री अर्जुन भिगलानी, बेटा गुरुबक्श राय, सी-1, ओबराय एपाट, दिल्ली-110

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 14, भामा शाह मार्किट, मण्डेलियन रोड कमला नगर, दिल्ली-7 जिसका क्षेत्रफल 227 वर्ग गज है ।

श्रीमती बलजीत भटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

सोदर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली
4/14 क, आसफअली रोड, नई दिल्ली।
नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदर्श सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस आर-1/4-80/
6425—अतः मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० जेड-12 है तथा जो माडल टाउन दिल्ली-
7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री आसा राम गुलानी बेटा एल केशो राम
धू बेटा श्री एस० के० गुलानी बेटा आसा राम
गुलानी जेड-12, माडल टाउन दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रित पाल सिंह बेटा श्री दर्शन सिंह
ए-3/100 पश्चिम विहार, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० जेड-12, माडल टाउन, दिल्ली जिसका
क्षेत्रफल 251 वर्गगज है।

श्रीमती बलजीत भटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 8 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस आर-II/6406--

अतः मुझे बलजीत मटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-26 है तथा जो कीर्ती नगर, गांव बसाई धारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)

के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) डा० पी० के० कपूर बेटा श्री धर्म नारायण कपूर एफ-37, ईस्ट ग्राफ कलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी मनमोहन सिंह डब्ल्यू/ओ एस० मनमोहन सिंह जे-26, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि प्लॉट नं० जे-26 कीर्ती नगर गांव बसाई धारापुर में है जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत मटियानी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II एच ब्लॉक विकास भवन,
आई० पी० स्टेट नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई. पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस आर-1/4-80/
6453—अतः मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० ई-36 है तथा जो रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 18-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० के० मिडा और श्री राजेश कुमार
बेटे श्री चुनी लाल मिडा,
7-वेस्ट पटेल नगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री प्रह्लाद सिंह
बेदी ए-111, विनाल एनकलेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि प्लॉट नं० ई-36, रजौरी गार्डन में है
जिसका क्षेत्रफल 215 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत भटियानी
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-11/एस आर-1/4-80/
6396—अतः मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
नये पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० ए-3 है तथा जो राना प्रताप बाग दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 2-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिप्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :—

(1) श्री शाम सुन्दर गुप्तेन बेटा राम चन्द गुप्तेन
ए-3, राना प्रताप बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार खेरा बेटा श्री कुन्दन लाल खेरा
ए-4/3 राना प्रताप बाग

(अन्तरिती)

(3) (1) विजय पाफेट बुक डिपो

(2) ए० एस०-दत्ता ए-3, राना प्रताप बाग,
दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धाबेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० ए-3, राना प्रताप बाग, दिल्ली जिसका
क्षेत्रफल 233-1/3 वर्ग गज है।

श्रीमती बलजीत भटियानी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एसआर-I/4-80/
6410—अतः मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की संख्या बी-10 है तथा जो सत्यावती नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक अप्रैल 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

17—406GI/80

(1) श्रीमती अमी कौर पत्नी श्री बन्सी धर गोकल गेट,
काट मण्डी, रिवारी डिस्ट्रिक्ट महेन्द्रगढ़, हरियाणा
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी देवी पत्नी श्री अछी दास
2531, अंकार नगर, त्रिनगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी बं
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० बी-10, जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है
सत्यावती नगर में स्थित है।

श्रीमती बलजीत भटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० ए स०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-II एच ब्लॉक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस आर-I/4-80/
6405—अतः मुझे बलजीत भटियानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 17/3 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 3-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति कि उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरुमुख अनिक पुत्र श्री फूसवल सिंह मनजीत
सिंह और अमरजीत सिंह निवासी श्री एस०
गुरुदयाल सिंह निवासी बी-6/58 सफदरजंग
एनक्लेव नई दिल्ली, मोहन सिंह पुत्र श्री एस०
गुरुदयाल सिंह 17/3 शक्ति नगर हरवीन्दर सिंह
पुत्र श्री गुरुदयाल सिंह निवासी 53 ग्राटसबुड
ड्रग मरचेट कम्प्लेक्स सरके यू० के० एस० मोहन
सिंह के द्वारा।

(अन्तरक)

(2) श्री बीरलुराम पुत्र श्री एल. रामचन्द्र श्रीमती निरमल
गुप्ता पत्नी श्री एस० मिथुन लाल और श्रीमती
चन्दादेवी पत्नी श्री एल० महावीर प्रसाद
निवासी 425 नया बांस, दिल्ली—

(अन्तरिती)

(3) श्री सुरेश राम राम पुत्र श्री के० जी० एम राय
निवासी 17/3 एफ० एफ० 3 कम्प्लेक्स शक्ति नगर
दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 17/3 शक्ति नगर, दिल्ली एरिया 241.11
गज।

बलजीत भटियानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, एच ब्लॉक, विकास भवन,
आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच० ब्लॉक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस आर-IV/4-80/
70—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि 1/4 हिस्सा है तथा जो 25
बीघा 2 बिस्वाम गांव गढ़ईपुर तहसील महरौली नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धर्मसिंह पुत्र दीवान सिंह,
निवासी कोटला मुबारकपुर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटल (प्रो०) लि० 12 ग्रीरंगजेब
रोड़ नई दिल्ली वाया
सन्तोष कुमार डायरेक्टर।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संक्षेपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहां
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 25 बीघा 2 बिस्वाम
(बराबर है 6 बीघा 5½ बिस्वामखमरा नं० 574 (5-18),
553 (4-17), 570 (4-16) 573 (4-16), 554 (4-16)
द्यूबेल हाउस गांव गढ़ईपुर तहसील महरौली नई
दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस आर-III (4-80/

71—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो 28 बीघा 9 बिस्वास (7 बीघा 2 1/4 बिस्वास) गांव गदईपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रे) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

(1) श्री धर्म सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलरियस होटल (प्रा०) लि० 12 औरंगजेब
रोड नई दिल्ली, बाया डायरेक्टर
सन्तोष कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि जमीन 28 बीघा 9 बिस्वास (7 बीघा 2 1/4 बिस्वास) खसरा नं० 578/1 (3-0), 578/2 (0-16), 549 (4-16), 577/1 (0-16), 577/2 (2-0), 516 (1-13), 550 (4-16), 551 (4-16), 572(2-16) गांव गदईपुर तहसील महरोली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर-III/4-80/

72—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा कृषि भूमि,
27 बीघा 18 बिस्वास (6 बीघा 19 बिस्वास) गांव गदईपुर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री धर्म सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटल प्रा० लि०
12 औरंगजेब रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 27 बीघा 18 बिस्वास
(6 बीघा 19 बिस्वास) खसरा नं० 548 (4-16),
547 (4-16), 546 (4-16), 580 (4-16), 579/1
(2-8), 579/2 (1-4), 579/3 (1-4), एण्ड 575 (3-18)
गांव गदईपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच० ब्लॉक

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस आर-II/4-80/
73—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा कृषि भूमि 25 बीघा 2 बिस्वास (6 बीघा 5 1/2 बिस्वास) गांव गदईपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री भगत सिंह पुत्र वीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटल प्रा० लि०
12 औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि 25 बीघा 2 बिस्वास (6 बीघा 5 1/2 बिस्वास) खसरा नं० 574 (5-18), 553 (4-16), 570 (4-16), 573 (4-16), 554 (5-16'), ट्यूबवैल हाउस गांव गदईपुर तहसील महरोली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस आर-III/4-80/

74—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 1/4 हिस्सा कृषि भूमि है तथा जो 27 बीघा 18 बिस्वास (6 बीघा 19 1/2 बिस्वास) गांव गदई पुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री भारत सिंह पुत्र बीबान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटलस प्रा० लि०
12 औरंगजेब रोड, नई दिल्ली बाया डायरेक्टर
सन्तोष कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 27 बीघा 18 बिस्वास (6 बीघा 19 1/2 बिस्वास) खसरा नं० 548 (4-16), 547 (4-16), 546 (4-16), 580 (4-16), 579/1 (2-8), 579/2 (1-4), 579/3 (1-4), 575 (3-18) गांव गदईपुर तहसील महरोली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I एच ब्लॉक, विकास भवन

इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एयू०-एस० आर०-III/

4-80/75—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 1/4 हिस्सा 28 बीघा 9 बिस्वास (7 बीघा 2 1/4 बिस्वास) कृषि भूमि है तथा जो गांव गदईपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भारत सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कलैरिजस होटल प्रा० लि०,
12 श्रीरंगजेव रोड़ नई दिल्ली वाया
डायरेक्टर सन्तोष कुमार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 28 बीघा 9 बिस्वास (7 बीघा 2 1/4 बिस्वास) खसरा नं० 578/1 (3-0), 578/2 (1-16), 577/2 (2-0), 576 (1-13), 549 (4-16), 550 (4-16), 551 (4-16), 572 (2-16), गांव गदईपुर महरौली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर, 1980
मोहर :

प्रखर आई० टी० एन० एम० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

(आई. पी. इस्टेट) नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एम० आर०-III/4-80/

76—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति नियत उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा 28 बीघा 9 बिस्वाम (7 बीघा
21/4 बिस्वाम) कृषि भूमि है तथा जो गांव गदई-
पुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए गए पाया गया ऐसे
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त परमरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

18-406G1/80

(1) श्री विपिन सिंह पुत्र दीवान सिंह
कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कनैरिजम होटलम प्रा० लि०,
12 औरंगजेब रोड, नई दिल्ली, बाया
डायरेक्टर मन्मोहन कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्वास्थ्यकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 28 बीघा 9 बिस्वाम
(7 बीघा 2 1/4 बिस्वाम) खसरा नं० 578/1 (3-10),
578/2 (1-16), 577/1 (0-16) 577/2 (2-0)
577/3 (2-0) 576/1 (1-13), 549 (4-16), 550
(4-16), 551 (4-16) गांव गदईपुर, महरीली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली ।

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980 ।

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उत्तर प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एम० आर०-II/4-80/

77-अन: मुद्रा, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० 1/4 हिस्सा 25 बीघा 2 बिस्वाम (6 बीघा 5 1/2 बिस्वाम) कृषि भूमि है तथा जो गांव गदर्दपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री विपन सिंह पुत्र दीवान सिंह
निवासी कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कनैरिंगम होटलम प्रा० लि०
12 श्रीगंगजेब रोड, नई दिल्ली, वाया
मन्तोप कुमार डायरेक्टर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 हिस्सा एग्रीकल्चरल लैंड एरिया 25 बीघा 2 बिस्वाम (6 बीघा 5 1/2 बिस्वाम) खमरा नं० 574 (5-18), 553 (4-16), 570 (4-16), 573 (4-16), 554 (4-16), ट्यूबवैल हाउस गांव गदर्दपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

संक्षेप प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली ।

दिनांक : 24 दिसम्बर, 1980 ।

गोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एम० आर०-III/4-80/

78--अन: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिस की सं० 1/4 हिस्सा 27 बीघा 18 बिस्वाम (6 बीघा 19 1/2 बिस्वाम) कृषि भूमि है तथा जो गांव गदईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री विपन सिंह पुत्र दीवान सिंह
कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) क्लेरिजस होटलस (प्रा०) लि०,
12 आंगरेज रोड, नई दिल्ली, बाया
डायरेक्टर, मन्तोप कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि 27 बीघा 18 बिस्वाम (6 बीघा 19 1/2 बिस्वाम) खसरा नं० 548 (4-16), 547 (4-16), 546 (4-16), 580 (4-16), 579/1 (2-8), 579/2 (1-4), 579/3 (1-4), 575 (3-18), गांव गदईपुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०- /एस आर-III/5-80/

310--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिस की सं० आर-1 है तथा जो हीज खास इन्क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) देवी दास अग्रवाल पुत्र बाके लाल अग्रवाल
ए-47 गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) एम० कंवर जीत सिंह पुत्र एम० शेख सिंह शेर पाल
एण्ड एसोसिएट्स, जी-48, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० 1 ब्लॉक नं० आर० 515.77
वर्ग गज कालोनी हीज खास इन्क्लेव, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व--रोड़

पश्चिम--रोड़

उत्तर--रोड़

दक्षिण--मकान, प्लॉट नं० आर-3

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एम आर-11/6-80/
446--अन: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० के-101 है तथा जो हौज खास इन्कलेव,
नई दिल्ली में स्थित है (और इस में उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 2-6-80 को पूर्वांकित सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण पड़ोस का पाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, 6 अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व
में समा करने या उसमें अन्तरण में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मोनी लाल जैन पुत्र बनवारी लाल जैन
बी-1/23 ए, हौज खास इन्कलेव
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० दलजीत प्रोपर्टीज प्रा० लि०
फ्लैट नं० एल सागर एपार्टमेंट्स
6 तिलक मार्ग, नई दिल्ली-I

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अथवा के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो फ्री होल्ड प्लॉट आफ जमीन
नं० 101 ब्लॉक नं० के 500 वर्ग गज या 418.06 वर्ग मीटर
हौज खास इन्कलेव नई दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित
है :--

पूर्व--रोड

पश्चिम--मकान नं० के-100

उत्तर --मकान नं० के-86 और के-87

दक्षिण--रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल

सहायक अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक,

इन्द्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-1, एच ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०-1/एम०आर०-III/4-80/99—अन: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० 1/4 हिस्सा 25 बीघा 2 बिस्वाम है तथा जो गांव गढ़ईपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारियों के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रचारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुनान सिंह पुत्र अन्तर सिंह,
कोटना मुबारकपुर नई दिल्ली बाया
अन्तर सिंह पुत्र दीवान सिंह

(अन्तरक)

(2) नवैरज होटल प्रा० लि०,
12 श्रीगजेब रोड नई दिल्ली,
बाया डायरेक्टर मन्तोप कुमार

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति का अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्माबन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कुपि भूमि एरिया 25 बीघा 2 बिस्वाम
खमरा सं० 574 (5-18) 553 (4-16), 570 (4-16),
573 (4-16), 554 (4-16) द्यूब बैल हाउस गढ़ईपुर
सहगीली तहसील, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-1, विकास भवन, एच ब्लॉक,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-1, एच ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110001

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एम०आर०-111/-111/

100—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-घ के अन्तर्गत प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा 28 बीघा 9 बिस्रवास है तथा जो गांव गदईपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए आर/वा;

(ख) ऐसा किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या भ्रिय जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मूलान सिंह पुत्र अन्तर सिंह
निधार्मा कोटवा मुन्नागपुर नई दिल्ली
बाया जी० ए० अन्तर सिंह, पुत्र दोवान सिंह
(अन्तरक)

(2) क्लैरिजि होटल प्रा० लि०,
12 श्रीरंगजेव रोड, नई दिल्ली
बाया मन्तोप कुमार डायरेक्टर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो यः अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथादृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 28 बीघा 9 बिस्रवास
खसरा सं० 578/1, (3-0), 578/2 (1-66), 577/1
(0-16), 577/2 (2-0), 577/3 (2-0), 576 (1-13),
549 (4-16), 550 (4-16), 551 (4-16), 572
(2-16) गांव गदईपुर तहसील महमूली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रोज-1, विकास भवन, एच ब्लॉक,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980
मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जैन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1 एस०आर०-III/1-80/
101--अन. मुझे, आर० बी० एल अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा 27 बीघा 18 बिस्वाम है तथा जो
गांव गदईपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-4-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए या ऐसा करा प्रतिकूल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचों में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधिनियम:--

(1) श्री सुलतान मिह पुत्र अन्तर मिह
निवासी कोटला मुबारकपुर नई दिल्ली,
बाया जी० ए० श्री अन्तर मिह पुत्र दीवान मिह
(अन्तरक)

(2) कलैरिज होटल प्रा० लि०
12 श्रीरंगजेब रोड, नई दिल्ली,
बाया सुनील कुमार डायरेक्टर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हैं:--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोइस्ताअरो के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयुक्त होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा कृषि भूमि एरिया 27 बीघा 19 बिस्वाम
खमरा नं० 548 (4-16), 547 (4-16), 546 (4-16),
579/1 (2-8), 579/2 (1-4), 579/3 (1-4), 575
(3-18) गांव गदईपुर तहसील महंगौली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली,

दिनांक: 24 दिसम्बर 1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०आर०-III/4-80/

102—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिस्वास ह तथा जो गांव गदईपुर नई दिल्ली में, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी जन या पथ्य भास्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुबन्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अत्तर सिंह पुत्र दीवान सिंह निवासी कोटला मुबारकपुर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कलैरिज होटल प्रा० लि० 12 औरंगजेब रोड, नई दिल्ली वाया डायरेक्टर सन्तोष कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिस्वास खसरा नं० 571 गांव गदईपुर तहसील महरौली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लॉक
इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 24 दिसम्बर 1980
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 28th October 1980

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Personal Assistants (Gr. B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gr. A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis w.e.f. the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period

1. Shri Joginder Singh—29-10-80 to 28-12-80.
2. Shri R. L. Thakur—22-10-80 to 21-12-80.

Dated, 24th December 1980

No. A.32014/1/80-Admn. I (II)—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* capacity, with effect from the dates mentioned below :—

S. No.	Name	Period	Remarks
S/Shri			
1.	S. P. Mehra	3-11-80 to 31-12-80 or until further orders whichever is earlier	Against 4 posts created by temporarily downgrading 4 posts of Private Secretaries
2.	O. P. Deora	29-10-80 to 28-12-80 or until further orders whichever is earlier	Against resultant chain vacancy.
3.	Hukam Chand	29-10-80 to 28-12-80 or until further orders whichever is earlier	Against one of the four posts created by temporarily downgrading 4 posts of Private Secretaries.
4.	Jatinder Lal	22-10-80 to 21-12-80 or until further orders whichever is earlier	Against the resultant chain vacancy.
5.	H. C. Katoch		
6.	T. R. Sharma		

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P. A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade. Further, the aforesaid *ad-hoc* appointments are also subject to the approval of the Department of Personnel & Administrative Reforms.

S. BALACHANDRAN

Dy. Secy.

Union Public Service Commission

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 19th December 1980

No. O.II-1464/80-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as Junior Medical officer in the CRP Force on *ad-hoc* basis with effect from 23-10-80 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 20th December 1980

No. O.II-1474/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. S. Palani Chamy GDO; Grade-II of Group Centre CRPF Avadi with effect from the afternoon of 28-8-1980 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

No. O.II-1523/80-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. M. Raghunath as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Company Commander) in the CRP Force in a temporary

capacity with effect from 5-11-80 (AN) subject to his being medically fit.

S. C. VIDYARTHI
Deputy Director (Estt.)

New Delhi, the 12th December 1980

No. O.II-47/76-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF, Lt. Col. S. P. Malik (Retd.) relinquished charge of the post of Commandant 2 Signals Bn. CRPF Hyderabad on the afternoon of 24th November 1980.

A. K. SURI
Assistant Director (Admn.)DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-110001, the 19th December 1980

No. A.13018/1/80-Admn.—The following officiating Assistant Directors and Extra Assistant Directors/Extra Assistant Director (Cipher) of the Directorate of Coordination (Police Wireless) are confirmed in the post of Extra Assistant Director/Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the 30th June, 1980 :—

1. Shri Chanchal Singh—Extra Asstt. Director.
2. Shri B. K. Mitra—Extra Asstt. Director.
3. Shri M. N. Tikku—Asstt. Director.
4. Shri J. B. Bandyopadhyay—Extra Asstt. Director.
5. Shri P. J. Zachariah—Extra Asstt. Director.
6. Shri V. Sitaraman—Extra Asstt. Director.
7. Shri K. Saifullah—Extra Asstt. Director.
8. Shri B. K. Das Gupta—Extra Asstt. Director (Cipher).
9. Shri P. L. Harding—Extra Asstt. Director (Cipher).

C. P. JOSHI
Director
Police Telecommunications

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 18th December 1980

No. 10/24/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri Y. S. Rao, Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600, in the same office, with his headquarters at New Delhi, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the afternoon of the 25th November, 1980 upto the 30th September, 1981 or until further orders, whichever is earlier.

P. PADMANABHA
Registrar General, IndiaMINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla, the 6th January 1981

No. 23/3/80-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by five points to reach 411 (four hundred and eleven) during the month of November, 1980. Converted to base : 1949=100 the index for the month of November 1980 works out to 500 (five hundred).

A. S. BHARADWAJ
Joint DirectorMINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 17th December 1980

No. 1707/A.—In continuation of Notification No. 434/A. dated the 10th June, 1980 the *ad-hoc* appointment of Shri P. D. Jadhav, Administrative Officer, India Security Press, Nasik Road, is extended for a further period of six months, i.e. upto 6-6-1981 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 19th December 1980

No. Admn./33-2A/75/4470.—Sri Pulin Behari Bag an officiating member of the Subordinate Railway Audit Service in the office of the Director of Audit, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted to officiate as Audit Officer from forenoon of the 5th December, 1980 until further orders.

A. N. CHAKU
Director of Audit

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
DGOF HQRS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 10th December 1980

No. 27/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Smt. Lina Guha, *Ad-hoc* ASO, as Offg. Assistant Staff Officer, in an existing vacancy, from 1-11-1980 until further orders.

Smt. Guha will be on probation for two years from the date of her promotion.

D. P. CHAKRAVARTY
ADGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 15th December 1980

No. 12/294/61-A(G).—The President is pleased to appoint Shri P. S. Mehta, Editor (Hindi) in the Department of Family Welfare, Ministry of Health and Family Welfare as Director (Gr. II) (Tech. Publicity) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) on deputation basis for a period of three years with effect from the afternoon of 29-11-1980.

No. 12/496/65-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. K. Shenoy, Assistant Director (Grade I) (Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Goa as Deputy Director (Industrial Management & Training) on officiating basis in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, with effect from the forenoon of the 15th November 1980 until further orders.

No. A.19018/442/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Dayanand Prasad, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) as Assistant Director (Grade II) (Economic Investigation/Data Bank) on *ad-hoc* basis at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the afternoon of 30th January 1980 until further orders.

No. A.19018/495/80-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri P. V. John, Small Industry Promotion Officer (Chemical), Small Industries Service Institute, Bangalore as Assistant Director (Grade II) (Chemical) on *ad-hoc* basis at Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 10th November 1980, until further orders.

M. P. GUPTA
Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES
Nagpur, the 5th December 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7), dated the 11th July 1969, under Class 2—NITRATE

MIXTURE, add "INDOGEL-614, INDOGEL-634, INDOGEL-6/4 (pumpable slurry explosives) for onsite trial manufacture inside a pump truck and carrying out field trials directly into the specified bore holes for a period upto 31-12-1981" before the entry "INDOMITE".

The 15th December 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7), dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, the entries "for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations provisionally upto 31-12-80" and "for carrying out trial manufacture" appearing after the entries "KELVEX-100, KELVEX-200, KELVEX-300, KELVEX-700 and KELVEX-800" and "KELVEA-90, KELVEX-210, KELVEX-220, KELVEX-600, KELVEX-650 and KELVEX-P" respectively, shall be deleted.

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7), dated the 11th July 1969 under Class 2—NITRATE MIXTURE :

- (i) add "DYNEX-C for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-81" after the entry "DYNEX-1"; and
- (ii) the entries "PREMIER DYNAMIT for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-1981" appearing after the entry "POWERPLAST" shall be deleted.

CHARANJIT LAI
Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th December 1980

No. 9672B/A-19012(3-SG)/80-19B.—Shri S. Ganesh, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16-10-1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO
New Delhi, the 12th December 1980

CORRIGENDUM

No. 2/11/63-SIL.—The date of appointment of Shri B. D. Mittal, as Administrative Officer, All India Radio, Bhopal mentioned in this Directorate Notification No. 1/1/79-SII (Vol. II), dated 17-3-80 may please be read as 2-7-79 (FN) instead of 19-6-79 (FN).

S. V. SESHADRI
Dy. Director of Administration
For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-110001, the 16th December 1980

No. A.38013/1/80-Est.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri P. R. Kohli, Accounts Officer of this Directorate retired from Government service on the afternoon of 30th November, 1980.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
For Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
New Delhi, the 17th December 1980

No. 6-47/80-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. Banerjee, Superintendent, in the

Central Drugs Laboratory, Calcutta to the post of Junior Administrative Officer in the same laboratory with effect from the forenoon of the 20th November, 1980 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 20th December 1980

No. A.19018/11/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Rameshwar Pd. Pandey to the post of Ayurvedic Physician on *ad-hoc* basis in the Central Government Health Scheme Ahmedabad with effect from the forenoon of 8-8-1980.

K. L. BHATIA
Dy. Director Admn. (C.G.H.S.)

New Delhi, the 19th December 1980

No. A.12025/20/77(AIIPMR)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Narendra Kumar Kalmady, Manager, Prosthetic Workshop (Production), All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay to the post of Superintendent, Prosthetic and Orthotic Workshop at the same Institute with effect from the forenoon of the 6th August, 1980, in a temporary capacity and until further orders.

No. A-12025/1/80(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. A. Balasubramanian, Assistant Biochemist, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, to the post of Biochemist at the same Institute with effect from the forenoon of the 4th October 1980 on an officiating basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Biochemist, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, Dr. A. Balasubramanian, relinquished charge of the post of Assistant Biochemist in the same Institute with effect from the forenoon of the 4th October, 1980.

The 20th December 1980

F. No. A.12025/23/79/NRP/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Sharma to the post of Assistant Director (Ent.), National Institute of Communicable Diseases with effect from the forenoon of 9th September, 1980 on a temporary basis and until further orders.

No. A.12026/9/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. D. Yadav, Health Education Technician Grade I at the Central Health Education Bureau to the post of Assistant Editor (Hindi & English) at the same Bureau with effect from the forenoon of 28th November 1980, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

P.O. NAPP Township, the 17th December 1980

No. NAPP/Adm./1(156)/80/S/16471.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Vijay Pal Singh, a temporary Assistant Security Officer to officiate as Land Management Officer on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in the Narora Atomic Power Project for a period of 3 months from 5th December, 1980 to 4th March, 1981.

K. V. SETHUMADHAVAN
Senior Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 15th December 1980

No. PAR/0704/7858.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Sri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel

Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 17-12-1980 to 19-1-1981, or until further orders, whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 19th December 1980

No. AMD-1/6/80-Rect.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Debashis Mukhopadhyaya as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 8, 1980 until further orders.

The 20th December 1980

No. AMD-8/1/80-Adm.—In continuation of this Office Notification of even number dated October 13, 1980, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Somnath Sachdeva, permanent Assistant and Officiating Hindi Translator in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division with effect from 2-11-1980 to 6-12-1980 *vice* Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

Department of Space

Civil Engineering Division

Bangalore-560025 the 11th December 1980

No. 10/5 (14)/79-CED (H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint the following technical personnel in a substantive capacity against permanent posts in the Civil Engineering Division of the Department of Space with effect from the dates mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Permanent post held if any	Post to which now appointed substantively	With effect from
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	Y. Sitaramudu	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
2.	R. Valakrishnan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
3.	S. N. Iyengar	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
4.	G. N. Krishnakumar	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
5.	U. Jayarajan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
6.	A.S. Mudaliar	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
7.	C. George	Foreman (Elec.)	Engineer SB	1-4-1980
8.	Y. Radhakrishnan	Foreman (Elec.)	Engineer SB	1-4-1980
9.	S. S. Rao	Foreman (Elec.)	Engineer SB	1-4-1980
10.	P. R. Gopinathan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
11.	T. Ramamurthy	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
12.	R. Chandran	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980
13.	B. Venkataramana Achar	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB	1-4-1980

1	2	3	4	5
14. K. Madhu Rao	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
15. K. Viswanathan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
16. M. V. Krishnamoorthy	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
17. K. T. Kuriakose	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
18. S. V. Ramana Rao	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
19. G. C. Saharoy	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
20. V. K. Sankaran	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
21. P. Venkateswarlu	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
22. H. D. Patil	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
23. G. K. Bhat	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
24. Mohd. Asgher	—	Engineer SB		1-4-1980
25. M. P. Krishna	—	Engineer SB		1-4-1980
26. A. S. Badami	Jr. Arch Asst.	Engineer SB		1-4-1980
27. C. Nagireddy	—	Engineer SB		1-4-1980
28. M. Nirmaldas	—	Engineer SB		1-4-1980
29. M. Arunachalam	—	Engineer SB		1-4-1980
30. Ravi J. Verghis	—	Engineer SB		1-4-1980
31. M. O. Anto	—	Engineer SB		1-4-1980
32. K.K.K. Nair	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
33. P. G. Sugunasekharan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
34. P. S. Sankaranarayanan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
35. C. Lakshmajachetty	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
36. M. Satyaseelan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
37. V. Chandrabalan	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980
38. Ch. V. Raghava Rao	Tech. Asst. 'C'	Engineer SB		1-4-1980

M. P. R. PANICKER,
Administrative Officer-II

Bangalore-560058, 12th December, 1980

No. 020/3 (061)P/80.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to promote the undermentioned officers of the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space to the posts and with effect from the forenoon of the dates as indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore in an officiating capacity and until further orders:—

Sl. No.	Name	Post & grade from which promoted	Post & grade to which promoted	Date
S/Shri				
1.	A. Anna Rao	Scientific Asst. 'C'	Sci/Engineer SB	1-10-1980
2.	Smt. Prema Haridas	Scientific Asst. 'C'	Sci/Engineer SB	1-10-1980
3.	Smt. Annie Nelson	Scientific Asst. 'C'	Sci/Engineer SB	1-10-1980
4.	Smt. Lalitha Narayanan	Scientific Asst. 'C'	Sci/Engineer SB	1-10-1980

No. 020/3(061)/R/80.—Director ISRO Satellite Centre, Bangalore is pleased to accept the resignation from service of Shri S. Ramanujam, Scientist/Engineer SB in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the forenoon of September 1, 1980.

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th November 1980

No. A.32013/5/79-EA.—The President has been pleased to appoint Shri Prem Nath, to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes, on purely *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from the 1st August, 1980, or till the posts is filled on regular basis, whichever is earlier.

2. Shri Prem Nath is posted as Deputy Director (Planning) at Headquarters.

The 12th December 1980

No. A.32013/10/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Bose, Dy. Director/Controller of Aerodromes as Director of Aerodromes at Calcutta Airport, Dum Dum, on *ad-hoc* basis for a period of 6 months with effect from 29-11-1980 (F.N.) or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 16th December 1980

No. A.32013/6/78-EC.—In partial modification of serial number 4 of this Department Notification number A.32013/6/78-EC, dated 15-11-80, the President is pleased to appoint Shri B. N. Sil, Assistant Communication Officer at present working as Communication Officer on *ad-hoc* basis in the Office of the Regional Director, Civil Aviation Department, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Communication Officer on regular basis with effect from 31-7-1980 (FN) and to post him in the same office.

No. A.32014/3/79-EC(Pt.IV).—In modification of serial number 1 of this department notification number A.32014/3/79-EC(Pt.IV), dated 15-11-80, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri O. P. Chadha, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Palam to the grade of Assistant Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from 8-9-80 (AN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A. 38013/1/80-EC.—The undermentioned two officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquish charge of their office on 31-10-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation:—

S. No.	Name & Designation	Station
	S/Shri	
1.	G. B. Brahme, Asst. Tech. Officer	Aero. Comm. Stn., Bombay
2.	S. Ramamritham, Asst. Comm. Officer	Aero. Comm. Stn., Madras

No. A. 32013/5/80-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/5/80-EC, dated 13-6-80, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri N. K. Puri, Assistant Director of Communication to the grade of Deputy Director of Communication (Planning) for the period from 8-7-1980 to 23-11-1980.

No. A.38015/31/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit Shri K. S. Rathnam, Assistant Technical Officer, Aero. Communication Station, Bangalore to retire from Government Service with effect from 31-10-80 (AN) under the provisions of FR. 56(k).

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 19th December, 1980

No. A-32014/1/80-Adm. V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

Sl. No.	Name of Officer with designation	Date of assumption of charge as EAD/AE.
	S/Shri	
1.	R. P. Tripathi, Supervisor.	15-9-80 (forenoon)
2.	I. J. Sharma, Supervisor.	19-9-80 (forenoon)
3.	J. C. Das, Supervisor.	10-11-80 (forenoon)
4.	Y. Nageswara Rao, Supervisor.	21-11-80 (forenoon)
5.	R. N. Mishra, Supervisor.	10-12-80 (forenoon)
6.	N. N. Sircar, Supervisor.	1-10-80 (afternoon)
7.	P. N. Mishra, Supervisor.	29-11-80 (forenoon)
8.	A. Tiwari, Supervisor.	17-11-80 (forenoon)
9.	A. K. Ghosh, Supervisor.	23-10-80 (afternoon)
10.	Virendra Pal, Supervisor.	12-10-80 (forenoon)

K. L. BHANDDULA,
Under Secy,
Central Water Commission

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

INCOME-TAX

New Delhi, the 11th December 1980

No. JUR-DLI/1/80-81/31905.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 15-12-1980.

T.D.S. (Salaries) Circle-V, New Delhi.

No. JUR-DLI-VI/80-81/32046.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) and (2) of Section 124 of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all earlier notification regarding the jurisdiction of the T. D. S. Salary Circles New Delhi, Commissioner of Income-tax, Delhi, VI, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in Column 2 shall have the jurisdiction regarding T. D. S. from salaries, in respect of the employers as mentioned in Column 3 of the Schedule and whose office or place of work is situated in the Union Territory of Delhi.

This notification shall take effect from 15-12-1980.

SCHEDULE

1	2	3
1. I. T. O. TDS (Salaries) Circle-I, New Delhi	(1) All employers whose name begin with alphabets 'A' to 'H' except the following employers:—	
	(a) All trusts, all co-operative societies, societies registered under the societies Act, 1960 waqfs, endowments and other charitable institutions	
	(b) All hotels, eating houses restaurants and commercial guest houses.	
	(c) All hospitals & nursing homes, medical practitioners, lawyers, chartered accountants and other legal practitioners.	
	(d) All contractors, architects and engineers, interior decorators and allied consultants.	
	(e) All Universities, colleges, schools and other educational institutions.	
	(f) All air lines, travel and tourists agencies.	
	(g) All publishers including newspapers publishers, printers and owners of printing presses.	
	(h) All manufacturers and dealers of electrical goods and electronic items and appliances.	
	(i) All companies incorporated after 1-4-1978.	
	(j) All ministries and departments of the Central Government, State Governments and Delhi Admn.	
	(2) All film producers, distributors, exhibitors and film financiers.	
	(3) All road transporters, truck operators, goods carriers, taxi owners and operators.	

1	2	3
2. I. T. O. TDS (Salaries) Circle-II, New Delhi	(i) All employers whose names begin with alphabets 'I' to 'Q' except those falling within the jurisdiction of ITO TDS (Salaries) Circles-I, III, IV & V.	
	(ii) All hospitals & nursing houses, medical practitioners, lawyers chartered accountants and other legal practitioners.	
3. I. T. O. TDS (Salaries) Circle-III, New Delhi	(i) All employers whose name begin with alphabets 'R' to 'Z' except those falling in the jurisdiction of ITO TDS (Salaries) Circle-I, II, IV and V.	
	(ii) All trusters, all co-operative societies, societies registered under society act, waqfs, endowments and other Charitable institutions.	
	(iii) All universities, colleges, schools and other educational institutions.	
	(iv) All publishers including news papers publishers, printers and owner of printing presses.	
4. I. T. O. TDS (Salaries) Circle-IV, New Delhi	(i) All contractors, architects and engineers, interior decorators and allied consultants.	
	(ii) All manufacturers and dealers of electrical goods and electronic items and appliances.	
	(iii) All companies incorporated after 1-4-1978.	
5. I. T. O. TDS (Salaries) Circle-V, New Delhi	(i) All hotels, eating houses, restaurants and commercial guest houses.	
	(ii) All ministries and departments of the central Government, state governments and Delhi Administration.	

D. N. CHAUDHRI,
Commissioner of Income Tax,
Delhi-VI, New Delhi.

New Delhi, the 18th December 1980

F. No. JUR/DLI/V/80-81/32323.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 8AA of Wealth-tax Act, 1957 and 7AA of Gift-tax Act, 1958, the Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi-V, New Delhi hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Wealth-tax Officer/Gift-tax Officer District IV(10) in respect of cases mentioned in Schedule 'A' annexed hereto shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-V-F, New Delhi.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions, Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi-V, New Delhi also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Range-V-F to pass such orders

as are contemplated in sub-section (2) of Section 8AA of Wealth tax Act/7AA of Gift-tax Act.

3. This notification shall take effect from 19-12-1980.

R. D. SAXENA
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi

LIST OF WEALTH-TAX CASES

(Schedule-A)

S. No.	Name of the Assessee	Status
1.	Smt. Asha Khandelwal	Indl.
2.	Shri Badri Pd.	-do-
3.	-do-	H. U. F.
4.	Shri Bishamber Dayal	Indl.
5.	Smt. Bimla Devi	-do-
6.	Smt. Bhoori Devi	-do-
7.	M/s. Bishamber Dayal Badri Pd.	H. U. F.
8.	Shri Dwarka Pd.	-do-
9.	Shri Dwarka Pd.	Indl.
10.	Shri Ghasi Ram Gupta	-do-
11.	-do-	H. U. F.
12.	Smt. Gindori Devi	Indl.
13.	Smt. Kashmiro Devi	-do-
14.	Smt. Khalique Un Misa	-do-
15.	Shri Mohd. Yaunus	Indl.
16.	Shri Mahesh Chand	H. U. F.
17.	Smt. Munni Devi	Indl.
18.	Smt. Mohindro Kumari	-do-
19.	Smt. Madhu Khandelwal	-do-
20.	Shri Naresh Chand	H. U. F.
21.	Shri Narendra Kumar	Indl.
22.	Shri Rameshwar Dayal	-do-
23.	-do-	H. U. F.
24.	Shri Rajesh Kumar	Indl.
25.	Shri Raj Kumar	Indl.
26.	Shri Suresh Chand	H. U. F.
27.	Smt. Shashi Khandelwal	Indl.
28.	Smt. Sunita Devi	Indl.
29.	Shri Bishamber Dayal	H. U. F.
30.	Smt. Patima Bai	Indl.

Lucknow, the 18th December 1980

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 123P.—Shri Pushp Kumar Srivastava, Income-tax Inspector, Allahabad charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer (Collection & Statistics), Office of the Commissioner of Income-tax, Allahabad on 1-11-1980 in the forenoon.

No. 124.—Shri Sri Ram Bharti (SC), Income-tax Inspector, Allahabad Charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, G-Ward, Allahabad on 1-12-1980 in the forenoon.

DHARNI DHAR
Commissioner of Income-tax,
Lucknow

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2384.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Jagtar Singh
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Avtar Kaur w/o Sh. Mohan Singh,
S/o Sh. Gurdas Singh and
Sh. Bhupinder Singh s/o
Sh. Mohan Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Drappers,
Bara Pind Road, Goraya.

(Transferees)

- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 239 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2385.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—406 G I/80

(1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Bhupinder Singh
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Prit Pal Singh, s/o
Sh. Mohan Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Drappers,
Bara Pind Road, Goraya.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 238 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP NO. 2386.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Gurmakh Singh
r/o V. Shanker, Tch. Nakodar,
Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Jasvir Singh, s/o
Sh. Mohan Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Druppers,
Bara Pind Road, Goraya. (Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 240 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

S. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2387.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Gobind Market, G. T. Rod, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Makhan Singh
r/o Village Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Prit Pal Singh, Jasvir Singh, Ss/o
Sh. Mohan Singh s/o Sh. Gurdas Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Drappers,
Bara Pind Road, Goraya. (Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 241 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2388.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Sumitar Singh
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Avtar Kaur, w/o
Sh. Mohan Singh s/o Sh. Gurdas Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors and Drappers,
Bara Pind Road, Goraya.

(Transferees)

- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 242 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2389.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulvir Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
General Attorney of Sh. Gurmakh Singh
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Prit Pal Singh, Jasvir Singh, Ss/o
Sh. Mohan Singh, care of
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Drappers,
Bara Pind Road, Goraya. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 265 dated May, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2390.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kulvir Singh, s/o Sh. Surjeet Singh, and General Attorney of Sh. Sumitar Singh and Bhupinder Singh r/o V. Shanker, Teh. Nakodar, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Avtar Kaur, w/o Sh. Mohan Singh and Sh. Bhupinder Singh s/o Sh. Mohan Singh, care of Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh, New Modern Tailors & Drappers, Bara Pind Road, Goraya. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 266 dated May, 1980 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tilak Ram, s/o Shri Sant Ram,
r/o 17-E, Hakikat Nagar,
Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Maya Devi, widow/o
Late Shri Sunder Dass,
r/o Jwala Nagar,
Saharanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 2027-A/Saharnpur.—Whereas, I, B. C.
CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
As per Schedule
situated at As per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Saharanpur on 17-4-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceed the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pay-
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Shop bearing No. 18-A : 67-A : Nagar Palika
No. 14/1596/67-A measuring 9 Sq. Yards, situated at
Nehru Market, Saharanpur, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 2035-A/Bulandshahr/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Badaku Singh s/o Shri Pooran Singh,
r/o Heerapur,
Parg. Baran,
Distt. Bulandshahr. (Transferor)

(2) Shri Dargah Sharif Saiyed Mansoor Ali Saheb,
Naya Gaon,
through Shri Manjoor Ali Ahmed, s/o
Ali Ahmed, r/o Mauja Shekhan, Navagaon,
Parg. Baran,
Distt. Bulandshahr. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land property, situated at Naya Gaon, Parg. Baran, Distt. Bulandshahr, which was sold for Rs. 13,250/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 289-B/Kanpur.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—
21—406 GI/80

(1) Shri Devi Prasad Dixit, s/o
Shri Ambika Prasad Dixit,
r/o 59/81, Nachghar, Birhana Road,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Dayawanti Jain w/o
Shri Ram Nath Jain, r/o
24/40, Birhana Road,
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 59/81, situated at Nachghar, Birhana Road, Kanpur, which was sold for Rs. 49,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980
Seal :

Form I.T.N.S.-----

(1) Smt. Amrit Kaur W/o Shri Ravindra Singh Narang,
170 Railway Road Rishikesh, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sant Ram Soni S/o Shri Piare Ram Soni r/o
67-Teg Bahadur on Dehradun Rishikesh Road near
Rishi Cinema, Rishikesh, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Obejction, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :--

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 1516-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 7-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House bearing Part of Municipal No. 67, measuring 475 Sq. Ft., situated at Rishikesh, Parwadun near Rishi Cinema, Rishikesh, Dehradun, which was sold for Rs. 14,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 2027-A/Saharnpur.—Whereas, I, B. C.

CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 17-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tilak Ram, s/o Shri Sant Ram,
r/o 17-E, Hakikat Nagar,
Saharanpur,

(Transferor)

- (2) Smt. Maya Devi, widow/o
Late Shri Sunder Dass,
r/o Jwala Nagar,
Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop bearing No. 18-A : 67-A :, Nagar Palika No. 14/1596/67-A measuring 9 Sq. Yards, situated at Nehru Market, Saharanpur, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur. the 3rd November 1980

Ref. No. 2035-A/Bulandshahr/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahr on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Badaku Singh s/o Shri Pooran Singh,
r/o Heerapur,
Parg. Baran,
Distt. Bulandshahr.
(Transferor)

(2) Shri Dargah Sharif Saiyed Mansoor Ali Saheb,
Naya Gaon,
through Shri Manjoor Ali Ahmed, s/o
Ali Ahmed, r/o Mauja Shekhan, Naya Gaon,
Parg. Baran,
Distt. Bulandshahr.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land property, situated at Naya Gaon, Parg. Baran, Distt. Bulandshahr, which was sold for Rs. 13,250/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 289-B/Kanpur.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—
21—406 GI/80

(1) Shri Devi Prasad Dixit, s/o
Shri Ambika Prasad Dixit,
r/o 59/81, Nachghar, Birhana Road,
Kanpur. (Transferor)

(2) Smt. Dayawanti Jain w/o
Shri Ram Nath Jain, r/o
24/40, Birhana Road,
Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 59/81, situated at Nachghar, Birhana Road, Kanpur, which was sold for Rs. 49,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-11-1980
Seal :

Form I.T.N.S.—

(1) Smt. Amrit Kaur W/o Shri Ravindra Singh Narang,
r/o Railway Road Rishikesh, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sant Ram Soni S/o Shri Piare Ram Soni r/o
67-Teg Bahadur on Dehradun Rishikesh Road near
Rishi Cinema, Rishikesh, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Obejection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 1516-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 7-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A House bearing Part of Municipal No. 67, measuring 475 Sq. Ft., situated at Rishikesh Parwadun near Rishi Cinema, Rishikesh, Dehradun, which was sold for Rs. 14,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-10-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1519-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 10-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandra Prakash S/o Sri Kashmiri Lal
R/o 179, Lunia Mohalla, Dehradun. (Transferor)

(2) Shri M. B. Quareshi S/o Late Shri N. U. Quareshi,
r/o 92, Paltan Bazar, Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Residential House with two Shops and godowns, bearing Municipal No. 90/92, present No. 76, situated at Paltan Bazar, Dehradun, which was sold for Rs. 62,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-10-1980
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd October 1980

Ref. No. 1513-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 3-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bishamber Dass Kapoor S/o Shri Sunder Dass Kapoor, R/o 44, Nashville Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Shyama Kapoor W/o Shri S. P. Kapoor, R/o 4/11, Kalkaji Extension New Delhi-110019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House bearing No. 44, Nashville Road, Dehradun, which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-10-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th November 1980

Ref. No. 196-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sardar Begum S/o Dr. Saiyad Jagar Hussain.
(Transferor)
- (2) Shri Hari Krishna S/o Lala Ram Kishore Kesarwani,
R/o 20/102, Lari Park, Ram Narain Bazar,
Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 17/79, measuring 142 Sq. Yards, situated at Nawab Saheb Ka Ahata, Kurswan, Kanpur which was sold for Rs. 27,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 5-11-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th November 1980

Ref. No. 3637-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Deepak Kumar Misra S/o Shri Vinod Kumar Misra r/o 107/296, Bramh Nagar, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Sarju Devi W/o Shri Basant Lal r/o 7/90, Tilak Nagar, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single Storeyed House Property bearing No. 107/296, measuring 160 Sq. yards, situated at Bramh Nagar, Kanpur, which was sold for Rs. 28,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th November 1980

Ref. No. 293-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 18-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Asha Rani Gupta r/o B-92, A. Soorya Marg, Tilak Nagar Jaipur (Transferor)
- (2) Smt. Padma Sharma R/o 129/1/9, Ali Zaheer Market, Kidwai Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 129/L/9, measuring 114 Sq. Yards, situated Ali Zaheer Market, Kidwai Nagar, Kanpur, which was sold for Rs. 95,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamla Atamjit Singh W/o S. Atamjit Singh
r/o 7-A, Mohini Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Sashey Kumar Pahari S/o Shri Anar Bahadur
Pahari r/o Maharaj Ganj, Kathmandu, Nepal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 6th November 1980

Ref. No. 1741-A/Dehradun/80-81.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.AS PER SCHEDULE, situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Dehradun on 8-5-80for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Land bearing No. 7-A, measuring 1015.37 Sq.
Mtrs., situated at Mohini Road, Dalauwala, Dehradun, which
was sold for Rs. 53,916/-.B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, KanpurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-11-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th October 1980

Ref. No. 2025-A/Saharanpur, 79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 9-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
22—406G1/89

- (1) Shri Krishna Chandra Agarwal
s/o Lala Gokal Chandra
r/o Kadim Gram : Bahawari, Distt : Muzaffarnagar.
At Present Address : 4, Officers Flats,
Nirala Nagar, Lucknow.

(Transferor)

- (2) Shri Vijai Kumar S/o Shri Sardari Lal
R/o Mohalla : Madhonagar, Saharanpur.
No. 6/1234.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property (Single Story) bearing No. 6/1234, measuring 373, 1/3 Sq. Yards, which was constructed on plot No. 4, situated in Mohalla : Madhonagar, Saharanpur, which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-10-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 2014-A/Hardwar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 9-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shankar Dass Aneja S/o Late Shri Amirchand R/o Om, Post : Masani, Distt : Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Devi D/o Shri Bishambhar Dayal R/o 2/10, Dava Basti, Railway Colony, Delhi, through Mahant Jagdish Anand R/o Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Land Property measuring 1050 Sq. ft., situated at Niranjani Akhara, Hardwar, which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 2098-A/Hardwar/80-81.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 17-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Panchayati Akhara Maha Tiwari, Kankhaldwar, Mahant Gidhar Narain Puri, Secretary, Same Akhara, Shishya Shri Kapilmuniji Maharaj r/o Same Akhara, Kankhal, Parg : Jwalapur, Hardwar, Dist : Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Swami Niranjan Nandji, Shishya Shri Swami Chandra Shekharji R/o Sanyas Ashram Talab Baharia, Kapoorthala Road, Jalndhar City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Land Property measuring 7822.6 Sq. Fts., situated at Shekhupura alias Kankhal, Parg : Jwalapur near Atal Akhara, Hardwar, which was sold for Rs. 39112.50.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th October 1980

Ref. No. 1515-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 7-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amrit Kaur W/o Shri Ravindra Singh Narang, R/o Railway Station Road, Rishikesh, Dehradun. (Transferor)
- (2) Smt. Khel Kaur W/o Shri Paras Ram R/o 6/141, Subhash Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property with Store bearing Municipal No. 67, measuring 874 Sq. Ft. situated at Rishikesh, Dehradun, which was sold for Rs. 23,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-10-1980

Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th November 1980

Ref. No. 1733-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C.
CHATURVEDIbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun on 20-5-80for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Colonel Sardar Shaveg Singh
S/o S. Bhagwan Singh
r/o Vill : Khyala Khurd, Distt : Amritsar,
Present Address Subhashnagar,
Parg : Kendriyadun, Distt : Dehradun.
(Transferor)
- (2) Shri Vidya Sagar Juneja, Supt. Engineer
S/o Shri Sukha Singh Juneja, members of Hindu
Undivided Family and other purchasers
Shri Virendra Juneja, Smt. Durga Devi
W/o Shri Sukha Singh Juneja
r/o Tiiveni Engineering Works Ltd., Khatauli,
Distt : Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in question is a Single Storied House with open Land
area of 25 Acres bearing Plot No. 12 & 13 or Khasra No. 710,
715, 716 & 744 situated at Vill: Bharuwala Grant Mausooma,
Subhashnagar, Pargana : Kendriyadun, Distt : Dehradun,
which was sold for Rs. 48,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 1728-A/Dehradun/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 23-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. N. Banerji, A. N. Banerji,
S/o Dr. N. D. Banerji both
R/o C/o A. N. Banerji,
248, Greater Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Nanda Dutt S/o Sri Kula Nand
R/o 28, Kalidas Road, Dehradun.
(DEHRADUN). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of House Property bearing No. 20, situated at E.C. Road, Dehradun which was sold for Rs. 41,296/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 1727-A/Dehradun/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 23-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) of the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri S. N. Banerji, A. N. Banerji S/o Dr. N. D. Banerji both R/o C/o A. N. Banerji, 248, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Revti Nandan Sharma, s/o Sri Mangat Ram R/o 321, Chukhuwala, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of House property bearing No. 20, situated at F.C. Road, Dehradun, which was sold for Rs. 40,318/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-11-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) S/Shri Kashmir Singh & Darshan Lal S/o Mohar Singh R/o 1047, Punjabi Colony, Kasba; Shamli, Teh : Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Rani W/o Shri Mohal Lal R/o H. No. 250, Gali No. 22, Mohalla; Gandhi Colony, Muzaffarnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 10th November 1980

Ref. No. 2051-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 11-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 376, situated at Gandhi Colony (North), Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 47,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 220-B/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—406GI/80

(1) Shri Satya Prakash Gupta R/o 9, Log Building, Rohtak Road, New Delhi-5, Self, Bahaisiat, Mukhtar-Aam Smt. Asha Gupta, R/o 9, Log Building, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Shri P. C. Badhawa S/o Shri H. C. Badhwa R/o K. J. 121, Kavinagar, Colony, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot of Land measuring 813.33 Sq. Yards, bearing No. R-6/19, situated at Raj Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 26,839.89.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Anil Kumari Yadav W/o Sri Ram Chand Singh Yadav, r/o A/I. Lowers Colony, Bypass Road, Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Ashok Mahajan, Ajai Mahajan and Sanjay Mahajan S/o Shri Keshoram Mahajan R/o 6/290-A Ram Wala Ghara, Balan Ganj, Agra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. TR No. 1121/Acq/Agra/78-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 23-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

An Open Plot of Land Khasra No. 787/1 and 788/1, measuring 10 Biswansi and 10 Biswa, situated at Mauja; Mau. Parg. & Distt. : Agra, which was sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sushila Rani W/o Shri Ratan Singh R/o Jaipur. Distt; Jaipur (Rajasthan).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Goel W/o Mohan Lal, Ashok Kumar Goel, S/o Lala Radhey Krishna R/o 77, Nayabans, Akbari Road, Muzaffarnagar.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 2056-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 9-6-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing Nagarpalika, No. 60, situated at Mauja or Mohalla : Gadarian (Bhagat Singh Road), Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-12-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 2068-A/Saharanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Roorkee on 24-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishna Kumar S/o Late Shri Babu Kishan Swaroop Vaishya Agarwal R/o Civil Line Roorkee, Parg. & Teh : Roorkee, Distt : Saharanpur.
(Transferor)

(2) Smt. Saroop Devi Widow of Lala Sita Ram, Janeshwar Dass and Basheshwar Dass S/o Lala Sita Ram R/o Pattharwali Gali, Kasba; Roorkee, Parg. & Teh: Roorkee, Distt: Saharanpur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing House tax Nagarpalika No. 14, measuring 693 Sq. Ft., situated at Raj Putan Roorkee, Parg. & Teh: Roorkee, Distt: Saharanpur which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. B. Raturi S/o Shri Narendra Kumar Shah
r/o 5 Bhagwan Dass Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Sumitra Devi W/o Sri Harbans Lal, Anil
Kumar, Devendra Kumar S/o Shri Harbans Lal
R/o Ganga Talkies, Hardwar, Distt: Saharanpur.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 3051-A/Hardwar/80-81.—Whereas, I.

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hardwar on 3-5-80for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceed the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expires later,(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Office Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property situated at Bara Bazar, Hardwar, Distt
Saharanpur, which was sold for Rs. 90,000/-.B. C. CHATURVEDI
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, KanpurDate : 21-11-1980
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 2085-A/Mussoorie/80-81.—Whereas, 1. B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mussoorie on 15-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Commission of Ecumenical Mission and Relations of the United Presbyterian Church in the United States of America, through General Attorney Mr. Robert Copley Alter, r/o, Birbal Road, Jangpura Extension, New Delhi-110014.
(Transferor)

(2) Air Vice Marshal P. C. Santra and Mrs. Pritha Santra W/o Air Vice Marshall P. C. Santra, R/o Hamilton House, Landour Cantt., Mussoorie.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property known as "Hamilton House" and "Shanty Estate", situated at Landour Cantt. Mussoorie, which was sold for Rs. 34,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date : 21-11-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

(1) S/Shri Rao Bahadur Ugrasen S/o Laxmi Rai
Jain r/o 15, Dispensary Road, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Kewal Kumar Vohra S/o Khem Chand
Vohra R/o 5/1, Lytton Road, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st. November 1980

Ret. No. 1734-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Dehradun on 20-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 15, situated at Dispensary
Road, Dehradun, which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 21-11-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jamuna Prasad Dube S/o Shri Jagannath Prasad Dube, r/o 253, Faithfull Ganj, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sheela Mehrotra W/o Shri Anand Bardhan Mehrotra, r/o 113/35, Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 4th Decemeber 1980

Ref. No. 184-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 7-4-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 3/141, situated at Vishnupuri, Kanpur, which was sold for Rs 98,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4.12.1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagdish Krishna Chopra S/o Diwan B. D. Chopra
r/o 120/255, Lajpat Nagar, Kanpur, Present Address 60/7, Urban Estate, Gurgaon, (Haryana).
(Transferor)

(2) Smt. Mohani Gulati W/o Shri Sudarshan Kumar
Gulati, r/o 120/255, Narainpurwa, Kanpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th Decemeber 1980

Ref. No. 195-B/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Kanpur on 7.4.1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—406GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 120/255, measuring 311 Sq. Yards, situated at Narainpurwa, Kanpur, which was sold for Rs 110,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4.12.1980.
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3033-A/Mussoorie/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule, (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22.5.80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Podar Sons Limited, Podar Chambers S.A. Brelvi Road, Bombay-400001.

(Transferor)

- (2) K & M Industrial Finance & Trading Co. Private Limited Podar Chambers, 5th floor, S. A. Brelvi Road, Bombay-400001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single Storied House with a block of Sqs., measuring 680 Sq. Yds. situated between The Mall & Camel Back Road, Mussoorie, which was sold for Rs. 105,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Krishna Agarwal S/o Shri Brij Kishore Agarwal r/o 48/76, General Ganj, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Amar Nath Seth S/o Sri Ram Nath Seth r/o 15/82, Civil Lines, Kanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th Decemeber 1980

Ref. No. 3638-A/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19.5.80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Urban Property (Plot) bearing No. 6/25, measuring 500 Sq. Yds, situated at Parvati Bagla Road, which was sold for Rs. 22,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4.12.1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3116-A/Kairana/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 22.5.80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Om Prakash S/o Sri Hirderam, Kapoor Chand S/o Sri Aman Singh Agarwal r/o Kasba : Kairana, Mohalla : Chah-Jodwa, Parg : & Teh : Kairana, Distt : Muzaffarnagar.

(Transferee)

- (2) S/Shri Gurcharan Singh, Sada Singh, Harbhajan Singh s/o Sri Labh Singh and Issar Singh S/o Shri Laddha Singh r/o Vill : Thirwa Majara, Post : Jalmana, Distt : Karnal (Haryana).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring total area 26-9-10 acres bearing Khasra No. 8628, 8629, 8649, 8650 and 8655 (in five Portion), situated at Kairana, Parg : & Teh : Kairana Distt : Muzaffarnagar which was sold for Rs. 106,000-.

B. C. CHATURVEDI,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2.12.1980
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kallo w/o Chander Singh
r/o Kothi Gate, Hapur, Distt : Khaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Rajeshwar Dayal and Sushil Kumar (Nabalig)
Guardian and s/o Shyam Lal, Shanti Lal s/o Lakkhi
Singh r/o Kothi Gate Khurja, Distt : Bulandshahar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. N. 3023-A/Khurja/80-81.—Whereas, I, B. C. CHA-
TURVEDI,**being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.****As PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Khurja on 6-5-80****for an apparent consideration, which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Khurja Bhandar Chungi,
Distt : Bulandshahar, which was sold for Rs. 61,200/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3015-A/Roorkee/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Roorkee on 15-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Harbans s/o Risal r/o Village : Jhabredi Kala, Parg : Manglore, Teh : Roorkee, Distt : Saharanpur. (Transferor)
- (2) Mahendra, Rama Nand and Chaterpal s/o Barva, Jaipal and Inderpal s/o Sukkhan, Satya Pal and Vijendra, Vinod, Vilam and Balistar s/o Mukhran, Dujja S/o Sukkad all r/o Woodpur, Parg : Manglore, Teh : & Distt : Saharanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 15 Bigha, 11 Biswa and 15 Biswansi, situated at Village : Jhabredi Kala, Parg : Manglore, Teh : Roorkee, Distt : Saharanpur, which was sold for Rs. 38,579/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3044-A/Nakur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna Devi W/o Lala Beni Prasad Agarwal
r/o Mohalla : Miran Khalapur, Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Nazma Begum W/o Miyan Khan
r/o Mohalla : Palkhan Tala, Saharanpur, Smt. Jarina Begum w/o Hazi Shafiq Ahmed
r/o Mohalla : Chamber Bardaran, Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 15-14-15 acres, situated at Village : Mauja : Budda Khera, Parg : Sultanpur, Teh : Nakur, iDst : Saharanpur, which was sold for Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 2093-A/Saharanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 15-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Altafurrahman S/o Hafiz Abdul Kayum
r/o Mohalla : Kutab Sher, Saharanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Hazi Basheer Ahmed s/o Sri Dildar Ahmed,
Sarfaraz Ahmed s/o Hazi Basheer Ahmed
r/o G.T. Road, Kasba : Sikandarabad,
Distt : Bulandshahar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 14/210, situated at Kutab Sher, Distt : Saharanpur, which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Manmohan Saxena S/o Sri Sharda Prasad
Saxena r/o 7/105, 'C', Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri R. S. Chaudhari S/o Sri M. L. Chaudhari r/o
112/367-A, Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 5th December 1980

Ref. No. 287-B/Kanpur[80-81.—Whereas, I, B. C.
CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 21-4-80
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely :—

25406—GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 113/53, measuring 800 Sq.
Yards, situated at Swaroop Nagar, Kanpur, which was sold
for Rs. 179,052.50.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 5-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 27th November 1980

Ref. No. 217-B/Ghaziabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijai Kumar Agarwal S/o Sri Kanti Prasad Agarwal 170 3rd-C-62, Nehru Nagar, Ghaziabad, (Transferor)
- (2) Shri Mahip Narain and Sri Ashok Narain S/o Sri Narain Dutt R/o 87-A, Gautam Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. C-22, measuring 485.42 Sq. Metres, situated at Lohia Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 48,542/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 27-11-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Natthi Lal S/o Bishunlal and Smt. Sharda
Devi W/o Dalbir Singh
R/o Sukhmalpur Nizamabad, Firozabad, Distt : Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Janta Grih Nirman Samiti Ltd., Firozabad through
Shri Hem Chandra S/o Lala Rameshwar Dayal
R/o Jalesar Road, Firozabad, Distt. Agra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. TR No. 1127/Firozabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Firozabad on 20-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Land Property bearing Gate No. 373, measuring 2 Bigha 10 Biswa, Gata No. 375, measuring 6 Bigha 6 Biswa and Gata No. 400, measuring 3 Bigha 8 Biswa, situated at Mauja : Sukhmalpur Nizamabad, Firozabad, Distt : Agra, which was sold for Rs. 3,50,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur

Date : 21-11-1980
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Prakash Chandra S/o Sri Ram Lal
r/o Mohalla : Kujjat, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pirthi Singh s/o Sri Harnam Singh
r/o Moha : Missar-Murar, Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 2094-A/PN/Saharanpur/79-80.—Whereas I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Dehradun on 17-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 10/3970, situated at
Mohalla : Kujjat, Saharanpur, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 21-11-1980
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 1736-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 13-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surinder Kaur Juneja W/o Late Shri K.B.S. Juneja Self and guardian of 4 Minor daughters r/o 139-L, Model Town, Hoshiarpur & Smt. Nihal Kaur w/o Shri Dalip Singh Juneja r/o 114, Govind Nagar, Dehradun.

(Transferor)

- (2) Smt. Kaushalya Devi W/o Shri Gian Chand r/o 46, Race Course, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 114 (Old No. 11-D), measuring 0.352 Bigha situated at Govind Nagar, Dehradun, which was sold for Rs. 38,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 21-11-1980
Seal:

FORM I.T.N.S.———

- (1) Shri Surendra Singh s/o Sri Ram Chandra and Mohan Lal r/o Udaiyawali Parg : Gordhan, Teh : & Distt : Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE.

KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3038-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 17-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Mam Chand s/o Sri Bhagirath Singh and Smt. Sharbati Devi W/o Sri Mam Chand, Sri Raj Kumar s/o Sri Mam Chand and Smt. Madhu Bala W/o Sri Raj Kumar r/o Chowk Bazar, Jagadhari, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 1/2 part of 25/1, 49/92/111 situated at Udai-Wali, Parg : Gordhanpur, Distt. Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 31,387/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3041-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 30-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Atar Hussain s/o Dulla
r/o Tigari, Post : Khas, Teh : & Distt : Muzaffarnagar.
(Transferor)

(2) Shri Niranjan Singh, Ram Sharan, Jagpal Singh & Ombir Singh s/o Sri Narhar Singh r/o Tigari, Post : Khas Parg : & Teh : & Distt : Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land No. 424, measuring 9-17-10, situated at Village : Tigari, Post : Khas, Parg : Teh : & Distt : Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal:

FORM ITN.S.—

(1) Shri Baboo Ram S/o Kundan r/o Kasba : Aurangabad, Parg : Baran, Distt : Bulandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3013-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 19-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Chameli w/o Shri Mukandi and Smt. Har Pyari w/o Sri Ram Ratan r/o Kasba : Aurangabad, Parg : Baran, Distt : Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 4-15-8 situated at Kasba : Aurangabad, Parg : Baran, Distt : Bulandshahar, which was sold for Rs. 73,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.Date : 2-12-1980
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1980

Ref. No. 3028-A/Saharanpur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 22-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

26—406 GI/80

- (1) Smt. Bishan Devi W/o Sri Chaman Lal
R/o Roorkee, Distt. Saharanpur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Gurdeep Singh, Ranbir Singh and Surendra Singh S/o Shri Daya Ram Singh, Mahendra Kaur, D/o Kripal Singh
R/o Gajjala, Teh. Thanesar Distt. Kurukshetra, (Haryana).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Sijhalki Gujar, Parg., Haroda, Distt. Saharanpur, which was sold for Rs. 92,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur.

Date : 2-12-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Jawahar Singh S/o Sh. Chandgi
R/o Vill. Samalka New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. STATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-80/151.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th share in agr. land 17 bigha 17 biswas in village Samalka, Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) T. I. Patterson (India) P. Ltd.
J-162, Rajouri Garden New Delhi through its
Director D. D. Dhawan, S/o Harnam Dass.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agrl. land area 17 bigha 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8 (1-6), 12 (4-16), 13 (4-16), 14 (4-16), 15/2 (2-3) situated at village Samalka New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/123.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-340, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 26-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hanbans Rai Sahi S/o Mulkh Raj Sahi, 101, Summon Bazar Bhogal New Delhi.
(2) Smt. Raman Anand W/o Ashok Anand, D-289, Defence Colony New Delhi (2) Smt. Parvesh Vohra W/o S. B. Vohra, nIA/62, W.P.A. Karol Bagh New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 340 Block S, measuring 204 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash I New Delhi situate at village Yaqutpur Delhi State, Delhi Bounded as under:—

East	Plot No. S-342
West	Plot No. S-338
North	S. Lane
South	Road

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK

VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/S-III/4-80/156.—Whereas I, R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. H-8, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Suresh Chand H-7, Hauz Khas Enclave New Delhi-16.

(Transferor)

(2) M/s Premier Apartments Pvt Ltd., 1205, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed residential house built on a freehold residential plot of land bearing No. 8, Block No. H measuring 504.2 sq. yds. i.e. 421.62 sq. mts. situated in the residential colony known as Hauz Khas Enclave New Delhi bounded as under :—

East	House No. H-9
West	Road
North	Road
South	House No. H-7A

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM LT.N.S. _____

(1) Shri Ujagar Singh S/o Puran Singh
65/66, Rohtak Road New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Poddar Construction Co. Pvt. Ltd.
F-3, Kailash Colony New Delhi-48.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002
New Delhi, the 10th December 1980Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/124.—Whereas, I,
R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S-83, situated at Greater Kailash II New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 26-4-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. S-83, Greater Kailash II measuring 300 sq.
yds. New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, J. P. STATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/68.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. S-384, situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ravi Kiran Malhotra S/o Madan Lal Malhotra,
21 Bentick Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Lt. Col. Kanwaljit Singh (Retd) S/o S. Harbans Singh D-360, Defence Colony, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE**THE SCHEDULE**

Piece and parcel of land bearing Plot No. 384 Block S, measuring 297 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash Part II New Delhi bounded as under :—

East	Service Lane
West	Road
North	Plot No. S-380
South	Plot No. S-386

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi
New Delhi.

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. STATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/28.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-34 (1/2 Share) situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 3-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Navcen Kumar Bhatia W-41, Greater Kailash I New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur, Guru Nanak Bhawan, Shah Lane, Muzzaffarpur (Bihar)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Half share of plot No. 34 Block M measuring 195 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash II New Delhi bounded as under :—

East	Road
West	Road
South	Plot No. M-35
North	Plot No. M-33

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Raj Kumari Bhatia W-41, Greater Kailash I
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Paramjit Singh, Guru Nanak Bhawan Raju
Shah Lane Muzaffarpur Bihar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK
VIKAS BHAVAN, I. P. STATE, NEW DELHI-110002(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

New Delhi, the 10th December 1980

(b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/29.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/2 share of plot No. M-34 situated at Greater Kailash
II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 3-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

THE SCHEDULE

Half share of plot No. M-34, Greater Kailash II New
Delhi measuring 195 sq. yds. bounded as under :—
East Road
West Road
North House No. M-33
South House No. M-35

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/115.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 23-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—406GI/80

(1) Basanti W/o Muni Ram for self and GA of Shri Chand S/o Muni Ram, Smt. Shanti D/o Muni Ram, Tej Ram, Khazan S/o Ram Persad, Hardei Wd/o Dharam Singh, Ram Lal Harkesh s/o Dharam Singh, Sis Ram S/o Shankar All R/o Village Jonapur New Delhi.

(Transferor)

(2) Ficher Tractors India Ltd., 212, Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi through its Secretary & GA Shri N. S. Srinivasan S/o (late) Sh. N. K. Sundaresa Iyer R/o W-57A, Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 4 bigha 16 biswas Khasra No. 16/1 situated in village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Arjun Range-I, Vikas Bhavan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi,

Date : 10.12.80.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/114.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 4 bighas 16 biswas situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Basanti W/o Muni Ram, for self and G.A. of Shri Chand S/o Muni Ram R/o Village Jonapur, New Delhi (2) Smt. Shanti D/o Muni Ram, Tej Ram, Khajan sons of Ram Persad, Hardei wd/o Dharam Singh, Ram Lal, Harkesh ss/o Dharam Singh, Sis Ram S/o Shankar all R/o Vill. Jonapur, New Delhi. (Transferees)

- (2) Eicher Tractors India Ltd., 212 Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi through its secretary & GA Shri N. S. Srinivasan S/o (late) Shri N. K. Sunderesa Iyer R/o W-57A, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bigha 16 biswas Khasra No. 15/5 situated in village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Vikas Bhavan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi.

Date : 10.12.80.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/113.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at Vill. Jonapur, New Delhi, (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-3-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raje Ram, Jage Ram, Harnam, Bhagmal Rang Lal sons of Khubi, Har Pyari, Auguri ds/o Khubi r/o village Jonapur, New Delhi.

(Transferors)

- (2) Eicher Tractors India Ltd., 212 Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi through its secretary & GA Shri N. S. Srinivasan S/o (late) Shri N. K. Sunderesa Iyer R/o W-57A, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 4 bigha 16 biswas M. No. 15, Killa No. 6, Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Arjun Range-I, Vikas Bhavan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi.

Date : 10.12.80.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/112.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5 bigha 10 biswas (Agrl. land) situated at Village Jonapur, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-4-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajc Ram, Jage Ram, Harnam, Bhagmal Rang Lal sons of Khubi, Har Pyari, Anguri ds/o Khubi r/o village Jonapur New Delhi,
(Transferor)

- (2) Eicher Tractors India Ltd., 212 Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi through its secretary & GA. Shri N. S. Srinivasan S/o (late) Shri N. K. Sunderesa Iyer R/o W-57A, Greater Kailash Part-I, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 5 bigha 10 biswas M. No. 15 Killa No. 15 (4—16), M. No. 16 Killa No. 11/2 (O—14) situated in village Jonapur New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Vikas Bhavan, H. Block,
Indraprastha Estate, New Delhi.

Date : 10.12.80.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/45.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Agrl. land 6 bighas 19½ biswas situated at Village Gadaipur
Tehsil Mehrauli New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
New Delhi on 7-4-80
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar Kakkar
S/o Darghai Dass Kakkar
R/o 81/41, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s Lakhmi Chand Ram Parkash,
560 Gandhi Cloth Market, Chandni Chowk Delhi
Through partners Svs. Ram Parkash, Madan Lal,
Harbhajan Lal, Satish Kumar and Vinod Kumar.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 6 bigha and 19½ biswas khasra No. 208
min (2-8) 232 min (2-8), 233 min (0-4) 233 min (1-15½),
270 (0-4) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Vikas Bhavan, H. Block,
Inderprastha Estate, New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. 1AC/Acq-1/SR-III/4-80/41.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 6 bigha 19½ biswas situated at village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prithi Lal Bhasin
S/o Manak Chand
R/o G-77, Masjid Moth, Greater Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Lakhmi Chand Ram Parkash,
560, Gandhi Cloth Market, Chandni Chowk, Delhi
through partner, Ram Parkash, Madan Lal, Har-
bhajan Lal and Satish Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 6 bigha and 19½ biswas khasra No. 208 min (2-8), 232 min (2-8), 233 min (0-4), 233 min (1-15½), 270 min (0-4), village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/44.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 7 bigha 4 biswas situated at Village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ashok Kumar Kakkar S/o Dargahi
Dass R/o 81/41, West Punjabi Bagh New Delhi.
(Transferor)
- (2) East India Apparels C-1/51,
Safdarjang Development Area New Delhi
through partners Surinder Sahni, Jagdish Soni,
C. L. Bhasin and Chander Bhan.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 7 bighas and 4 biswas khasra Nos. 206 (2-8), 207(2-8) 234/1(1-4), 234/2(0-6), 234/3(0-18) village Gadaipur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/40.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land 7 bigha 4 biswas situated at Vill. Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prithvi Lal Bhasin S/o Manak Chand
R/o G-77, Masjid Moth, Greater Kailash New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s East India Apparels
C-1/52, Safdarjang Development Area New Delhi
through partners Surinder Sahni, Jagdish Soni,
C. L. Bhasin & Chander Bhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land area 7 bigha 4 biswas Khasra Nos. 206(2-8), 234/1(1-4), 234/2(0-6), 234(0-18) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kumari Sachdeva W/o Sham Lal Sachdeva
R/o M-10, Lajpat Nagar II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

(2) Simplicity Engineers (P) Ltd., B-99, Mayapuri
Phase I, New Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/65.—Whereas, I,
R. B. AGGARWAL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land mg. 21 bigha 17 biswas situated at Village Neb
Sarai Tehsil I Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 10-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceed the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for which transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

28—406 GI/80

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 444, 445, 446, 447, 421
total 21 bighas 17 biswas in village Satbari Tehsil Mehrauli
New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I

Delhi/ New Delhi

Date : 10-12-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jage Ram (2) Thane S/o Shri Ami Lal,
R/o Village Neb Sarai New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/69.—Whereas, I,
R. B. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing.

No. 14 bigha 10 biswas (Agrl. land) situated at village Neb
Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 11-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (2) Shri Rishal Singh S/o Shri Sher Singh, Smt. Krishna
Smt. Gahlawat W/ Shri Balwan Singh Gahlawat each
residing at house No. 537 DLF Colony, Rohtak,
Smt. Ram Dalal W/o Col. K. L. Dalal, Km. Shann
Dalal D/o Col. K. S. Dalal, Flat No. 505; Block
No. 15, Sardar Patel Marg, New Delhi, Shri
Mohan Singh S/o Shri Balwant Singh,
R/o E-222, East of Kailash, Ajay Kumar Jain
S/o Vijay Chand Jain,
R/o 2702, Chhatra Pratap Singh, Kinari Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 bighas 10 biswas bearing
Khasra No. 283(5-4), 293(4-16), 296(4-10) situated at Neb
Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-12-80
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/122.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land 16 bigha 12 biswas situated at Village Satbari Tehsil Mehrauli New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 24-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri. Satya Deva Shourie S/o Prof. K. L. Gautama R/o 2/5, West Patel Road, New Delhi-8, as Karta (HUF) S. D. Shourie (Transferor)
(2) M/s. Perfect Power System, 25/1, Asaf Ali Rd, New Delhi-2, through its sold prop. Mrs. Kiran Mohan Asaf Ali Road, New Delhi-2, through its sold prop. Mrs. Kiran Mohan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Satbari Village Tehsil Mehrauli, New Delhi Khasra Nos. 525/2(3-10), 526/2(3-10), 527(4-16), 528(4-16) totalling 16 bigha 12 biswas with temporary Chowkidar room and tubewell.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/146.—Whereas, I,
R. B. AGGARWAL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
1/6th share in agri. land mg. 17 bigha 17 biswas in village
Samlaka Teh. Mehrauli New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 19-4-80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Ram Krishan, Nand Kishore & Harkesh S/o
Agri. R/o Village Samlaka Tehsil Mehrauli, New
Delhi.

(Transferors)

- (2) M/s T. E. Pattersons (India), P. Ltd., J-162,
Rajouri Garden New Delhi through its Director Sh.
D. D. Dhawan S/o Harnam Dass.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agri. land area 17 bighas and 17 biswas,
M. No. 2, Killa No. 8 (1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16),
15/2(2-3) situated in village Samlaka Tehsil Mehrauli New
Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAWAN
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002
New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/147/—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. No. 1/6th share in agri. land mg. 17 bigha 17 biswas situated at in Vill. Samlaka, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Chandgi R/o Vill. Samlaka, Teh. Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. T. E. Patterson (India) P. Ltd., J-162, Rajouri Garden, New Delhi through its Director Shri D. D. Dhawan S/o Harnam Dass.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

/6th share in agri. land area 17 bigha 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) situated in village Samalaka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-12-80
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Dharam Singh S/o Shri Bhoria R/o Vill. Samalka Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. T. E. Patterson (India) P. Ltd., J-162, Rajouri Garden, New Delhi through its Director Sh. D. D. Dhawan son of Harnam Dass.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAWAN
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/148.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th share in agri. land area 17 bigha 17 biswas and situated in Vill. Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agri. land area 17 bigha 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) situated at village Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-12-80

Seal :

Form I.T.N.S.———

(1) Shri Charan Singh S/o Ram Singh R/o Vill. Samalka
Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. T. E. Petterson (India) P. Ltd. J-162, Rajouri
Garden, New Delhi through its Director Sh.
D. D. Dhawan S/o Harnam Dass.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAVAN
I. P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/149.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/6th share in agri. land area situated at 17 bigha 17 biswas, in village Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agri. land area 17 bigha 17 biswas. M. No. 2, Killa No. 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) in village Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-12-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAWAN
I. P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-LLL/4-80/150/.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th share in agri. land area 17 bigha 17 biswas and situated in Vill. Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Mehar, Om Prakash, Lachhman Singh Braham Parkash sons of Bhondu R/o Vill. Samalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. T. E. Patterson (India) P. Ltd., J-162 Rajouri Garden, New Delhi through its Director Sh. D. D. Dhawan S/o Harnam Dass.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in agri. land area 17 bigha 17 biswas, M. No. 2, Killa No. 8(1-6), 12(4-16), 13(4-16), 14(4-16), 15/2 (2-3) in village Smalka, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 10-12-80

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, J.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/11.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-37, situated at Defence Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—406GI/80

- (1) Shri D. D. Suri Karta (HUF),
C-38, Defence Colony New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Surpat Singh Sethia, Lakhpat Mal Sethia and
Narpat Mal Sethia
All r/o C-37, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-37, Defence Colony New Delhi-110024.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) DLF Builders, 21-22, Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Satinder Kaur & S. Satbir Singh
E-150, East of Kailash New Delhi-24.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/126.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 12 (Ground Floor) situated at Commercial Complex, Greater Kailash II, New Delhi-48

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-4-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 (Ground Floor) Commercial Complex,
Greater Kailash Part II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
II-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/105.—Whereas J. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5 (1/2 share) situated at Savitri Cinema Complex Greater Kailash II New Delhi (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohini Seth
J-8/127, Rajouri Garden,
New Delhi-27.

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Kanta Devi,
E-287, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of shop No. 5, Savitri Cinema Complex, Greater Kailash, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rani Rajinder Kaur W/o S. Avtar Singh
R/o E-552, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/165.—Whereas I, R. B.
L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Flat No. 80 situated at Bhagat Singh Market New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 29-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(2) M/s. Berry Art India,
80-Bhagat Singh Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 80, situated at Bhagat Singh Market, Shaheed
Bhagat Singh Marg, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dharam Yash Dev S/o late Khan Chand Dev
R/o A-32, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

II-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/125.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. A-32, situated at Nizamuddin East, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 28-4-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(2) Shri oMud. Anis S/o Salamat Jan Khan,
126, Katra Gokal Shan, Jama Masjid Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. A-32, Nizamuddin East, New Delhi
measuring 200 sq. yds. bounded as under :—

East—Service Lane
West—Road
North—House No. A-33
South—Service Lane.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/4-80/3309.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-149, situated at Greater Kailash I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. R. C. Sood & Co. (Pvt. Ltd.,
Eros Cinema Building Jangpura Extn, New Delhi
through their Managing Director Shri R. C. Sood.
(Transferor)

(2) Shri Lt. Col. Shanti Sarup Duggal,
son of Diwan Ram Duggal,
Army Dental Corps, Flat No. 6/412, Services Officers Enclave, Sardar Patel Marg, New Delhi and
Mrs. Indu Duggal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing Plot No. B-149, measuring 665 sq. yds. situated at Greater Kailash Part I New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/86.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg. 47 bigha 15 biswas situated at Village Satbari Tehsil Mehrauli/New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 14-4-80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mir Singh & Co.,
R/o Vill. Satbari Delhi.

(Transferor)

- (2) Ansal Housing & Estates (P.) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 bighas 15 biswas situated in Village Satbari comprised in Khasra No. 662/2 (3-14), 663/2 (3-14), 664(4-16), 665(4-16), 666(4-16), 667(4-16), 668/2(2-0), 669(4-16), 670(4-16), 797(4-16) and 798(4-15).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6397.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI** being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. D-5/5, situated at R. P. Bagh, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Shri Ram Saran Dass, Hans Raj & Harbans Lal S/o Sh. Late Fateh Chand
R/o D-5/5, R. P. Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paras Ram S/o Sh. Bhoj Raj
R/o B-12, R. P. Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-5/, R. P. Bagh, Delhi measuring 233-1/2 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/4-80/3359.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1 (3-18) & 4(4-16) situated at Vill. Masudabad (Najafgarh), New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

30—406GI/80

- (1) Smt. Ram Rati w/o Shri Roop Chand,
r/o Village Bhasrawli, Tehsil Ballabgarh,
Distt. Faridabad (Haryana).

(Transferor)

- (2) Shri Cpt. Rajiv Bahl, son of Shri Inder Paul Bahl,
9A, Shri Ram Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bighas 14 biswas situated at village Masudabad (Najafgarh), New Delhi comprising Khasra No. 1/1 (3-18) & 4(4-16).

BALJEET MATIYANI,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/4-80/3222.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI** being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 53-B, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Singh & Sh. Charan Dass Ss/o
Sh. Hazari Mal R/o 83, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal s/o Sh. Dhirt Ram
R/o W-124, Greater Kailash, Part-I,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 2 along with front open & open space, out property No. 2 Road No. 53-B, Punjabi Bagh, area of Madipur Delhi State measuring about 133 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/4-80/6450.—Whereas I.
BALJEET MATIYANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 Block A situated at G.T. Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) (1) Smt. Indra Gupta w/o Sh. Rakesh Kumar
(3) Archala Aggarwal w/o Sudarshan Kumar
(3) Adarsh Aggarwal w/o Inderjit
R/o B-1, M.G. Road, Adarsh Nagar,
Delhi-33.

(Transferor)

- (2) Dr. Miss Sobhagya Gupta D/o Nand Lal Gupta
R/o 11/3, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Block A measuring 395.5/6 sq. yds. situated at G.T. Road, Adarsh Nagar, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 32E/16 situated at Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishan Lal S/o Shri Amar Chand
R/o 8281, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Jitender Nath Puri
S/o Sh. Ram Asra Puri & Smt. Indu Poli
w/o Sh. Krishan Raj Popli
R/o 15-A/1, E. Patel Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 32E/16, Patel Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds. in area.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6489.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2277, situated at Gali Paharwali, Darampura, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 23rd April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem Narayan, s/o Sh. Lakshman Swarup, R/o 544, Kuchabulaki Begam, Daribakalam, Delhi-6

(Transferee)

- (2) Smt. Lujjawati, w/o Sh. Hargovind, R/o 274, Gali Kunjadewali, Daribakalam, Delhi-6.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed building measuring 103 1/2 sq. yds (old No. 830) present No. 2277, Vakya Gali Pahadwali, Dharampura, Delhi-6, Haqa No. 5.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS————

(1) Shri Lachhmi Narain R/o Village Palam, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Basabi Moitra W/o M. K. Moitra R/o CA/10A, DDA Flat Munirka, Delhi.

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC Acq. II/SR./II/4-80/3288.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 79/15 situated at Vill. Palam, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 Bighas Khasra No. 79/15, situated at Village Palam, New Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Rajender Prashad S/o Sh. Visheshat Lal of F-23, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Prem Nath S/o Sh. Kundan Lal of WS-25, Mava-puri, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/4-80/3309.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-79, situated at Harinagar, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi.
on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. G-79, in Block 'G' measuring 200 sq. yds situated at Block 'G', Harinagar, New Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM NO. IT.N.S. -----

(1) Shri Mohan Singh S/o Sh. Raghbir Singh R/o
Najafgarh Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Satish Kumar S/o Bhagwati Pershad R/o Vill.
Hanirpur U.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 23rd December 1980

Ref. No. IAC Acq. II, SR-II/4-80/3341.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 bighas situated at Vill. Masudabad Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 22 bighas situated at Vill. Masudabad Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1980
Seal :

FORM ITNS(1) Rati Ram S/o Sh. Mohar Singh R/o Vill. Sahipur
Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Jhutter Singh S/o Ch. Daulat Ram R/o Vill.
Munirka New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II****'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,**

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR.II/4-80/3317.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 bighas 10 biswas situated at Vill. Jut Khore Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—406GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 bighas 10 biswas situated at Vill. Jut Khore Delhi State.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 20-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Sahni Enterprises (P) Ltd. Regd. Office 14,
11nd Phase, 2nd Market,
Ashok Vihar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Hans Raj, S/o Sh. Dhani Ram R/o A. I. A. Rama
Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR.II/4-80/3351.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1 bigha 15 biswas situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 23-4-1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 bigha 15 biswas, situated at
Vill. Burari, Delhi. Khasra No. 800.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-12-1980
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-80/3347.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25 bighas 6 biswas, situated at Budhenpur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bal Kishan s/o Sh. Man Singh,
R/o Vill. Budhenpur Majra Delhi, (Transferor)
- (2) Shri Mange Ram s/o Sh. Mayya Ram, R/o Vill. Budhenpura Majra Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 bighas 6 biswas situated at Vill. Budhenpur, Majra Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN, NEW DELHI-110002,

New Delhi, the 12th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR.II, 4-80/3316.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, situated at Shakurpur Delhi State, Delhi. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Soma Wanti, Vijay Lazmi Kaul & Miss Jhula Kaul through their attorney Sh. Mohan Lal at Barbar Shah Srinagar, Kashmir. (Transferor)

(2) Shri Mansa Ram, Smt. Kaushalya & Smt. Bimla Devi R/o 8/26, Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 4 on Road No. 4, measuring 555.55 sq. yds. at Punjabi Bagh are of Village Shakurpur Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
ACQUISITION RANGE-II
II BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 12 December 1980

Ref. No. IAC Acq-II/SR-I/6493/4-80.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having an air market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-208F situated at Bharola in the abadi of Majlis Park, Colony, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Chand S/ Shri Amir Chand,
R/o House B-208F, Gali No. 2, Majlis Park,
Delhi-33.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Singh S/o Shri Sada Singh,
R/o C-85, New Subzi Mandi, Azadpur, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. B-208F, situated in the area of village, Bharola in the abadi of Majlis Park, Colony, Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 12-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/3319.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. BL-12 of Block 'L' situated at Hari Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahohar Lal Chaudhary S/o Late Sh. Daulat Ram Chaudhary,
BL-12, Block 'L', Hari Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Hakumat Rai S/o Late Sh. Harkishan Lal alias Har-Kishan Dass Chaudhary of WS-101, Mayapuri, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land No. BL-12, Block 'L' of 200 sq. yds. Hari Nagar.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 15-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Panna Nand, Mohan Lal s/o Sh. Nathu Rani,
R/o 1358, Bagich Tansukh Rai, Ajmeri Gate, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Harbel Singh,
Delhi, J. 11/25 Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/4-80 6395.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-89, situated at Mansarovar Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. D-89, of 220 sq. yds. situated at Mansarovar Garden, New Delhi. More specifically described in the instrument of transfer registered on 2-4-1980.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New/Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Rajinder Singh S/o Shri Sohan Singh,
R/o 3/42, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Ashwani Kumar Sachdeva S/o Shri Jiwan Dass
Sachdeva,
R/o 344/2, Subhash Road, Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/ST-I/4-80/6464.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the Im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. WZ-8/6 situated at Kirti Nagar Colony, Delhi State,
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 16-4-1980
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property built on plot No. WZ-8/6 measuring 104 sq. yds.
approximately situated in the Kirti Nagar Colony, area of
village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harbans Singh Singha,
D-1/10 Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ravi Kumar Ashok Kumar Manchanda,
99-E Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/4-80/6443.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 99, Block F, situated at Northern City Extension Scheme No. 1 now known as Kamla Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—406GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 99, Block E, Northern City Extension Scheme No. 1 now known as Kamala Nagar, Municipal No. E/6798 more specifically described in the instrument of transfer registered in April, 1980.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New/Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, .ACQUISITION RANGE-II
H. BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/4-80, 3308.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. B-4/66 situated at Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamla Mehta Wd/o Shri S. C. Mehta,
R/o Sector No. VII, Qr. No. 1274, R. K. Puram,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gian Devi W/o Late Shri Babu Ram Gupta,
R/o No. B-4, 66, Paschim Vihar, on Rohtak Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house bearing No. B-4/66, constructed on plot No. 66 in block No. B-4, situated in the area of village Piran Garh in the abadi of Paschimpuri Residential Scheme known as Paschim Vihar on Rohtak Road, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hardit Singh S/o Sh. Mohan Singh, of 138, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sardari Lal Marwah S/o Shri Ram Chand Marwah, WS-222, Mayapuri, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/4-80/3326.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-216 on G/B/5 situated at Hari Nagar, New Delhi, Block 'G' (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up House No. WZ-216 (Part) built on Plot No. G/B/5, on land 266 sq. yds. situated in the abadi of Hari Nagar, New Delhi Block 'G'. More specifically described in the instrument of transfer registered on 16-4-1980.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hardit Singh S/o Sh. Mehtab Singh, of 138, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manohar Lal Chaudhary S/o Sh. Daulat Ram Chaudhary, WS-14, Mayapuri, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
H BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/4-80/3327.—Whereas I, HAJJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-216 on G/B/5 situated at Hari Nagar, New Delhi, Block 'G'

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 16-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A built up house part of House No. WZ-216, Block 'G' built on Plot G-109, 110, 111, 112 total area 800 sq. yds. situated at Hari Nagar, New Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6478.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-3/75 situated at Model Town, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Chand Chopra S/o Shri Kashmiri Lal for self and as Genl. attorney of Sh. Ajit Kumar Chopra and Smt. Lata R/o G-3/75, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmit Kapoor, wife of Sq. Leader Sudarshan Kapoor, R/o No. 67, Rameshwar Nagar near Azadpur Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-3/75 measuring 140 sq. yds. situated in the area of village Malikpur Chhaoni now known as Model Town, Delhi-11009.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/4-80/7534.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-74, Khasra No. 1607 situated at Inderpuri Colony, New Delhi-12 (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bikrem Singh Lidder S/o Sh. Niranjan Singh Lidder, Smt. Punjab Kaur Wd/o Sh. Niranjan Singh Lidder R/o B-75, Inderpuri, New Delhi.
Sh. Balbir Singh Lidder S/o Sh. Niranjan Singh Lidder R/o 501, Mahatma Gandhi Road, (West Bengal)
& Surinder Bir Singh Lidder & Maj. Hardev Singh Lidder sons of Sh. Niranjan Singh Lidder R/o May Villa, Summer Hills, Simla.

(Transferor)

(2) Purn Lal & Sh. Ashok Kumar sons of Sh. Gurdial Arora R/o 3073, Mohalla Shahganj, Hauz Qazi Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-74, Khasra No. 1607, area Vill. Naraina abadi Inderpuri Colony, New Delhi-12 measuring 306-17/18 sq. yds.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6383.—Whereas I, **BAIJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 767 (old and 1658-1660 (new) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Asia Builders & Contractors registered Office at 1/18-B, Asafali Road, New Delhi, through its partners Sh. J. P. Gupta and Sh. Umesh Gupta

(Transferor)

- (2) Shri Sudesh Kumar Khanna, son of Sh. Jukam Chand, R/o 5210, Kolhapur Road, Subzimidandi, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor and First floor of property No. bearing Municipal No. 767 (old) and 1658-1660 (now, situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi.

BAIJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'II' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II-4-80/3297.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-101 & 102 situated at New Multan Nagar, Delhi-110056, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Prakash Dev Dhingra, S/o Late Sh. Parma Nand Dhingra, R/o House No. 5 & Smt. Pushpa Rani Dhingra, W/o Sh. Parkash Dev, Model Town, Rohtak (Haryana Prant).

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasad Gupta, S/o Shri Jit Bahadur Gupta and (2) Shri Hari Shankar Gupta, S/o Sh. Basdeo Gupta, R/o W-61, Mayapuri, Phase II, Rewari Line, New Delhi 64.

(Transferee)

(3) Shri Prakash Dev Dhingra.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Nos. C-101 & 102, situated at New Multan Nagar, Delhi-110056, measuring 373-1/3 sq. yds—312.15 sq. mtr (Size 48 Feet X 70 feet).

BALJEET MATIYANI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6519.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 355, situated at Kucha Ghasi Ram, Chandni Chowk,
Illaqqa No. 2, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on 28-4-1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

33—406GI/80

(1) Smt. Prakashwati, d/o Sh. Babu Pyarelal Beri, w/o
Sh. Ravindranath Bahel, R/o 3/34, Nirala Nagar,
Lucknow, now 178, Rouse Avenue, New Delhi-1.
(Transferor)

(2) Shri Ramrup S/o Manohar Lal (2) Baldev Singh
S/o Ramrup R/o 2241, Gali Dinga Beg Phatak
Habish Khan Delhi and Rajesh Kumar S/o Amar
Nath R o C-55, Panchsheel Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

4 storeyed house bearing No. 355, built on plot measur-
ing 90 Sq. Yds. situated at Kucha ghasi Ram, Chandni
Chowk, Illaqqa No. 2, Delhi-6.

BALJEET MATIYANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/4-80/6491.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2593 situated at Gali Peepalwali Chatta Pratap Singh, Delhi-6 (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Phool Chand Jain,
s/o Mohkam Chand Jain,
r/o 2593,
Gali Peepalwali,
Chatta Pratap Singh, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Prem Narayan, s/o Sh. Laxman Singh : R/o 2593,
Gali Peepalwali, Chatta Pratap Singh, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house bearing property No. 2593 building on plot measuring 108 sq yds situated at Gali Peepalwali Chatta Pratap Singh, Ilaga No. 4, Delhi-6.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I.5-80.6490.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-87 situated at Rajouri Garden, Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bimla Rani W/o Sh. Ram Dass
2. Sh. Jawahar Lal
3. Sh. Rajinder Kumar &
4. Sh. Subhash Chander Sons of late Sh. Ram Dass
all residents of 11-119, D.S. Tilak Nagar New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ravinder Kumar Juneja & Sanjeev Kumar Juneja Ss/o Sh. Ram Chand Juneja R/o 14-Ishwar Nagar, Okhla, Turn, New Delhi through their father and natural guardian Sh. Ram Chand Juneja.
(Transferee)
- (3) Transferors and 5 other old tenants, namely Sh. Bhim Sain & Ramkishan 2. Puran Singh 3. Dharam-bir 4. S. K. Sabharwal 5. Kasturi Lal Gulati.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house built on Plot No. J-87, measuring 277 sq. yds situated at Rajouri Garden, area of vill. Basai Darapur, Delhi State, Delhi. More specifically described in the instrument of transfer registered on 22-4-1980.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC-Acq-II/SH-II/4-80/3335.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land mg. 24 bighas situated at Vill. Masudabad, Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harish S/o Sh. Harbhagat, Hari Kishan S/o Sh. Sultan Singh, Raghbir Singh S/o Bishan Singh, Mahesh Chand S/o Sultan Singh and Roshan Lal S/o Bishan Singh R/o Najafgarh Delhi.
(Transferor)

(2) Suraj Pershad S/o Sh. Raghbir Singh R/o Najafgarh Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 bighas situated at Vill. Masudabad Delhi.

BALJEET MATIYANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kharaiti Lal Chopra son of Late Shri Devi Dass Chopra of E-3/9, Model Town, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Sunita Devi wife of Shri Gur Pershad, 1139-Gali Samosan, Farash Khana, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6495.—Whereas I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'E-3/9' situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 24-4-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed building No. 'D-3/9', measuring 274.16 square yards in area, situated at Model Town, Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II SR.II 4-80/3346.—Whereas I,
BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-6/103, situated at Rajouri Garden, area of Vill. Tarapur Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 18th April 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lata Devi W/o Sh. Shyam Lal R/o D-14 Kirti Nagar, New Delhi at present F.287 New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Krishna Sethi W/o Sh. Gudial Sethi, R/o J-6/103, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed House on plot No. J-6/103, at Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi. mg. 160 sq. yds.

BALJEET MATIYANI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN,

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6384.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-1/2, situated at Rajouri Garden, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2nd April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sheila Chawla a/k/a Ajit Kaur & Sh. Udhister Lal Chawla R/o. C-1/2, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Nice Estate Private Ltd. through its partners Sh. H. S. Hanspal & Sh. Sher Singh Chawla R/o. 1/6, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. C-1/2, mg. 450 sq. yds situated at Rajouri Garden, area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi.

BALJEET MATIYANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 10-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/9-80.—Whereas I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Bhama Shah Market, Mandellian Road Kamla Nagar, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 16-9-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. T. Sipahimalani IRS (Retd) S/o Dewan Tarachand R/o M. 63, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arjun Mangalani HUF through its Karta Sh. Arjun Manglani S/o Sh. Gurbakash Rai R/o. C-I, Oberoi Apart. Delhi-110.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Bhama Shah Market, Mandellian Road Kamla Nagar, Delhi-7 measuring 227 sq. ft. More specifically described in the instrument of transfer registered on 16-9-1980

BALJEET MATIYANI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-80/6425.—Whereas

I, BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Z-12 situated at Model Town, Delhi-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

34—406/80

(1) Shri Asa Ram Gulani s/o L. Kesho Ram through his son and General Attorney Sh. S. K. Gulani s/o Sh. Asa Ram Gulani R/o Z-12, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pritpal Singh S/o Sh. Darshan Singh R/o A-3/100, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. Z-12, situated at Model Town, Delhi, measuring 251.1 sq. yds.

BALJEET MATIYANI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-12-1980

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II, 'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN
NEW DELHI-110002**

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/6406/4-80.—Whereas, 1, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J/26, situated at Kirti Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. P. K. Kapoor S/o Sh. Dharam Narain Kapoor, R/o F-37, East of Kailash, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur w/o S. Manmohan Singh R/o I-26, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. J/26, mg. 150 sq. yds., situated at Kirti Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi.

BALJEET MATIYANI,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri K. K. Midha & Sh. Rajesh Kumar S/o Sh. Chuni Lal Midha R/o 7, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o Sh. Prahlad Singh Bedi R/o A-111, Vishal Enclave, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 8th December 1980

Ref. No. [AC/Acq.II/SR-I/4-80/6453.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E/36, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on plot No. E/36, measuring 215 sq. yds. at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

'H' BLOCK VIKAS BHAWAN

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-80/6396.—Whereas, I, BALJEET MATIYANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-3 situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sham Sunder Gusain S/o Ram Chand Gusain
R/o A-3, Rana Pratap Bagh, Delhi
(Transferor)

(2) Sh. Rajender Kumar Khera S/o Sh. Kundan Lal Khera S/o Sh. Kundan Lal Khera R/o A-4/3, Rana Pratap Bagh, Delhi.
(Transferee)

(3) 1. Vijay Pocket Book Depot and 2. A. S. Datta,
A-3, Rana Pratap Bagh, Delhi.
(Persons(s) occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. A-3, Rana Pratap Bagh, Delhi measuring 233 1/3 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 8-12-1980
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR.I/4-80/6410.—Whereas, I,
BALJEET MATIYANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B. 10, situated at Satyawati Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ami Kaur W/o Sh. Bansi Dhar R/o Gokal Gate, Kath Mandi, Rewari, Distt. Mahender Garh, Haryana.

(Transferor)

(2) Smt. Bohini Devi W/o Sh. Udho Dass of 2531, Onkar Nagar A, Tri Nagar, Delhi .

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B. 10, measuring 150 sq. yds. situated at Satyawati Nagar, Delhi.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi.

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
AHMEDABAD-380009**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-80/6405.—Whereas, I, **BALJEET MATIYANI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 17/3, situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- 1(1) Shri Gurmukh Singh S/o Sh. Fuesial Singh, Manjit Singh & Amarjit Singh R/o S. Gurdial Singh R/o B-6/58, Safdar Jang Enclave New Delhi. Mohan Singh S/o S. Gurdial Singh of 17/3, Shakti Nagar, Harbinder Singh s/o Gurdial Singh R/o 53, Gartswood Drive Mytchett, Camberley Surrey U.K. through attorney S. Mohan Singh.
(Transferor)
- (2) Sh. Lilu Ram S/o L. Ram Chander, Smt. Nirmal Gupta w/o L. Mithan Lal and Smt. Chanda Devi W/o L. Mahabir Pershad R/o 425 Naya Bans Delhi.
(Transferee)
- (3) Sh. Suresh Rama Rao S/o Shri K. G. Rana Rao R/o 17/3, F. F. consisting 3 rooms, kitchen latrine in Shakti Nagar, Delhi.
(Persons(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 17/3, Shakti Nagar, Delhi area 241.11 sq. yds.

BALJEET MATIYANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date : 8-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/70.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th share of land mg. 25 bigha situated at 2 biswas in village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dharam Singh S/o Diwan Singh Kotla Mubarakpur New Delhi.
(Transferor)
- (2) Claridges Hotel P. Ltd. 12-Aurangzeb Road, New Delhi through Santosh Kumar its Director.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of agricultural land area 25 bigha 2 biswas (Equal to 6 bigha 5 1/2 biswas) bearing Khasra No. 574 (5-18), 553 (4-16), 570 (4-16), 573 (4-16), 554 (4-16) with tubewell house village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 24-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/AcqI/SR-III/4-80/71.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
1/4th share of land 28 bighas situated at 9 biswas in village
Gadaipur New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 10-4-80,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Sh. Dharam Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla
Mubarakpur New Delhi.

(Transferor)

- (2) Claridges Hotel P. Ltd. 12 Aurangzeb Road New
Delhi through Santosh Kumar its Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural land area 28 bigha 39 biswas
equal to 7 bigha 2½ biswas Khasra Nos. 578/1(3-0), 578/2
(0-16), 549(4-16), 577/1(0-16), 577/2(2-0), 577/3(2-0),
576(1-13), 530(4-16), 551(4-16), 572(2-16) village Gadai-
pur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRII/4-80/72.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of 27 bigha 18 biswas in village situated at Gadaipur New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—406G1/80

(1) Sh. Dharam Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Claridges Hotel P. Ltd. 12, Aurangzeb Road, New Delhi through Director Sh. Santosh Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of agri. land area 27 bigha 18 biswas (equal to 6 bigha 194 ziswas) bearing Khasra Nos. 548(4-16), 547(4-16), 546(4-16), 580(4-16), 579/1(2-8), 579/2(1-4), 579/3(1-4) and 575(3-8) village Gadaipur New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX
TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
II-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-80/73.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of 25 bigha 2 biswas (Equal to 6 bigha 5½ biswas) situated at Village Gadaipur New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Bhagat Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Bubarakpur New Delhi.

(Transferor)

(2) Claridges Hotel (P) Ltd. 12 Aurangzeb Road New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of agri. land area 25 bigha 2 biswas (equal to 6 bighas 5½ biswas) bearing Khasra Nos. 574(5-18), 553(4-16), 570(4-16), 573(4-16), 554(4-16) with tubewell house village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.1/SRIII/4-80/74.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14th of 27 bighas 18 biswas (equal to 6 bigha 19½ biswas) situated at village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Bharat Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.
(Transferor)

(2) Claridges Hotels (P) Ltd. 12 Aurangzeb Road, New Delhi through Santosh Kumar Director.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agri. land area 27 bigha 18 biswas (equal to 6 bigha 19½ biswas) bearing Khasra Nos. 548(4-16), 547(4-16), 546(4-16), 580(4-16), 579/1(2-8), 579/2(1-4), 579/1(1-4), 575(3-18) village Gadaipur, Tehsil Mehrauli Road, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Bharat Singh S/o Diwan Singh R/o Kolla
Mubarakpur New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Claridges Hotel (P) Ltd., 12 Aurangzeb Road, New
Delhi, through Santosh Kumar its Director.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-80/75.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
4th share of 28 bighas 8 biswas equal to 7 bigha 2½ biswas)
situated at Village Gadaipur, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 10-4-80
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in agri. land area 28 bighas 9½ biswas bear-
ing khasra (equal to 7 bigha 2½ biswas) bearing khasra Nos.
578/1(3-0), 578/2(1-16), 577/1(0-16), 577/2(2-0), 577/3
(2-0), 576(1-13), 549(4-16), 550(4-16), 551(4-16), 572(2-
16) Village Gadaipur, Teh. Mehrauli.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR/III/4-80/76.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 4th share of 28 bigha 9 biswas equal to 7 bigha 24 biswas situated at Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Vipat Singh, S/o Diwan Singh,
R/o Kotla Mubarakpur, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Claridges Hotel (P) Ltd., 12 Aurangzeb Road, New Delhi, through Santosh Kumar its Director.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in agr. land area 28 bighas 9 biswas (equal to 7 bigha 24 biswas) bearing khasra Nos. 578/1(3-10), 578/2(1-16), 577/1(0-16), 577/2(2-0), 577/2(2-0), 577/3(2-0), 576/1(1-13), 549(4-16), 550(4-16), 551(4-16), 572(2-16) village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 24-12-1980
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ret. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-80/77.—Whereas, 1, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4th share of 25 bighas 2 biswas (equal to 6 bighas 5½ biswas) situated at village Gadaipur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 10-4-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Vipat Singh, S/o Diwan Singh,
R/o Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Claridges Hotel (P) Ltd., 12 Aurangzeb Road, New Delhi, through Santosh Kumar its Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in agri. land area 25 bighas 2 biswas (equal to 6 bighas 5½ biswas) bearing khasra Nos. 574(5-18), 553(4-16), 570(4-16), 573(4-16), 554(4-16), with tubewell and house village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 24-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-80/78.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
1st share of 27 bighas 18 biswas (equal to 6 bighas 19¹/₂
biswas)
khasra Nos 548(4-16), 547 situated at village Gadaipur, New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 10-4-80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Sh. Vipat Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi.
(Transferor)
- (2) Claridges Hotel (P) Ltd., 12-Aurangzeb Road, New Delhi through Santosh Kumar its director.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st share in agri. land area 27 bighas 18 biswas (equal to
6 bighas 19¹/₂ biswas) bearing Khasra Nos. 548(4-16), 547(4-
16), 546(4-16), 580(4-16), 579/1(2-8), 579/2(1-4), 579/3
(1-4), 575(3-18), village Gadaipur Tehsil Mehrauli New
Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
H-Block Vikas Bhawan I.P. Estate,
New Delhi

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Devi Dass Aggarwal W/o Shri Bankey Lal Aggarwal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. S. Kanwarjit Singh S/o S. Sher Singh Sher C/o Pal & Associates G-48, Green Park New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-80/310.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-1, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing plot No. 1 in Block No. R measuring 515.77 sq. yds. situated in the residential colony known as Hauz Khas Enclave New Delhi bounded as under :

East	Road
West	Road
North	Road
South	House on Plot No. R-3,

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H-Block Vikas Bhawan I.P. Estate,
New Delhi

Date : 24-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE

NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/4-80/446.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-101, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-6-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—406GI/80

(1) Sh. Moti Lal Jain W/o L. Banwari Lal Jain B-1/23A, Hauz Khas Enclave New Delhi-16.

(Transferor)

(2) M/s Daljit Properties P. Ltd., Flat No. L, Sagar Apartments 6, Tilak Marg New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed residential house built on a free hold residential plot of land bearing No. 101 block K measuring 500 sq. yds. i.e. 418.06 sq. mts. situated in the residential colony known as Hauz Khas Enclave New Delhi bounded as under :—

East	Road
West	House No. K-100
North	H. No. K-86 and K-87.
South	Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sultan Singh S/o Shri Attar Singh,
R/o Kotla Mubarakpur New Delhi through Attar
Singh S/o Shri Diwan Singh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Caridges Hotel (P) Ltd., 12-Aurangzeb Road New
Delhi through Director Santosh Kumar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/4-80/99.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
3/4th share of 25 bigha 2 biswas situated at village Gadaipur,
New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 17-4-80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

3/4th share in agri. land area 25 bigha 2 biswas, khasra
No. 574(5-18), 553(4-16), 570(4-16), 573(4-16), 554(4-16)
with tubewell, house village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New
Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 24-12-80
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/4-80/100.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
1/4th share of 23 bighas 8 biswas situated at Village
Gadaipur New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 17-4-80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) Sh. Sultan Singh S/o Attar Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi through G.A. Attar Singh S/o Diwan Singh.

(Transferee)

- (2) Clardiges Hotel (P) Ltd., 12 Aurangzeb Road New Delhi through Santosh Kumar its Director.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agri. land area 28 bighas 9 biswas (bearing
khasra Nos. 578/1(3-0), 578/2(1-66), 577/1(0-16), 577/2
(2-0), 577/3(2-0) 576(1-13), 549(4-16), 550(4-16) 551(4-
16), 572(2-16) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.1/SRIII/4-80/101.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
1/4th share of 27 bigha 18 biswas situated at in village
Gadaipur New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 17-4-80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Sh. Sultan Singh S/o Attar Singh R/o Kotla Mubarakpur New Delhi through G. A. Sh. Attar Singh S/o Diwan Singh.

(Transferor)

(2) Claridges Hotel P. Ltd. 12 Aurangzeb Road, New Delhi through Director Sh. Santosh Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agri. land area 27 bighas 18 biswas bearing Khasra Nos. 548(4-16), 547(4-16), 546(4-16), 580(4-16) 579/1(2-8), 579/2 (1-4) 579/2 (1-4), 575(3-18) village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-80
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK VIKAS BHAWAN I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 24th December 1980

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-80/102.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at Village
Gadaipur New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 17-4-80
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sh. Attar Singh S/o Diwan Singh R/o Kotla Muba-
rakpur New Delhi.
(Transferor)
(2) Claridges Hotel (P) Ltd. 12-Aurangzeb Road New
Delhi through director Sh. Santosh Kumar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha 16 biswas Khasra No.
571 in village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 24-12-80
Seal :

FORM LTN.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1980

Ref. No. AP No. 2383.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gobind Market, G.T. Road, Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kuldip Singh, s/o
Sh. Surjeet Singh,
r/o V. Shanker, Teh. Nakodar,
Distt. Jullundur,

(Transferor)

- (2) Sh. Bhupinder Singh, s/o
Sh. Mohan Singh, care of,
Sh. Devinder Singh, s/o Sh. Teja Singh,
New Modern Tailors & Drapers,
Bana Pind Road, Goraya,
through his father, Sh. Mohan Singh,

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registration Sale Deed No. 237 dated April, 1980 of the Registering Authority, Phillaur

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-1980
Seal: